राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

पटना एवं दिल्ली से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 क्रिकेट जगत ने सचिन तेंदुलकर को उनके 49वें जन्मदिवस की दी

निजी एक्स-1 की पृथ्वी पर वापसी फिर हुई स्थगित 12

वर्ष : 09 | अंक : 346 | पटना, सोमवार, 25 अप्रैल, 2022 | वैशाख कृष्ण, नवमी, विक्रम संवत 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

पश्चिम बंगाल, राजस्थान और दक्षिण हरियाणा के एक या दो हिस्सों में हीट वेव की स्थिति हो सकती है।

पोल

जलविद्युत परियोजनाओं से क्या जम्मू-कश्मीर का विकास होगा?

हां	83%
नहीं	10%
कह नहीं सकते	07%

बाजार

सोना	54,030
चांदी	67,100
सेंसेक्स	57,197
निफ्टी	17,171

संक्षिप्त खबर

22000 भारतीय छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा है चीन इंडिया ने किया पलटवार

नई दिल्ली। भारत ने चीन की अकड़ को कड़ा संदेश देते हुए चीनी नागरिकों को इंडिया की ओर से जारी किया गया टूरिस्ट वीजा सस्पेंड कर दिया है। चीन के नागरिक अब पर्यटन वीजा पर भारत नहीं आ पाएंगे। माना जा रहा है कि भारत का ये कदम चीन की उस जिद के जवाब में उठाया है जहां चीन भारत के 22 हजार छात्रों को चीन घुसने की इजाजत नहीं दे रहा है। ये छात्र चीन के अलग अलग विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं। इनमें से कुछ मेडिकल के छात्र हैं। जब साल 2020 के शुरूआत में चीन में कोरोना ने कोहराम मचाया तो ये छात्राएं और छात्र जैसे-तैसे भारत आ गए लेकिन अब दुनिया में हालात सामान्य होने के 2 साल बाद भी पड़ोसी देश भारत के इन स्टूडेंट को अपने देश में घुसने की अनुमति नहीं दे रहा है।

पुलवामा मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सेना और पुलिस ने जिले के पाहू में घेराबंदी और तलाशी अभियान छेड़ा। जब संयुक्त बल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़े, तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी। दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ में अब तक दो आतंकवादी मारे गये हैं। अंतिम रिपोर्ट मिलते तक मुठभेड़ जारी था। दक्षिणी कश्मीर में पिछले 24 घंटों के दौरान यह दूसरी मुठभेड़ है।

किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान अप्रैल तक

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में 25 से 30 अप्रैल तक 'किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी' अभियान का आयोजन कर रहा है।

रसगुल्ले का पैसा मांगने पर युवक ने मारी गोली

सासाराम। रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक मिठाई दुकानदार को सिर्फ इसलिए गोली मार दी गई क्योंकि उसने रसगुल्ला खाने के बाद युवक से उसकी कीमत मांगी' घायल दुकानदार को सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दुकानदार मुरारी साह ने गांव के ही मुन्ना नाम के एक युवक से मिठाई खाने के बाद जब उससे पैसे मांगे तो वो नाराज हो गया। और हंगामा करने लगा। बार-बार पैसे मांगने से आगबबूला युवक ने दुकानदार को गोली मार दी, गोली चलने की आवाज से वहां भगदड़ मच गई। घटना के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया।

पंचायती राज दिवस पर बिहार को मिले कुल 12 पुरस्कार

बिहार तरक्की के आयाम को छू रहा है : सम्राट चौधरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पंचायती राज दिवस के मौके पर जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के ग्राम पंचायत पल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर की पंचायतों को संबोधित किया और बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिला, प्रखंड और ग्राम पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार को एक साथ सम्मानित किया। इस क्रम में बिहार के 6 ग्राम पंचायतों को तथा दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से जिला परिषद और पंचायत समिति सम्मानित किया। अलग-अलग चार कैटेगरी में प्रदेश के खाते में कुल 12 पुरस्कार आए। बिहार के पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी व पंचायती राज निदेशक रंजीत कुमार सिंह ने नालन्दा जिले के हरनौत प्रखंड के सुढारी गांव पहुंच मुखिया को वाल आधारित परियोजना में वाल हितैषी के क्षेत्र में एवं इस्लामपुर पंचायत समिति सदस्य को इलाके में विकास करने के लिए सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने इस पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए जमीन तलाशने का निर्देश देते हुए कहा कि बिहार भर में अलग-अलग श्रेणियों में कुल 12 पुरस्कार मिले हैं। चौधरी ने कहा कि इस इलाके के लाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2006 में पंचायती राज्य अधिनियम में संशोधन कर महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने काम किया जो काबिले तारीफ है और उसी का परिणाम है कि आज बिहार तरक्की के आयाम को छू रहा है। चाइल्ड फ्रेंडली ग्राम पंचायत के लिए नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड की सुंदरी ग्राम पंचायत को, नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा के लिए जहानाबाद जिले के जहानाबाद प्रखंड के ग्राम पंचायत मंडील को, ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान अवार्ड के लिए वैशाली जिले के हाजीपुर प्रखंड स्थित अधरवारा ग्राम पंचायत को, दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के लिए वैशाली जिले के भगवानपुर प्रखंड के मांगनपुर ग्राम पंचायत, गया जिले के इमामगंज प्रखंड के बीकोपुर ग्राम पंचायत और खगड़िया जिले के बेलादौर प्रखंड की तेलीहर ग्राम पंचायत को पुरस्कार मिला। दिन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के लिए जिला परिषद नवादा, पंचायत समिति वैशाली, बक्सर जिले की ईटाढ़ी पंचायत समिति, लखीसराय जिले की लखीसराय पंचायत समिति, नालंदा जिले की इस्लामपुर पंचायत समिति को पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर 24 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के ग्राम पंचायत पल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर की पंचायतों को संबोधित किया और बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिला, प्रखंड और ग्राम पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार को एक साथ सम्मानित किया।

पंचायतें बनेगी भारत के विकास का सशक्त माध्यम: पीएम मोदी

सांबा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पंचायती राज व्यवस्था भारत को विकास की नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का सशक्त माध्यम बन सकती है। मोदी ने पंचायतों के संसाधनों के वाणिज्यिक प्रयोग कचरे से कंचन तथा बायो सीएनजी जैसी पहल के माध्यम से आय के नए स्त्रोत निकालने और पंचायत स्तर पर जल प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि पंचायत हो या संसद इनमें से कोई भी काम किसी से छोटा नहीं है और हर स्तर पर काम कर रहा व्यक्ति देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के हटने के बाद पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का जम्मू-कश्मीर के एक गांव में आयोजन बड़े परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर सांबा जिले के पल्ली पंचायत में आयोजित कार्यक्रम के जरिए देशभर के पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों का कुपोषण और एनिमिया (शरीर में रक्त की कमी) से बचाव की पहल के बारे में जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार इसके लिए पौष्टिक तत्व से युक्त चावल (फोर्टिफाइड चावल) वितरित करने का अभियान चला रही है।

बिहार में ज्वेलरी उद्योग की अच्छी संभावनाएं : उपमुख्यमंत्री

ऑल इंडिया ज्वेलरी और गोल्डस्मिथ फेडरेशन की ज्वेलरी प्रदर्शनी का तारकिशोर प्रसाद ने किया उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ज्ञान भवन में ऑल इंडिया ज्वेलरी और गोल्डस्मिथ फेडरेशन के तत्वावधान में तीन दिवसीय ज्वेलरी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया में काफी आगे है। ज्वेलरी मेकिंग के लिए यहां सस्ते और अच्छे कार्य कारीगर मिलने से भारत की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट हुआ है। बिहार में ज्वेलरी उद्योग की बड़ी अच्छी संभावनाएं हैं। आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा बल्कि कोई भी व्यक्ति गहने बनाने के काम में अपना भविष्य तलाश सकता है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को भी काम करने का मौका मिल रहा है। ऑल इंडिया ज्वेलरी एवं गोल्डस्मिथ फेडरेशन के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन सराहनीय प्रयास है, बिहार सरकार ज्वेलरी उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में हर संभव प्रयास करेगी। ज्वेलरी मेकिंग में युवाओं के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए आत्मनिर्भर बिहार सात निश्चय-2 के तहत संस्थागत व्यवस्था की गई है। मेगा स्किल सेंटर के माध्यम से युवाओं के तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने की व्यवस्था है। सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया है। राज्य में ज्वेलरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार सभी आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित कराएगी।

नौसेना के कमांडरों का चार दिन का सम्मेलन सोमवार से

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नौसेना के शीर्ष कमांडरों का चार दिन का सम्मेलन सोमवार से यहां शुरू होगा जिसमें समुद्री सुरक्षा से संबंधित सामरिक महत्व के मुद्दों से लेकर नौसेना की संचालन तैयारियों तथा अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शीर्ष कमांडरों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बातचीत करेंगे। थल सेना प्रमुख और वायु सेना प्रमुख भी सम्मेलन में नौसेना के शीर्ष कमांडरों के साथ तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा संयुक्त संचालन के अनुकूल परिस्थितियों पर बातचीत करेंगे। नौसेना के कमांडरोन का सम्मेलन ऐसा मंच है जहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बल से संबंधित व्यापक मुद्दों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

हरित और स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं : तारकिशोर प्रसाद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में तेल एवं गैस संरक्षण क्षमता महोत्सव के अंतर्गत आज उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने साइकिल रैली का सचिवालय के निकट हार्डिंग रोड से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इसमें 750 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

उप मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसकी वजह से भारत में गैस की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत विश्व में तेल की खपत करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। उन्होंने कहा कि हम जितने तेल और गैस की बचत करेंगे, उतना ही कम पेट्रोलियम का आयात हमें करना पड़ेगा। इसके लिए उन्होंने साइकिलिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे ऊर्जा संरक्षण भी होगा और स्वस्थ जीवन शैली का एक महत्वपूर्ण अंग बनेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क परिवहन जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों में से एक है। घरेलू ऑटोमोबाइल बिक्री ने पिछले 6 वर्षों में हर साल लगातार वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा एवं ईंधन बचत के दृष्टिकोण से कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए लोगों प्रोत्साहित करना चाहिए। आज की साइकिल रैली इस दिशा में एक बेहतर शुरूआत है। इंडियन आयल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक विभाष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पेट्रोलियम के भंडार सीमित हैं और हमारे देश में पेट्रोलियम पदार्थों की वार्षिक खपत का 15.70% का ही उत्पादन होता है। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक विभिन्न माध्यमों का भी उल्लेख किया।

अब विजयोत्सव के रिकॉर्ड पर भाजपा निकालेगी आभार यात्रा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- 78200 लोगों ने एक साथ तिरंगे फहराकर बनाया रिकॉर्ड : नित्यानंद राय
- कार्यक्रम में सहयोग करने वालों को किया जाएगा सम्मानित

विजयोत्सव में वर्ल्ड रेकार्ड बनने पर भारतीय जनता पार्टी अब आभार यात्रा निकालेगी। इसमें स्वयं सेवी संस्थाओं व भाजपा के पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। उक्त जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने गृह राज्य मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में विजयोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए बिहारवासियों तथा इसमें शामिल लोगों के प्रति आभार जताया है। श्री राय ने घोषणा की कि इस सफल आयोजन के बाद भाजपा बिहार में आभार यात्रा निकालेगी। इस यात्रा के दौरान आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठन, भाजपा के सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा। हालांकि अभी यात्रा की तिथि उन्होंने घोषित नहीं की। उन्होंने बताया कि ऐसी संस्था जिन्होंने इसमें अपना योगदान दिया है, उनके सम्मान में अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में उनके प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 78200 लोगों ने एक साथ 5 मिनट तक गृह मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय ध्वज लहराया और यह पल गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड के रूप में दर्ज हो गया है।

हर प्रखंड में बन रहा 30 बेड का अस्पताल : बिजेन्द्र यादव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आजादी के अमृत महोत्सव पर रविवार को सुपौल जिला के मरौना प्रखंड के आदर्श मध्य विद्यालय गिदराही परिसर एवं सुखपुर गांव में स्वास्थ्य मेले का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद राज्य के ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि स्वास्थ्य मेला का उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य चेकअप के साथ-साथ उनके जिले में मुफ्त मिलने वाली सुविधाओं को लेकर जागरूक करना भी है ताकि सभी को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि पहले महज 5- 6 मेडिकल कॉलेज में 50 सीटें थीं, अब बिहार में 17 से अधिक मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। उन्होंने माताओं से अपनी बेटियों को डॉक्टरी पढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि पहले बिहार में नर्स केरल से आती थीं, लेकिन अब यहाँ कई एएनएम ट्रेनिंग कॉलेज खुलने से बिहार की बेटियां मानव सेवा कर रही हैं। बिहार अब आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन है, इसलिए जीवन से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। अब प्रसव घर में नहीं, अस्पताल में ही होता है इसलिए अस्पताल को व्यवस्थित एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जा रहा है। आम आदमी स्वस्थ रहेंगे तभी देश स्वस्थ रहेगा। स्वास्थ्य रहने के लिए नजदीक में अस्पताल होना आवश्यक है। इसलिए मरौना में 30 बेड वाले अस्पताल भवन का कार्य प्रगति पर है, इसके बन जाने से मरौना के लोगों को काफी सुविधाएं मिलेगी। इस अस्पताल में गंभीर से गंभीर मरीज के इलाज की सुविधाएं होगी। जिला व अनुमंडल में बड़ा अस्पताल बना हुआ है, अब हर प्रखंड में 30 बेड का अस्पताल बनाने का कार्य चल रहा है। झंझारपुर में मेडिकल कॉलेज बन रहा है, जिससे यहां के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। मेले में लोगों का मुफ्त इलाज के साथ-साथ दवा भी दी गई। मेले में रजिस्ट्रेशन काउंटर, सामान्य ओपीडी, महिला ओपीडी, नेत्र जांच केंद्र, कोविड टीकाकरण एवं जांच केन्द्र,व दवाई काउंटर बनाया गया था। स्वास्थ्य मेले में गोल्डन कार्ड बनवाने, गर्भावस्था एवं प्रसवकालीन परामर्श, पूर्ण टीकाकरण एवं परिवार नियोजन संबंधी साधनों एवं परामर्श की व्यवस्था भी थी। साथ ही संस्थागत प्रसव संबंधी जागरुकता, जन्म पंजीकरण परामर्श, बच्चों में डायरिया एवं निमोनिया की रोकथाम के साथ ही टीबी, मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया, कुष्ठ आदि बीमारियों की जानकारी के लोगों को दी गई।

मंच संचालन जिला स्वास्थ्य समिति के मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी पंकज कुमार झा व धन्यवाद ज्ञापन डॉ सीके प्रसाद ने किया।पिपरा विधायक रामविलास कामत, जदयू जिलाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद यादव, डीडीसी मुकेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ इंद्रजीत प्रसाद, डीएसपी पंकज कुमार, एसीएमओ मिहिर वर्मा, डीएस डॉ जितेंद कुमार, मरौना प्रखंड प्रमुख मंजूला देवी, डा. बीके पासवान, अनुपमा चौधरी, बीडीओ अभिमन्यु कुमार, सीओ निरंजन सुमन, संतोष कुमार निराला, रामानुज सिंह, मुखिया जितेंद कुमार, अमर देव कामत, मु. एजाजुल हक, मकसूद आलम, ओम प्रकाश यादव, अमर कुमार चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

दावा 2025 तक मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए कोई वैकेंसी नहीं

2025 तक नीतीश कुमार ही रहेंगे मुख्यमंत्री : संजय झा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- किसी समारोह में जाना राजनीति नहीं, राजद का दावा दुर्भाग्यपूर्ण : तारकिशोर

राजद के दावते इफ्तार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शामिल होने के बाद से प्रदेश का सियासी तापमान गर्म है। सियासी दलों द्वारा इस प्रकरण पर जमकर बयानबाजी भी हो रही है। उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किसी भी समारोह में जाएं तो उसका राजनीतिक पहलू निकालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए मजबूत है। उन्होंने कहा कि होली मिलन, दीपावली मिलन या इफ्तार पार्टी के साथ-साथ किसी के पारिवारिक समारोह में मुख्यमंत्री जाएं या और कोई नेता जाए, उसको लेकर जिस तरह की बात राजद के नेता कर रहे हैं, यह उनकी दुर्भाग्यपूर्ण सोच है। निश्चित तौर पर जिस तरह की बात राजद नेता फिलहाल करते नजर आ रहे हैं, वह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए पूरी तरह से एकजुट है। वर्ष 2005 से लेकर अगर कुछ कालखंड को छोड़ दिया जाए, तो लगातार भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की सरकार लगातार विकास का काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। खासकर राष्ट्रीय जनता दल ऐसा दल है जो कुछ ना कुछ सोच कर खुश रहना चाहता है। यही सोच कर खुश रहे कि वह सरकार में आने वाला है। फिलहाल बिहार में कुछ ऐसा नहीं होने वाला है। बिहार में एनडीए की सरकार है। मजबूती से यह सरकार काम कर रही है। वहीं,जदयू कोटे से जल संसाधन मंत्रीमंत्री संजय झा ने कहा कि 2025 तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की जनता ने एनडीए को बहुमत दिया है। बिहार में 2025 तक मुख्यमंत्री की सीट खाली नहीं है। किसी तरह का कोई अन्य कयास लगाना सही नहीं होगा। जो भी नीतीश कुमार को लेकर स्पैकुलेट और प्लांट कर रहे हैं कुछ भी वह पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे लोगों को साफ-साफ बताना चाहता हूं कि भले ही नीतीश कुमार को लेकर कई तरह की बातें आ रही हैं। लेकिन वे कहीं नहीं जा रहे हैं। जनता ने उन्हें पांच साल तक बिहार की सेवा के लिए मौका दिया है। वर्ष 2025 तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहेंगे, इसमे कोई भी शक और शुभा नहीं है। उन्होंने यह भी साफ किया कि 2025 तक मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। 2025 के बाद क्या होगा, इस पर हम अभी कुछ नहीं बोल सकते हैं। संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार एक अणे मार्ग को भूकंप रोधी निर्माण की वजह से खाली कर सात नंबर के बंगले में गए हैं। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है जिसे लेकर इतनी चर्चा हो रही है। निर्माण कार्य खत्म हो जाएगा तो फिर से नीतीश कुमार एक अणे मार्ग में शिफ्ट कर जाएंगे। वहीं,जदयू पार्षद नीरज कुमार ने राजद की इफ्तार पार्टी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शामिल होने को लेकर कहा कि इसका राजनीतिक मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। एक दूसरे की पार्टी में शामिल होते ही रहते हैं। राजद प्रवक्ता मृत्युजंय तिवारी ने कहा है कि राजनीति संभावनाओं का खेल है और दोस्ती या दुश्मनी स्थाई नहीं होती है। दावते इफ्तार में नीतीश कुमार आए और पार्टी के नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जहां तक मुख्यमंत्री का सवाल है तो यह तय है कि तेजस्वी यादव ही भविष्य में मुख्यमंत्री होंगे। जदयू प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा कि दावत ए इफ्तार को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरी स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। जब उन्होंने सब साफ कर ही दिया है तो हमें इससे ज्यादा कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। दावते इफ्तार का कोई सियासी मायने नहीं है। जहां तक मुख्यमंत्री पद का सवाल है तो 2025 तक कोई वैकेंसी नहीं है।

महंगाई व बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलें गृह मंत्री : तेजस्वी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संबोधन के दौरान जंगलराज की चर्चा पर तंज कसा है। नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि गृह मंत्री यह नहीं देख पाते हैं कि जिस वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव में भाग लेने आए उनके परिजन के साथ क्या हुआ। एनडीए सरकार में ही वीर कुंवर सिंह के परिजन की हत्या हो गई। लेकिन इसपर उन्होंने कुछ नहीं बोला। वीर कुंवर सिंह की प्रपोत्र वधु ने क्या बयान दिया, सभी जानते है, लेकिन इसकी चर्चा नहीं किये। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने बाबू वीर कुंवर सिंह काअपमान किया हैं, बल्कि बिहार के लोगों के साथ छलावा भी किया। उन्होंने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि अपनी इस बिहार यात्रा के दौरान वह 19 लाख रोजगार की चर्चा करेंगे। वह बताएंगे कि अब तक कितने को रोजगार दिया और आगे कितने को देने जा रहे हैं। उम्मीद थी कि वह बताएंगे कि बिहार को विशेष राज्य दर्जा देंगे कि नहीं। उन्होंने न तो रोजगार की बात की और न ही महंगाई पर कुछ कहा। इन सब बातों की चर्चा किए बिना वह भूतकाल में चले गए।

संक्षिप्त खबरें

सीएम साइंस कॉलेज में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन आज

दरभंगा। पवित्र माह रमजान के मुबारक मौके पर आज शाम को 6.05 बजे सी०एम० साइंस कॉलेज, दरभंगा में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन गया है उक्त बातों की जानकारी देते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो दिलीप कुमार चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रति-कुलपति डा डॉली सिन्हा, कुलसचिव प्रो मुश्ताक अहमद, वित्त परामर्शी कैलाश राम एवं विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारियों सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

अपहृत युवक पांच दिनों बाद बरामद

मधुबनी। मधुबनी जिले के लदनियां थाना क्षेत्र के झलौन गांव से एक युवक का अपहरण पांच दिन पूर्व अपहरण कर लिया गया था। अपहृत युवक अमरनाथ कुमार यादव उर्फ मालिक के पिता गगन यादव ने अपहरण की आशंका में थाने में 19 अप्रैल को एक आवेदन दिया था। आवेदन के अनुसार यूवक का अपहरण शादी की नीयत से किया गया था। आवेदन के आलोक में दर्ज प्राथमिकी के आधार पुलिस ने युवक की खोजबीन शुरू कर दी थी। इस मामले के अनुसंधानकर्ता एएसआई शिवशंकर प्रसाद ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उस युवक की बरामदगी हरियाणा स्थित गुरुग्राम में हीरो होंडा चौक के समीप स्थित नितीन बिहार कॉलोनी से की। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने दी है।

300 बोतल शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मधुबनी। मधुबनी जिले के हरलाखी थाना की पुलिस ने गश्ती के क्रम में 300 बोतल शराब के साथ दो बाइक समेत दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नेपाल धनुषा जिला अंतर्गत फुलगामा थाना क्षेत्र के मुखियापट्टी गांव निवासी शत्रुधन कुमार व स्थानीय थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी इंदल साफी के रूप में किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की देर शाम एएसआई राम प्रवेश यादव दलबल के साथ गश्ती पर निकले हुए थे, इसी दौरान मनोहरपुर गांव को जानेवाली मुख्य मार्ग पर वाहन चेकिंग करने के दौरान नेपाल की ओर से आ रहे दोनों तस्कर को पुलिस ने शराब समेत गिरफ्तार की। इस बाबत थानाध्यक्ष अनोज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों तस्कर को जेल भेज दिया गया है।

शराब मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मधुबनी। मधुबनी जिले के लदनियां थाना पुलिस ने क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों से शराब मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस एएसआई सच्चिदानंद सिंह द्वारा गिरफ्तार किया गया दोनों अभियुक्त में योगिया गांव के गांव के नरेश ठाकुर और श्रीरामपुर गांव के रहनेवाला रामसुंदर यादव शामिल है। इस दोनों अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में ही घर से शराब बरामदगी का मामला दर्ज है। जिसके बाद से ये फरार चल रहा था, जिसे गिरफ्तार किया गया।

विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने पीएम के प्रेरक मन की बात को सुना

जल के संरक्षण से लेकर तेजी से बढ़ते डिजिटल पेमेंट समेत कई विषयों पर बात की

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा ने डरहार के पंचायत भवन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक विचार मन की बात कार्यक्रम को पंचायत के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों के साथ सुना एवं राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पंचायत के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों को अपने हाथों से सम्मानित किया।

साथ ही मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संग्रहालयों से लेकर वैदिक गणित, जल के संरक्षण से लेकर तेजी से बढ़ते डिजिटल पेमेंट समेत कई विषयों पर बात की। इस अवसर पर डॉ झा ने कहा कि पंचायती राज के अधीन चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाएं जो देश ही नहीं पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कई सारे योजनाओं का आज क्रियान्वयन किया जा रहा है जिस योजनाओं पर सभी जनप्रतिनिधि ध्यान देते हुए इमानदारी पूर्वक सारी योजनाएं सबसे नीचे तबके तक कैसे पहुंचे इसके लिए प्रयास करें। बढ़ते गर्मियों के मौसम में देश के विभिन्न भागों में जल संकट के कारण पेड़-पौधों जीव- जंतु और मानव जीवन को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिस कठिनाइयों के समाधान हेतु देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण की दिशा आजादी के 75 साल में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के हर जिलों में 75 अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। अब वह दिन दूर नहीं जब आपके अपने शहर में 75 अमृत सरोवर होंगे जिन सरोवरों के माध्यम से हम सब अपनी आवश्यकतानुसार उसका प्रयोग करेंगे साथ ही समय समय पर उसका साफ-सफाई पर भी ध्यान देंगे और इन कार्यों में युवा वर्गों को विशेषकर बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए ।

क्रियान्वयन

- पीएम मोदी एवं बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कई सारे योजनाओं का आज क्रियान्वयन किया जा रहा है

इस अवसर पर पप्पू चौधरी मुखिया पति, सरोज चौधरी उप- मुखिया पति, अरविंद पासवान, प्रेम लाल पासवान, आशीष कुमार चौधरी, अब्दुस सलाम, प्रीति कुमारी, मोहम्मद साबिर शाह, सुरेंद्र प्रसाद, प्रभाकर चौधरी, हरे कृष्ण चौधरी, राजेश भारद्वाज, विधान भूषण, नारायण जी चौधरी, देवेंद्र मंडल, अशोक चौपाल, मंटू चौधरी वार्ड सदस्य सहित समस्त ग्रामीण उपस्थित थे।

संविदा, आउटसोर्सिंग और अवगीर्कृत कर्मी को स्थायीकरण और वेतनमान को लेकर धरना प्रदर्शन

दरभंगा, प्रात : किरण संवाददाता

पोलो मैदान स्थित धरना स्थल पर बिहार राज्य संविदा कर्मी महासंघ की जिला इकाई दरभंगा की बैठक महासंघ के प्रमंडलीय प्रमुख आलोक रंजन और जिला कार्यकारी प्रमुख अजय कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में हुई। इस कार्यक्रम का संचालन सोहन झा के द्वारा किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रमंडलीय प्रमुख आलोक रंजन ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर महासंघ के बैनर के तले एक ही प्रमुख मांग है की बिहार के सभी संविदा, आउटसोर्सिंग और अवगीर्कृत कर्मी को स्थायीकरण और वेतनमान बिहार सरकार को करना ही होगा, उन्होंने कहा कि इस कड़ी धूप में स्वताः ही हजारों की संख्या में इस धरना स्थल पर जो कर्मी आये हैं। उनके न्योचित मांग को बिहार सरकार अविलंब पूरा करें कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षा सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमर राम और जिला अध्यक्ष मनोज कुमार महतो ने संयुक्त रूप से कहा कि हर विभाग में संविदा कर्मियों की उपस्थिति सबसे ज्यादा है लेकिन दुर्भाग्यवश हम लोगों को अभी भी अल्प मानदेय पर काम करना पर रहा है। कार्यपालक सहायक के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह और आवास पर्यवेक्षक के जिला अध्यक्ष पवन पुष्पम ने संयुक्त रूप से कहा कि 24 अप्रैल को हम लोग महासंघ के बैनर पर जिला मुख्यालय स्थित धरना स्थल पर उपस्थित हुए हैं और 1 मई को हम लोग हजारों की संख्या में पटना के गांधी मैदान में महापंचायत में शामिल होंगे।

महिला पर्यवेक्षिका की जिला अध्यक्ष रिंकू कुमारी और प्रखंड समन्वयक के जिला अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से कहा कि पिछले 12-15 वर्षों से हम लोग अपने-अपने विभाग में कार्यरत हैं फिर भी संविदा जैसे जंजीर में अभी तक सरकार हमलोगों को जकड़ कर रखी हुई है। रोजगार सेवक संघ के जिला अध्यक्ष कुंवर जी झा और ग्राम कचहरी सचिव के जिला अध्यक्ष जय नारायण साहनी ने कहा कि किसी भी तरह का चुनाव हो या कोई भी कठिन कार्य हो वहां संविदा कर्मी याद आते हैं लेकिन स्थाईकरण वेतनमान के नाम पर हमेशा ठगे जाते रहे हैं।

विकास मित्र के जिला अध्यक्ष किशन कुमार और आवास सहायक के सक्रिय साथी उदय शंकर चौरसिया और आशीष सिंह ने कहा कि जब तक स्थायीकरण और वेतनमान नहीं दिया जाएगा तब तक महासंघ के बैनर तले हमलोग अपनी मांग उठाते रहेंग।

अवैध एंबुलेंस पार्किंग एवं अन्य पर कार्रवाई को लेकर डीएम एसएसपी को लिखा पत्र: अभिजीत

दरभंगा, प्रात : किरण संवाददाता

मानवाधिकार इमरजेंसी सोशल हेल्पलाइन के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक एवं नगर आयुक्त दरभंगा को पत्र भेज अवैध तरीके से अपने निजी लाभ अर्जन करने के मकसद से सरकारी जमीन को अतिक्रमण कर पार्किंग करने वाले वाहन स्वामियों पर विधिवत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है आगे प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा कि शहर में वर्षों से दिन प्रतिदिन जाम की समस्या बढ़ती जा रही है।

इतने पुलिसकर्मी के बावजूद लोगो को जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रहा है इसका मुख्य कारण सरकारी जमीन पर अवैध पार्किंग हैं शहर का मुख्य चौराहा बेता चौक से लेकर आगे आरबी मेमोरियल हॉस्पिटल के नजदीक एवं डीएमसीएच अल्लपट्टी के आस पास दर्जनों एंबुलेंस जो सरकारी जमीन पर वर्षों से लगाया जा रहा है जिस कारण प्रतिदिन स्कूली बच्चों अधिकारियों एवं कामकाजी लोगों को घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़ता है लेकिन किसी अधिकारी की नजर इस अवैध वाहन पार्किंग पर नहीं पड़ती है जिस कारण जाम की बदतर स्थित बनी हुई है जबकि शहर में कई जगह नगर निगम के द्वारा वाहन स्टैंड आवंटित है। अवैध पार्किंग से नगर निगम को राजस्व की क्षति भी हो रही है मानव सुरक्षा को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने नियम का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए अवैध स्टैंड हटाने का अनुरोध किया है।

समस्या

- पुलिसकर्मी के बावजूद लोगो को जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रहा है

यंग्स मैन क्रिकेट क्लब ने आजाद क्रिकेट क्लब को 8 रनों से हराया

दरभंगा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में नेहरू स्टेडियम में चल रहे जी डी गोयनका दरभंगा जिला क्रिकेट लीग के दूसरे मैच में रविवार को यंग्स मैन क्रिकेट क्लब ने आजाद क्रिकेट क्लब को 8 रनों से पराजित कर दिया। निर्धारित 20 ओवरों के मैच में वाईएमसीसी की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेवाजी करते हुए 19 ओवरों में 131 रनों पर ऑल आउट हो गयी।इसके ओपनर बल्लेवाज आदित्य ने 43 गेंदे खेलकर सर्वाधिक 67 रन बनाए। इसके अलावा कृष्णा ने भी 11 रन बनाए। बाकी के बल्लेवाज फ्लॉप रहे। आजाद के गेंदवाज विवेकानंद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट चटकाए। समसी एवं राहुल ने भी 2-2 विकेट लिए। जवाब में उतरी आजाद की टीम 20 ओवरों में 123 रनों पर ही ऑल आउट होकर 8 रनों से मैच हार गयी। आजाद के बल्लेवाज आयुष ने 39 गेंदों में सर्वाधिक 50 रन बनाए। इसके अलावा अभिषेक ने 20 एवं सुबिराज ने 16 रनों का योगदान दिया। बाकी के बल्लेवाज दहाई अंक में नहीं जा सके। वाईएमसीसी के गेंदवाज आदित्य ने 5, विकास ने 2, प्रकाश, अजित एवं अवनीश ने भी 1-1 विकेट लिए।

बिहार राज्य संविदा कर्मी महासंघ का एकदिवसीय पंचायत सह रैली, पटना में आयोजित करेगा महारैली

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के सभी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मी के सभी संघों के समूह के रूप में बिहार राज्य संविदा कर्मी महासंघ का गठन हुआ जिसमें 45 संघ ने अपनी एकजुटता दिखाई। महासंघ के मधुबनी जिला प्रमुख शशि शेखर यादव ने कहा महासंघ अपनी 1 सूत्री मांग सेवा स्थाई एवं वेतनमान हेतु जिला स्तर पर रैली सह पंचायत किया एवं 1 मई 2022 विश्व मजदूर दिवस को पटना में महारैली महापंचायत आयोजित करेगा, जिसमें बिहार के ग्यारह लाख संविदा आउटसोर्सिंग एवं अवगीर्कृत कर्मी एवं उनके आश्रित परिवार भाग लेंगे।

रोजगार सेवक संघ के जिला प्रभारी संतोष यादव ने कहा बिहार सरकार के सभी विभागों में 70% से लेकर 100% तक संविदा कर्मी कार्यरत हैं, जो विगत 15 साल से अल्प सुविधा पाकर राज्य सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजना को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। बिहार पंचायत कचहरी सचिव न्याय मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा माननीय उच्च एवं सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र एवं राज्य सरकार को आदेश दिया है कि संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मी को अल्प मानदेय एवं अल्प सुविधा देकर लंबे समय तक सरकारी कार्य नहीं ले सकते हैं। उनकी सेवा स्थाई कर वेतनमान देना होगा परंतु केंद्र से लेकर राज्य सरकार द्वारा बिहार के संविदा आउटसोर्सिंग कर्मी की सेवा स्थाई एवं वेतनमान नहीं दे रही है। आवास कर्मी के जिला उपाध्यक्ष शंकर मिश्रा ने कहा संविदा आउटसोर्सिंग एवं अवगीर्कृत कर्मी के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय के अनुमोदित एवं बिहार गजट में प्रकाशित राज्य सरकार द्वारा निर्गत पत्र संकल्प आदेश का अनुपालन स्वयं राज्य सरकार एवं उनके पदाधिकारी नहीं कर रहे हैं। स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि बाबा भीमराव अंबेडकर एवं अन्य महापुरुषों के जयंती के दिन में भी संविदा कर्मियों को नौकरी से हटा देंगे का धमकी देकर बल पूर्वक कार्य लिया जाता है। अब तो रविवार अवकाश के दिन में भी कार्य लिया जाता है। आज शोषण का शब्द भी अपने अर्थ पर शर्मसार हो रहा है। ग्रामीण आवास कर्मी संघ के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र किशोर ठाकुर ने कहा बिहार में प्रत्येक 10 घरों पर एक या दो की संख्या में संविदा आउटसोर्सिंग एवं अवगीर्कृत कर्मी मिलेंगे, जिनके आश्रित परिवार की कुल जनसंख्या 44 लाख है, जिनका राज्य सरकार ने विगत 15 साल से लगातार सामाजिक आर्थिक एवं मानसिक शोषण कर कमरतोड़ महंगाई में भुखमरी की स्थिति में ला दिया है।

राज सरकार एवं पदाधिकारी द्वारा संविदा कर्मी एवं उनके आश्रित परिवार के बीच भय उत्पन्न किया जा रहा है। संविदा कर्मी महासंघ के अन्य कर्मियों में आवास पर्यवेक्षक चंद्रभूषण चंदन, सरोज कुमार, हरेंद्र ठाकुर, आवास सहायक दिना नाथ झा, शिवकुमार सिंह, सुदर्शन कुमार, महिला पर्यवेक्षिका बंदना कुमारी एवं बिहार राज ग्राम कचहरी सचिव संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह एवं अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री गणपति झा आदि ने भी भाग लिया तथा अपना मंतव्य व्यक्त किया।

58 दिन विवाह, 30 दिन द्विरागमन, 34 दिन मुंडन और 27 दिन होंगे गृहप्रवेश

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

अखिल भारतीय मैथिल महासभा भवन बलभद्रपुर के प्रांगण में रविवार को पंडित शशिनाथ झा की अध्यक्षता और ज्योतिष शोध केंद्र बलभद्रपुर के निदेशक पंडित विश्वनाथ झा शास्त्री के नेतृत्व में वर्ष 2022-23, ई.1430 साल के पर्व त्यौहार, शादी-विवाह सहित अन्य शुभ कार्यों के तिथि निर्धारण के लिए पंडित सभा का आयोजन किया गया।

सभा में सभी पंडितों ने आपस में गहन विचार-विमर्श के बाद अपने-अपने पंचांग में तिथि एवं लग्न संबंधी मुहूर्तों में एकरूपता रखने का निर्णय और संकल्प लिया। पंडितों और विद्वानों के निर्णय के मुताबिक अगले वर्ष 14 दिन उपनयन,नवम्बर माह से आगामी जून 2023 तक 58 दिन विवाह,30 दिन द्विरागमन,34 दिन मुंडन,जुलाई 2022 से जुलाई 2023 तक 28 दिन गृहारंभ,अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक 27 दिन गृहप्रवेश होंगे।

बैठक में मिथिला से प्रकाशित होने वाले विश्वविद्यालय पंचांग के पंचांगकार पंडित रामचंद्र झा,पंडित राकेश कुमार झा, पंडित वरुण कुमार झा, विद्यापति पंचांग के पंचांगकार पंडित देवकीनंदन झा, सीतामढ़ी से प्रकाशित होने वाली पंचांग अपराजिता और वैदेही के पंचांगकार पंडित अजय मिश्र, पटना से प्रकाशित होने वाली गोपी कृष्ण मिथिला के पंचांगकार पंडित मुक्ति कुमार झा सहित विभिन्न जगह से पहुंचे पंडित बाबूलाल मिश्र, पंडित भुनेश्वर मिश्र, पंडित धनेश्वर झा, पंडित उपेंद्र झा, पंडित शिव कांत झा, पंडित विकाउ झा, पंडित सुरेश्वर झा और पंडित कुलानंद झा आदि ने भाग लिया।

अमृत महोत्सव के विशेष अवसर पर आमसभा का आयोजन

मधुबनी। मधुबनी जिले के लदनियां आजादी के अमृत महोत्सव के विशेष अवसर पर आमसभा का आयोजन प्रखंड की एकहरी व कुमरखत पूर्वी पंचायत में किया गया। एकहरी पंचायत की मुखिया चंद्रकला देवी ने कहा कि आमसभा में नौ बिदुओं पर चर्चा की गई तथा उसपर अमल करने का निर्देश जारी किया है। इसमें शिक्षा तथा स्वच्छता को प्रमुखता दी गई है। मुखिया प्रतिनिधि शोभाकांत राय ने बताया कि गरीबी उन्मूलन उनका मुख्य मकसद है। यह तभी संभव हो सकता है, जब गांव में शिक्षा का माहौल बने और बच्चे स्थानीय स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को पूरा करें। सभा में पंचायत समिति सचिव बालेश्वर मंडल ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, जल संचय, विद्युतीकरण, महिला, बाल विकास, लैंगिक समानता समेत अन्य योजनाओं के प्रचार-प्रसार व इस पर अमल करने की बात है। आमसभा में सैकड़ों लोग मौजूद थे। उपस्थित लोगों ने विकास मित्र व रोजगार सेवक की अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर की।

सीतानवमी के अवसर होंगे कई कार्यक्रम आयोजित

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

मिथिला वाहिनी के जिला इकाई झंझारपुर द्वारा श्री राम जानकी मंदिर परिसर बेलाराही झंझारपुर मे जिलाध्यक्ष राजकुमार मंडल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मिथिला वाहिनी द्वारा चलाए जा रहे अभियान गुलाबीमय मिथिला की चर्चा करते हुए आगामी वैशाख शुक्ल नवमी दिनांक 10 मई को होने वाले मां सीता जन्मोत्सव के अवसर पर सीता नवमी धुमधाम आओर हर्षोल्लास से मनाया जाय इसका निर्णय लिया गया। जिसमें सीता नवमी के दिन होने वाले भजन कीर्तन संध्या के संयोजक के रूप में जगदीश मंडल और सह संयोजक योगेन्द्र राय को बनाया गया।

इस बैठक में सीता नवमी के अवसर पर नगर क्षेत्र झंझारपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाये इस पर भी विचार किया गया। जिसके निमित्त जिला प्रमुख राजकुमार मंडल, सह प्रमुख राम लाल तांती और रुद्रनाथ राउत को दायित्व दिया गया कि वह नगर क्षेत्र में जन संपर्क कर इसकी रुप रेखा तैयार किया जाये। बैठक में मिथिला वाहिनी के संस्थापक सह मुख्य संरक्षक मिहिर कुमार झा ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीतानवमी घर-घर में मनाया जाये, जिसके लिए प्रत्येक व्यक्ति द्वारा संकल्पित होकर इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। मां सीता के आशीर्वाद से ही मिथिला का चहुंमुखी विकास संभव है, और तभी मिथिला वाहिनी का गुलाबीमय अभियान सफल होगा। मिहिर झा ने संगठन से मातृशक्ति को भी जोड़ने पर बल दिया, साथ ही उनलोगों को सीता नवमी उत्सव में जोड़ने हेतु अगला बैठक में आमंत्रित करने का आग्रह किया। इस बैठक में राजेश मंडल, हरि प्रसाद राय, गणेश राम, लक्ष्मण मंडल, राजेंद्र ठाकुर, रंजीत सिंह, रुदल मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासन के निर्देश पर आयोजित हुआ विशेष ग्राम सभा

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के बिस्फी प्रखंड के नाहस रुपौली उत्तरी पंचायत के मुरलियाचक काली स्थान प्रांगण में विशेष ग्राम सभा पंचायतीराज दिवस के अवसर किया गया। उक्त दिवस को ग्राम सभा की बैठक में पूर्व की बैठक में चयनीत थीम को स्वीकार किया गया। ग्राम सभा की बैठक पंचायत की मुखिया वशिष्ट नारायणा झा की अध्यक्षता में की गयी। उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर बैठक किया गया है। सभा का थीम गरीबी दूर करने के साथ 9 योजना तैयार किया गया है, एवं मुरलियाचक स्वास्थय केंद्र के जर्जरता की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया। बैठक में बाल विकास पर विशेष जोर दिया गया तथा जल नल योजना के तहत शुद्ध पेयजल पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य के लिए एक गांव चिन्हित कर बच्चों के विकास किया जाएगा। इसके साथ ग्राम सभा मे अनुपस्थित सभी कर्मचारियों एवं प्रतिनिधियों के प्रति निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। ग्राम सभा मे ग्राम कचहरी के सरपंच मो० रहमत आलम, ग्राम सेवक भवेन्द्र मिश्र, पंचायत कृषि सलाहकार रामचंद्र शर्मा, उप मुखिया राम अवतार राम, वार्ड सदस्य बमबम पासवान, मुकेश कुमार मिश्र, सुधाकर शर्मा, संजीव झा, धर्मनाथ झा, सेविका सुधा देवी, समाजसेवी जयकृष्ण झा, दिलीप झा, कृष्णदेव पासवान, चंद्रमोहन झा, हर्षनारायन झा, नीतीश काश्यप व सैकड़ों जनता मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग के साथ हर मुद्दे पर नीतीश का शासन बिहार के लिए स्वर्णिम काल : प्रो0 विनय चौधरी

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

सड़क स्वास्थ्य शिक्षा मनोरंजन आधारभूत संरचना ,समाज सुधार सहित विभिन्न विन्दुओं पर यदि ईमानदारी से समीक्षा की जाय तो 2005 के बाद अभी तक का नीतीश कुमार का शासन बिहार के लिए स्वर्णिम काल साबित हो रहा है। बिहार के चतुर्दिक बिकास के साथ लोक कल्याण एवं समाज सुधार जैसे विभिन्न मुद्दों पर अपने शासन काल में नीतीश कुमार ने जिस तरह से लंबी लकीर खीचने का काम किया वह अपने आप मे एक उदाहरण है। बेनीपुर विधानसभा के विधायक सह दरभंगा के जदयू जिलाध्यक्ष प्रो0 विनय कुमार चौधरी ने स्वास्थ्य बिभाग मे 801 नियमित पदों के लिए स्वीकृति दिये जाने पर उपरोक्त बातें कहीं हैं। विधायक प्रो0 चौधरी ने स्वास्थ्य बिभाग के लिए नीतीश सरकार की पहल को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि बिहार सरकार ने वित्तीय वर्ष के स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय अंतर्गत बिहार के 89 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मियो के कुल 801 पदों को नियमित की स्वीकृति दी गयी है जो अपने आप मे एक सराहनीय पहल है। विधायक प्रो0 चौधरी ने इस संबंध में बेनीपुर बिधानसभा के लिए महिनाम, हाबीभौआर, जरिसो, नवादा, पोहद्दी, रमौली, शिबराम तरौनी सहित कुल 9 पंचायतों मे स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मियो की स्वीकृति से बेनीपुर मे स्वास्थ्य बिभाग मे लोगों का इलाज कराना सुलभ होगा वही रोजगार श्रृजन की व्यवस्था भी मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त बिरौल प्रखंड के अरघा उसरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वास्थ सेवा जल्द प्रारंभ होगा।

प्रारंभ

- बिरौल प्रखंड के अरघा उसरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वास्थ सेवा जल्द प्रारंभ होगा

विधायक प्रो0 चौधरी ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नीतीश सरकार के पहल एवं प्रयासों की जमकर सराहना करते हुए कहा कि 30 हजार की आवादी पर 6 शैय्या वाला एक अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करना है और अभी तक पूरे बिहार में इस लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है। बिधायक प्रो0 चौधरी ने बेनीपुर बिधानसभा के इन सभी 9 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से पदों की मंजूरी के लिए बिहार के सीएम नीतिश कुमार तथा स्वास्थ्य बिभाग को साधुवाद देते हुए कहा कि बेनीपुर बिधानसभा का सवार्गीण विकास देश स्तर पर स्थापित करने के लिए वे संकल्पित है तथा इसके लिए वे तत्पर है। इधर विधायक प्रो0 चौधरी के पहल एवं प्रयासों के बदौलत बेनीपुर बिधानसभा के इन स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित पदों की स्वीकृति के लिए जदयू के नेताओं तथा कार्यकताओं ने बिहार के सीएम नीतिश कुमार के प्रति आभार प्रकट किया है तथा साधुवाद दिया है। साधुवाद देने वाले पार्टी नेताओं में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शंभूनाथ झा प्रदेश सचिव प्रफुल्ल कुमार ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष एजाज अख्तर खान उर्फ रोमी खान बेनीपुर प्रमुख चौधरी मुकुंद राय उप प्रमुख नूनू महतो, पूर्व उप प्रमुख प्रेम कुमार झा प्रखंड अध्यक्ष कीर्तिमोहन झा समीर झा युवा जदयू के जिलाध्यक्ष रामशंकर सिंह जिला प्रवक्ता शैलेन्द्र चौधरी मशकूर आलम आदि शामिल है।

तैलिक साहु समाज के द्वारा भामाशाह जयंती मनाया गया

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

जिला तैलिक साहु समाज के द्वारा तारालाही में भामाशाह चौक पर स्थापित भामाशाह मंदिर प्रांगण में भामाशाह जयंती मनाया गया। जिसके अध्यक्षता तैलिक साहू समाज के जिला अध्यक्ष रामबाबू साह ने किया। वही जिलाध्यक्ष रामबाबू साह ने कहा कि तैलिक साहू समाज से दहेज जैसे कुरीतियों तथा समाज के सबसे बड़े अभिशाप को जड़ से उखाड़ कर फेकने हेतु समाज के सभी वरिष्ठ एवं गणमान्य व्यक्तियों को आगे आने के लिए आह्वान किये।इस अवसर पर हायाघाट विधायक डॉ० रामचन्द्र प्रसाद साहु, साहु समाज के पुर्व अध्यक्ष डा प्रोफेसर बिनोद साहु,समाज नगर अध्यक्ष मनोज साह, भाजपा प्रदेश मंत्री धर्मशीला गुप्ता, डॉ० कन्हैया प्रसाद, भाजपा दरभंगा जिला युवा मोर्चा महामंत्री संगीत साहू, जदयू दरभंगा महासचिव सुनील महासेठ, तारालाही पंचायत समिति सदस्य संजीव गुप्ता, शशि साह, आशुतोष गुप्ता के साथ-साथ समाज के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित हुए तथा सबो ने मिलकर अपने समाज को आगे बढ़ाने हेतु दृढसंकल्पित हुए।

संक्षिप्त खबरें

उपमुख्यमंत्री ने विजयोत्सव की सफलता पर राष्ट्रभक्तों के प्रति व्यक्त किया आभार

पटना’ भोजपुर जिला अंतर्गत वीर योद्धा की धरती जगदीशपुर के दुलौरी मैदान में आयोजित ऐतिहासिक विराट् विजयोत्सव कार्यक्रम की सफलता पर उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने देशभक्तों और कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।
उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य और साहस के सम्मान में बिहार के कोने-कोने से लाखों की संख्या में एक साथ राष्ट्रीय तिरंगे के शान में खड़े होकर इतिहास रचते हुए देशभक्त कार्यकताओं ने विश्व कीर्तिमान बनाया है और संपूर्ण दुनिया को भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रवाद की मजबूती का संदेश दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कार्यक्रम में देशभक्तों के उत्साह और जज्बे को देखकर कहा कि राष्ट्रभक्ति का ऐसा उफान देखकर निःशब्द हूं। वाकई में इतनी कड़ी तपिश के बावजूद इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले लाखों लोग बधाई के पात्र हैं।

नवनियुक्त शिक्षकों को जल्द मिलेगा वेतन

पटना। राज्य में हाल में नियुक्त प्रारंभिक शिक्षकों का जल्द ही वेतन का भुगतान होने जा रहा है। शिक्षा विभाग ने सभी डीईओऔर डीपीओ को निर्देश जारी किया है। इसमें नवनियुक्त शिक्षकों का वेतन भुगतान करने को कहा है।
प्रारंभिक शिक्षा निदेशक रवि प्रकाश ने निर्देशित किया है कि जिन नवनियुक्त शिक्षकों के सर्टिफिकेट की जांच या वेरिफिकेशन काम हो चुका है उन्हें वेतन का भुगतान किया जाए। बता दें कि बिहार में छठे चरण में 90762 पदों में से लगभग 42000 शिक्षकों का चयन हुआ है और उन्हें नियुक्ति पत्र देकर जॉइन भी कराया जा चुका है। राज्य सरकार ने अनुमानित तिथि से पहले इन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। पहली बार नियुक्ति पत्र 23 फरवरी 2022 को दिया गया और इसके बाद विशेष काउंसिलिंग कर चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र 18 अप्रैल को दिया गया। जानकारी के मुताबिक जो शिक्षक ज्वाइन कर चुके हैं, उन्हें स्टेट बैंक में अपने अकाउंट और अन्य संबंधित जानकारी अपने स्कूल के माध्यम से नियोजन इकाई को उपलब्ध करानी है जिससे वेतन भुगतान किया जा सके।
टीईटी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित विक्रम ने मांग की है कि सभी नवनियुक्त शिक्षकों का वेतन भुगतान चालू किया जाए। विभागीय स्तर पर उनके प्रमाण पत्रों के सत्यापन में देर की जा रही है। वेतन के अभाव में विद्यालय आवागमन और दैनिक जीवन यापन में नवनियुक्त शिक्षकों को बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले तीन साल में ओबीसी आयोग से पिछड़ों का नहीं हुआ कल्याण : सहनी

पटना। पूर्व मंत्री व वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने केंद्रीय गृह मंत्री पर हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर श्रम की राजनीति का भी आरोप लगाया। कहा कि भले ही ओबीसी आयोग का अध्यक्ष भगवान लाल सहनी जी को बना दिया गया हो, लेकिन तीन साल के कार्यकाल में पिछड़ों के कल्याण के लिए कितना काम हुआ यह भी केंद्रीय गृह मंत्री को बताना चाहिए। उन्होंने पूछ कि तीन सालों में पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए कितना काम हुआ।

जदयू के प्रदेश कार्यालय में व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमल नोपानी की अध्यक्षता में मनायी गयी जयंती

भामाशाह दानवीर ही नहीं शूरवीर भी थे : उपेन्द्र कुशवाहा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश कार्यालय स्थित कपूर्री सभागार में रविवार को दानवीर भामाशाह की जयंती पार्टी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमल नोपानी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने किया। मौक पर मुख्य सचेतक संजय कुमार सिह (गाँधी जी), विधान पार्षद राधा चरण सेठ और रेखा कुमारी समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेतागण और व्यवसायिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने दानवीर भामाशाह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजली अर्पित की।

उपेन्द्र कुशवाहा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भामाशाह का योगदान हमेशा याद रखा जायगा। भामाशाह ने महाराणा प्रताप को मुश्किल घड़ी में अपनी संपति दान की थी ताकि मातृभूमि की लाज बचायी जा सके। अमूमन लोग अपने स्वार्थ में दान किया करते हैं लेकिन भामाशाह ने जो महादान किया वो हम सब के लिए अनुकरणीय है। भामाशाह दानवीर ही नहीं बल्कि शूरवीर भी थे। महाराणा प्रताप हिंदू धर्म मानते थे जबकि भामाशाह जैन धर्म को मानने वाले थे लेकिन मातृभूमि के लिए भामाशाह ने अपना सब कुछ न्यौछावर किया। वैश्य समाज को भामाशाह से सीख लेनी चाहिए। वैश्य समाज अपने आपको आम तौर पर कमजोर समझता है लेकिन इस सामज में भामाशाह जैसे दानवीर और शूरवीर हुए जो सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। देश भर में आंदोलन का अलख जलाने वाले राष्ट्रपिता और राममनोहर लोहिया भी वैश्य समाज से ही आते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैश्य समाज के कई उपजातियों को अति पिछड़ा में शामिल किया है।

● विशेष राज्य का दर्जा मिलने से व्यवासायिक वर्ग को होगा बड़ा लाभः उमेश कुशवाहा

प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दानवीर भामाशाह व्यवसायी समाज के लिए गौरव हैं, आज की पीढ़ी को दानवीर भामाशाह से प्रेरणा लेना चाहिए। भामाशाह एक महान दानवीर थे, उनके इसी योगदान से महाराणा प्रताप मुगलों को परास्त करने में कामयाब हुए और मेवाड़ पर महाराणा प्रताप को पुनः राज्य कायम हुआ था। उन्होने दानवीर भामाशाह की तुलना महाभारत के कर्ण से करते हुए कहा कि भामाशाह ने निस्वार्थ भाव से मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया, जो इतिहास के पन्ने में दर्ज है और उसे हमेश याद रखा जायगा। हमारे नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में न्याय के साथ समावेशी विकास करने में सफलता हासिल की है, जिससे बिहार के हर समाज को लाभ पहुँचा है और बिहार में तेजी से विकास का काम हो रहा है। 1990 से 2005 के बीच बिहार में अराजकता कायम थी, लेकिन जब से बिहार के लोगों ने नीतीश कुमार को बिहार का बागडोर सौपा तब से बिहार में विकास हो रहा है।

उन्होने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा हासिल होता है तो बड़े पैमाने पर उद्योग-धंधों की स्थापना होगी और इससे व्यवसायी वर्ग को काफी फायदा होगा।

जल संसाधन मंत्री संजय झा ने इस अवसर पर कहा कि दानवीर भामाशाह सभी लोगों को लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और उनके योगदानों को हमेशा याद रखा जायगा। उन्होने कहा की बिहार में परिवर्तन की बात चल रही है जो कि बेबुनियाद है, 2025 तक नीतीश कुमार ही बिहार के मुखिया रहेंगे। क्योंकि उन्हे बिहार की जनता का मैनडेड मिला है।

मुख्यमंत्री की सरहना करते हुए आगे कहा की नीतीश कुमार ने प्रत्येक खेत में सिचाई का साधन मुहैया कराने की बात की थी। इस दिशा में काम चल रहा है और 2025 तक बिहार के हर खेत को सिचाई का साधन उपलब्ध हो जायगा।

बिहार में बिजली और सड़क की स्थिति में सुधार हुआ है। बोध गया में आने वाले पितृपक्ष मेला आयोजन के पहले फल्गु नदी में 24 घंटे पानी उपलब्ध कराने का काम चल रहा है। बिहार में इंडस्ट्री की स्थापना के लिए भी कार्य चल रहा है।

विधान पार्षद सह कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ ने दानवीर भामाशाह को याद करते हुए कहा कि उन्होंने महाराणा प्रताप के साथ मिलकर ऐसी रणनीतियां बनायी जिससे ताकतवर मुगल सेना को भागना पड़ा। उनकी दानवीर और शूरवीर छवि समाज को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

विधान पार्षद व पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि कुछ लोग इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने में लगे रहते हैं लेकिन दानवीर भामाशाह शूरवीर से हमारे समाज को एक बड़ी प्रेरणा मिलती है। इसलिए भामाशाह द्वारा समाज के लिए योगदान दिया गया और मातृभूमि के लिए जो उन्होंने त्याग किया वो हमेशा समाज को प्रेरणा देता रहेगा। उक्त अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डा नवीन आर्य चन्द्रवंशी, प्रदेश महासचिव मृत्युंजय कुमार सिंह, प्रदेश सचिव वासुदेव कुशवाहा, विधायक विजय सिंह निषाद, प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता, पूर्व विधायक मंजु कुमारी, वाल्मिकी सिंह, श्याम विहारी प्रसाद, शिव कुमार गुप्ता, अनिल कुमार साहु, राहुल खण्डेवाल, धमेन्द्र साह, अवधेश भगत, रत्नेश कुमार सहित बिहार के पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक के कार्यकरता मौजूद रहे।

एनआईटी पटना के छात्र को अमेजन से मिला 1.08 करोड़ का पैकेज

पटना। फेसबुक, गूगल के बाद अब अमेजन, बर्लिन से एक बिहारी छात्र को एनआईटी पटना में सीएसई ब्रांच के छात्र अभिषेक कुमार (22) को 1.08 करोड़ का पैकेज मिला है। एनआईटी पटना वर्ष 2022 में लगातार प्लेसमेंट के रिकॉर्ड ब्रेक कर रहा है। एनआईटी से अमेजन में इंटरनेशनल लेवल पर पहली बार किसी छात्र का प्लेसमेंट हुआ है। अभिषेक ने अमेजन के लिए 14 दिसंबर 2021 को कोडिंग टेस्ट दिया था’ 13 अप्रैल को तीन राउंड में एक-एक घंटे के इंटरव्यू हुआ और उसके बाद 21 अप्रैल को उन्हें अमेजन, जर्मनी से सलेक्शन का फाइनली कनफर्मेशन मिला है।

एनआईटी पटना के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. शैलेश एम पांडे ने बताया कि अमेजन से इंटरनेशनल स्तर पर अभी तक किसी छात्र को प्लेसमेंट नहीं मिला था पर विद्यार्थियों ने इस वर्ष अभी ही सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए हैं।

एनआईटी पटना में अंतिम वर्ष के छात्र जमुई के रहने वाले अभिषेक के पिता इंद्रदेव यादव जमुई सिविल कोर्ट में अधिवक्ता हैं और माँ मंजू एक हाउस वाइफ हैं। अभिषेक का बड़ा भाई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है।

गृह रक्षकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 6 मई से

पहुंचना अनिवार्य, दोबारा नहीं मिलेगा मौका

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार गृह रक्षा वाहिनी में गृह रक्षकों के लिए 6 मई से 14 जून तक होने वाली शारीरिक दक्षता परीक्षा को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें साफ निर्देश है कि निर्धारित तिथि पर नहीं आने वालों को शारीरिक परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। गृह रक्षा वाहिनी के वर्ष 2009 के विज्ञापन में 92 ग्रामीण और 419 शहरी कुल मिलकर कुल 511 गृहरक्षकों तथा 2011 के तहत 2000 ग्रामीण एवं 200 शहरी गृहरक्षकों यानी कुल 2200 गृहरक्षकों का पटना जिला में नामांकन किया जाना है। जिसमें विज्ञापन 1/2009 के तहत फार्म भरें 18514 तथा 2/2011 के तहत फार्म भरे 36010 अभ्यर्थियों के शारीरिक सक्षमता की जांच की प्रक्रिया होगी। शारीरिक जांच प्रखंडवार और इकाईवार केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान बिहार गृह रक्षा वाहिनी आनन्दपुर बिहटा में अवस्थित मैदान में आयोजित की जाएगी। गृह रक्षा वाहिनी के अधिकारियों का कहना है कि 6 मई 2022 से 14 जून 2022 तक शरीरिक जांच की जाएगी। शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थी प्रखंडवार एवं इकाईवाद निर्धारित तिथि को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान बिहार गृह रक्षा वाहिनी बिहटा में अवस्थित मैदान में शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थायी आवासीय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आवेदन पत्र की प्रति तथा अन्य प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं स्वअभिप्रमाणित प्रति तथा दो पासपोर्ट साईज के रंगीन फोटो के साथ आना होगा। आवेदकों के द्वारा दिए गए आवेदन पत्र की रसीद ही उनका प्रवेश पत्र माना जाएगा। किसी भी परिस्थिति में दूसरी रसीद नहीं जारी की जाएगी। जिन आवेदकों की रसीद गायब हो गई है वे शारीरिक सक्षमता जांच के लिए प्रखंडवार, इकाईवार निर्धारित तिथि को समय से आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र के साथ केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहार गृह रक्षा वाहिनी बिहटा में स्थित मैदान में उपस्थित होगें। स्वच्छ नामांकन के लिए अभ्यर्थियों की शारीरिक योग्यता, शैक्षणिक अर्हता, शारीरिक सक्षमता का मापदंड, चिकित्सीय परीक्षण और अन्य प्रक्रिया का निर्धारण 1/2009 व 2/2011 के अनुरूप होगा। यदि कोई अभ्यर्थी प्रखंडवार, इकाईवार निर्धारित तिथि को शारीरिक सक्षमता जांच हेतु उपस्थित नहीं होते है , तो अन्य तिथि को उन्हें अवसर नहीं दिया जाएगा ।

प्रदेश में अपराध व भ्रष्टाचार चरम पर : राजद

पटना। प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल राजद गृह मंत्री अमित शाह के जंगलराज वाले बयान पर हमलावर है। राजद नेता ने कहा कि जिस राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी महंगाई और प्रतिदिन हो रही हत्या से आम जनता परेशान है।

उनके नेता का दावा भी जनता सुन रही है। समय आने पर जनता जवाब देगी। अमित शाह बिहार के अतीत का दर्शन करने के बजाय अपने अतीत का दर्शन करें। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जिस राज्य में गृह मंत्रीआकर भाषण दे रहे थे, उन्हें वहां की स्थिति पता नहीं है। बिहार में हत्याओं का दौर जारी है, भ्रष्टाचार चरम पर है। वीर कुंवर सिंह के परिवार के लोग की हत्या थाने में होती है और न्याय के लिए परिजन गुहार लगा रहे हैं। बहरी सरकार सुन नहीं रही है। एक तरफ अमित शाह विजयोत्सव मना रहे थे, तो दूसरी तरफ वीर कुंवर सिंह पौत्र जिनकी हत्या हुई उसके परिवार पर पुलिस का पहरा था। ये सब इसी बिहार में हो रहा है। ये बात भी गृह मंत्री को बतानी चाहिए थी।

बोधगया और दुबई के बीच सीधी उड़ान शुरू हो : अंबेडकर ग्लोबल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

दुनिया भर में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को फैलाने के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय संगठन अंबेडकर ग्लोबल द्वारा बाबासाहेब अम्बेडकर की 131वीं जयंती समारोह को संबोधित करते हुए बिहार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि भारत रत्न डॉ बीआर अंबेडकर के विचार और उनकी शिक्षाएं अभी भी प्रासंगिक हैं और शांतिपूर्ण, समावेशी और गतिशील विश्व व्यवस्था के निर्माण के लिए भारतीय सांस्कृतिक लोकाचार और मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर ताडू मामू, आईएफएस और लेबर काउंसिल भारत के महावाणिज्य दूतावास दुबई, आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दुबई के इंडिया क्लब में आयोजित डॉ बीआर अंबेडकर की जयंती मनाने पहुचे मंत्री श्री सुमन ने आगे कहा कि डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की शिक्षाएं अभी भी विश्व स्तर पर बहुत प्रासंगिक हैं। सभी के लिए समानता की आवश्यकता है। हम बिहार में इस लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है।

● दुबई में धूमधाम से मनाए गये बाबा साहेब की जयंती में शामिल हुए हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंत्री संतोष कुमार सुमन

श्री सुमन ने विदेशों में रह रहे बिहारियों के इस कार्य में योगदान देने के प्रयासों की भी सराहना की और एक उदाहरण के रूप में अम्बेडकर ग्लोबल डॉट कॉम का हवाला दिया।

संगठन के संस्थापक रवि चंद और बिहार फाउंडेशन, संयुक्त अरब अमीरात के एक प्रतिनिधि ने इस कार्यक्रम में बोलते हुए दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास और मंत्री सहित सभी हितधारकों से अनुरोध किया कि दुबई में डॉ अंबेडकर के नाम से एक सड़क बनाई जाए। उन्होंने बौद्ध सर्किट के रूप में दुबई और बोधगया के बीच एक उड़ान शुरू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। श्रम परामर्शदाता, सीजीआई दुबई ताडू मामू ने अपने संबोधन में डॉ भीमराव अंबेडकर को प्रासंगिक बताते हुए कार्यक्रम के आयोजन को सराहनीय कार्य बताया।

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रदीप सोनवणे और सोमनाथ वाघमारे ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमा शंकर सिंह ने कहा कि युवाओं को डॉ बीआर अंबेडकर से सीखना चाहिए और बिना किसी डर के सही के लिए लड़ना चाहिए।

आप का कुनबा लगातार बढ़ रहा कई लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आप के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने कहा कि बिहार में आम आदमी पार्टी का कारवां बढ़ने लगा है। हर दिन अन्य पार्टियों के दर्जनों नेता-कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के समाजसेवी आप की सदस्यता ले रहे हैं। बिहार चुनाव प्रभारी एवं दिल्ली के विधायक अजेश यादव ने कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में लोग आम आदमी पार्टी को एक मजबूत एवं ईमानदार विकल्प के रूप में देख रहे हैं। बिहार के लोग भी चाहते हैं कि आम आदमी पार्टी राज्य में चुनाव लडे। इसलिए पार्टी ने अभी से ही बिहार के आगामी समस्त चुनावों के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। मौके पर पार्टी के बिहार संगठन मंत्री राहुल तंवर भी मौजूद थे।

इसी क्रम में रविवार को अजेश यादव की उपस्थिति में संपूर्ण वैश्य समाज के पूर्व प्रदेश प्रभारी, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष, वैश्य महासभा पटना के कार्यकारी अध्यक्ष, पटना सिटी के निवासी राजकुमार गुप्ता, कृष्ण मोहन मुरारी गुप्ता, संपूर्ण वैश्य समाज पूर्व प्रदेश प्रवक्ता, पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता, संख्या अनुपाती भागीदारी पार्टी, रोजगार मांगे बिहार के युवा जुझारू साथी अमित कुमार भारतीय, व्यवहार न्यायालय पटना के अधिवक्ता प्रवीण कुमार, पंकज कुमार प्रियदर्शी, राजेश कुमार एवं अन्य ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

दो तिहाई भूमण्डल में फैलेगा इस्सयोग : माँ विजया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

इस्सयोग शीघ्र ही दो तिहाई भूमण्डल में फैल जाएगा, यह कहा करते थे सूक्ष्म आंतरिक साधना पद्धति के प्रवर्त्तक और अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक महात्मा सुशील कुमार, जिनका जीवन और दर्शन न केवल एक आदर्श समाज की स्थापना में सहायक है, अपितु इस पर चलकर, शांति और आनंद की संपदा से युक्त एक समृद्ध विश्व का निर्माण किया जा सकता है। ह्यइस्सयोगह्न की सूक्ष्म साधना पद्धति मानव को देवत्व की ओर उन्नत कर मानव जाति के बीच एकत्व की स्थापना करती है। इसमें विश्व-बंधुत्व और धार्मिक एकता का सूत्र छुपा हुआ है।

यह बातें रविवार को, महात्मा के दो दिवसीय २०वें महानिर्वाण महोत्सव के समापन के अवसर पर अपने आशीर्वचन में संस्था की अध्यक्ष और ब्रह्मलीन सदगुरुमाता माँ विजया ने कही। माताजी ने कहा कि सदगुरुदेव ने अपने लौकिक जीवन और आध्यात्मिक विचारों से संसार के समक्ष आदर्श जीवन के उदाहरण प्रस्तुत किए। आचरण और विचारों की साम्यता के वे दुर्लभ उदाहरण थे। उन्होंने यह शिक्षा दी कि व्यक्ति गृहस्थ-जीवन जीते हुए भी महान आध्यात्मिक उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकता है।

● महात्मा सुशील महानिर्वाण महोत्सव में पाँच हुए पुरस्कृत

अमेरिका से पधारे बड़े भैया संजय कुमार ने कहा कि इस्सयोग आनंद का सागर है। सदगुरु-गुरुमाँ की कृपा से, साधकों की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी इच्छाएँ भी पूर्ण होती हैं। हमें मानव तन बड़े सौभाग्य से मिला है। यह हमें अपनी दिव्यता और मौलिकता को जानने और प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। गुरुदेव कहा करते थे कि करोड़ों लोगों में से कुछ एक को आत्म-तत्त्व को जानने की प्रेरणा होती है और उनमे से भी कुछ थोड़े से लोग उस मार्ग पर बढ़ते हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ईशर को प्राप्त करने का दिव्य मार्ग प्राप्त हुआ है। हमें अपने दुगुर्णों को दूर कर अपना आत्मिक उत्थान करना चाहिए। उस ईश्वर की अनुभूति करना चाहिए, जो सर्वत्र व्याप्त है। वस्तुतः वही एक निखिल ब्रह्माण्ड में व्याप्त है। इसके पूर्व बड़े भैया ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली पाँच इस्सयोगियों गोवा के काशीनाथ, सुरेंद्र कुमार, लंदन के अभिषेक आशीष, मुंबई के सौरभ दीक्षित एवं दिल्ली के राधेश्याम पाण्डेय को महात्मा सुशील माँ विजया प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया।

संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ के अनुसार महोत्सव के दूसरे दिन कंकड़बाग स्थित गुरुधाम में जारी बीस घंटे की अखण्ड साधना के समापन पर आरती और हवन-यज्ञ हुआ’ जिसमें माताजी के साथ बड़े भैया संजय कुमार, सांसद रमा देवी, रेणु गुप्ता, संदीप गुप्ता, नीना दूबे, संगीता झा, शिवम झा, प्रणव गुप्ता, उमेश कुमार, लक्ष्मी प्रसाद साहू, दिव्या झा, अनंत कुमार साहू समेत हजारों साधक-साधिकाओं ने समिधा अर्पित की। महोत्सव में अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, नेपाल आदि देशों के साथ देश के विभिन्न स्थानों से आए हजारों इस्सयोगियों ने भाग लिया।

भाजपा नेताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। मन की बात सुनने वालों में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखुभाई दलसानिया सहित भाजपा के कई नेताओं के साथ प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम मन की बात सुनी। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने संग्रहालय, जल की प्राथमिकता के साथ गणित की उपयोगिता को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें बताईं।

बांझपन दूर करने में सरकार करेगी हर संभव मदद : मंगल पांडेय

पुरुष निःसंतानता पर चर्चा और माइक्रोटीसा के लाईव प्रदर्शन हेतु सीएमई व सूक्ष्मजीव - कार्यशाला का किया उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने माइक्रोटीसा के लाईव प्रदर्शन के लिए और सूक्ष्मजीव विषय पर पटना के एक होटल में पुरूष निःसंतानता पर चर्चा और माइक्रोटीसा के लाईव प्रदर्शन के लिए इंदिरा आईवीएफ, पीओजीएस और आईएफएस पटना के संयुक्त तत्वावधान में सीएमई का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यशाला का उदघाटन कर उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सक कैसे बेहतर कार्य करें, जिससे समाज को लाभ हो इसपर विचार करने की आवश्यकता है। मंत्री होने के नाते मेरा दायित्व है कि आपको स्वास्थ्य विभाग एवं राज्य सरकार से हर संभव मदद प्रदान करने में सहायता प्रदान करूँ। आप आज जिस प्रकार साइंटिफिक कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं, यह सराहनीय है। चिकित्सा क्षेत्र में राज्य के अदंर होने वाले कार्य को प्रोत्साहित करना मेरा फर्ज है। आज का कार्यक्रम ज्ञानवर्धक है, जहां नयी तकनीकों के जरिये मेल फर्टिनिटी पर चर्चा की जा रही है।

श्री पांडेय ने कहा कि आईवीएफ उन लोगों के जीवन में एक दीप की तरह कार्य करता है, जो स्वास्थ्य विज्ञान की इस व्यवस्था के तहत माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त कर पाते हैं। इंदिरा आईवीएफ के जरिये अब तक लगभग एक लाख लोग माता-पिता बन पाए हैं। आईजीआईएमएस में यह व्यवस्था लागू की गयी है जो बिहार एवं झारखंड में आईवीएफ की सेवा देने वाला एकमात्र सरकारी अस्पताल है, यह आनंद देने वाला विषय है। समाज में इस व्यवस्था को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां हैं, तनाव है पर चिकित्सा विज्ञान की मानें तों मेल इनफर्टिलिटी भी संतान उत्पत्ति में बाधा उत्पन्न करता है। जिसे दूर करने के लिए यह कार्यशाला आयोजित है, इसके जरिये समाज में बेहतर परिणाम मिलेगा। आशा है कि चिकित्सकों के सहयोग से बिहार के निःसंतान दंपत्ति को आने वाले समय में काफी लाभ मिलेगा। सरकार की ओर से इस अभियान में हर प्रकार से सहयोग प्रदान किया जायेगा।

मुख्य वक्ता इन्दिरा आईवीएफ के चीफ क्लीनिकल एंड लैब हेड डा. विपिन चन्द्रा ने कहा कि समय के साथ अब पुरूष अपनी जांच के लिए आगे आ रहे हैं। तकनीकी नवाचार के चलते कम या खराब शुक्राणुओं और निल शुक्राणु में भी पिता बना जा सकता है। जिंदल हॉस्पिटल के एंड्रोलॉजिस्ट एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन स्पेशलिस्ट डा सुनील जिंदल ने कहा कि पुरूष निःसंतानता के मामले में पुरूष को उसकी कमी और उपचार विकल्पों के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी देने के बाद इलाज शुरू करना चाहिए, इनफर्टिलिटी केसेज बढ़ने से एआरटी तकनीकों की मांग बढ़ेगी।

सीएमई के संयोजक आईवीएफ पटना सेंटर हेड डा दयानिधि कुमार के अनुसार विषय से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे गए तथा पेड़ों की रक्षा पर चर्चा की गयी। पोग्स अध्यक्ष डॉ. विनिता सिंह ने कहा कि निःसंतानता के उपचार को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। डा. सुप्रिया जायसवाल ने कहा कि एआरटी तकनीकों की दरों में कमी होने से दम्पती इलाज का खर्चा मैनेज कर पा रहे हैं।

आईएफएस बिहार चैप्टर के अध्यक्ष डा हिमांशु राय ने कहा कि पुरुष निःसंतानता के कई कारण हो सकते हैं, इसलिए टेस्ट आवश्यक है। सीएमई में पद्मश्री डॉ शांति राय सहित डेढ़ सौ से अधिक गायनेकोलॉजिस्ट और यूरोलॉजिस्ट ने भाग लिया।

राष्ट्रकवि को पुण्यतिथि पर मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पटना। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर श्रम संसाधन एवं आईटी विभाग के मंत्री जीवेश कुमार ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रकवि दिनकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रकवि दिनकर की कुछ पंक्तियां भी पढ़ीं। इस अवसर पर मंत्री जीवेश कुमार ने कहा कि हमलोग महाकवि रामधारी सिंह दिनकर के लिखे काव्य-संग्रह रश्मिरथी को पढ़ा करते थे जिसमें कृष्ण की चेतावनी, विशेष रूप से हमें प्रिये था। इसे सोशल मीडिया पर अनेक लोगों ने स्वर दिए हैं। इस कविता का लय और भाषा इतना लोकप्रिय है कि जिस-जिसने इसे पढ़ा उसने खूब सराहा। लोगों को जुबानी यह कविता याद है। रश्मिरथी के अलावा महाकवि ने रेणुका, हुंकार, उर्वशी, कुरुक्षेत्र, परशुराम की प्रतीक्षा जैसे संग्रहों के साथ-साथ गद्य भी खूब लिखा। वे अपनी कविता में एक जगह लिखते हैं कि मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं, उर्वशी अपने समय का सूर्य हूं मैं। यह उनकी लिखी उन कालजयी पंक्तियों में से एक है जिसे लोग किसी मुहावरे की तरह प्रयोग करते हैं।

बिहार बोर्ड के 6 शीर्ष छात्र- छात्राएं रमण अवार्ड से हुए सम्मानित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साहू जैन सभागार में रविवार को बिहार बोर्ड के 6 शीर्ष छात्र- छात्राओं को रमण अवार्ड देते हुए महानिदेशक सह महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन बिहार शोभा अहोतकर, आईपीएस ने कहा कि छात्रों को रमण प्रकाश बंका के जीवन, उनके अदम्य साहस, सरल जीवन और देशभक्ति की भावना से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने अपने प्रशिक्षण काल में लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकेडमी, मसूरी में रमण प्रकाश के साथ बिताए पल को याद करते हुए बताया कि रमण बहुत हीं मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्ति थे। इसके साथ ही वो बहुत अच्छे कुक भी थे। मेरे ह्रदय में अभी भी उनकी यादें बनी हुई है।

इस अवसर पर शहीद रमण प्रकाश बंका के चित्र पर माल्यार्पण तथा श्रद्धा सुमन अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में आयकर पदाधिकारी, बैंक पदाधिकारी, अभियंता, अधिवक्ता, रमण प्रकाश बंका आईपीएस स्मृति ट्रस्ट के ट्रस्टी व समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे। अहोतकर ने बिहार बोर्ड के 6 शीर्ष टॉपर छात्र- छात्राओं सौरभ कुमार एवं अर्जुन कुमार (आईएससी), अंकित कुमार गुप्ता (आइकॉम), संगम राज (आइए), रामायणी राय (मैट्रिक टॉपर) व सानिया कुमारी (मैट्रिक सेकंड टॉपर) को रमण अवार्ड देकर सम्मानित किया। रमण अवार्ड में एक लाख रुपये की राशि, एक पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। संयुक्त रूप से टॉपर्स को पचास- पचास हजार रुपये की राशि दी जाती है। ट्रस्ट के अध्यक्ष ओमप्रकाश बंका ने कहा कि शहीद रमण प्रकाश बंका की स्मृति में वर्ष 2015 से बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटर के सभी निकाय तथा मैट्रिक के टॉपर्स को रमण अवार्ड से अलंकृत किया जाता है। अब तक 25 जिलों के 50 छात्र-छात्राएं सम्मानित हो चुके हैं’ जिनमें 30 छात्राएं हैं, जिससे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा सार्थक हो रहा है। ओम प्रकाश अग्रवाल अधिवक्ता ने धन्यवाद ज्ञापन करने के साथ ही शहीद रमण प्रकाश बंका के उत्कर्ष बलिदान की चर्चा करते हुए कहा कि भविष्य में रमण अवार्ड प्रदेश के लिए नोबेल प्राइज के समतुल्य हो जाएगा।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
पटना, सोमवार, 25 अप्रैल 2022

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

मोती की खेती देखने विभूतिपुर पहुंचे किसान विनोद कुमार

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत किसानों द्वारा किए गए मोती का खेती देखने किसान विनोद कुमार पहुंचे। बता दें कि विभूतिपुर में स्वयंसेवी संस्था हरा बिहार के द्वारा मोती की खेती की गई है। इस मोती की खेती एवं प्रशिक्षण केंद्र को देखने के बाघ विनोद कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए अपना विचार देते हुए कहा कि मोती की खेती देश के विकास में अच्छा योगदान है इससे गरीबी उन्मूलन किया जा सकता है। मौके पर डॉ देवेंद्र कुमार, शिक्षक विजय कुमार, मनोज कुमार, रामनाथ सिंह, जितेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद थे।

भूमि विवाद के सात मामले की सुनवाई

समस्तीपुर। अंगारघाट थाने पर शनिवार को भूमि विवाद को लेकर थानाध्यक्ष प्रेम प्रकाश आर्य व सीओ अजित कुमार झा ने संयुक्त रूप से दरबार लगा मामलों की सुनवाई की। इसमें भूमि विवाद से जुड़े तीन मामलों की सुनवाई हुई। सीओ ने बताया कि तीनों मामलों को निष्पादित कर दिया गया। इधर उजियारपुर थाने पर सीओ ने दरबार लगा चार मामलों की सुनवाई की। एक मामले की सुनवाई अगले शनिवार को होगी।

पीपल की टहनी सिर पर गिरी, युवक की मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिला के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के गढ़सिसई में रविवार को पीपल की मोटी टहनी टूट कर एक युवक के सिर पर गिर गई। हादसे युवक की मौत हो गई। जबकि उसके बगल में बैठे एक बुजुर्ग जख्मी हो गए। जख्मी का इलाज पीएचसी में कराया जा रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पीपल के छाव में बैठे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान वार्ड संख्या चार निवासी मदन केवट के रूप में हुई है। मृतक की पहचान वार्ड संख्या चार निवासी मदन केवट के रूप में हुई है। मृतक की पहचान वार्ड संख्या चार निवासी सियाशरण केवट के पुत्र मदन केवट (28) के रूप में हुई है। दरअसल, गांव के कुछ लोग भीषण गर्मी से राहत को लेकर बलान नदी के किनारे सामुदायिक भवन के पास स्थित पीपल के वृक्ष के नीचे छाव में आराम कर रहे थे। इसी दौरान तेज हवा में पीपल की एक मोटी टहनी टूट कर गिर पड़ी। इससे मदन केवट के सिर पर चोट लगी।

आइसक्रीम फैक्ट्री में हुए गैस रिसाव से एक की मौत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

- बीडीओ ने की फैक्ट्री की जांच, संचालक ने गैस रिसाव को बताया आम बात
- घटना के बाद रविवार को बीडीओ मनोज कुमार के द्वारा उक्त फैक्ट्री की जांच की गई। बीडीओ ने बताया कि फैक्ट्री की जांच की गई है, फिलहाल गैस लीक नहीं हो रही है

समस्तीपुर जिले के ताजपुर में एक आइसक्रीम फैक्ट्री से अमोनिया गैस रिसाव होने के बाद सदर अस्पताल में इलाजरत एक सेवानिवृत्त शिक्षक जवाहर लाल साह की रविवार को मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों के चीत्कार से सदर अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया। वहीं अब भी कई लोगों का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार बंगरा रहीमाबाद पंचायत के बहेलिया टोला स्थित एक आइसक्रीम फैक्ट्री में शनिवार की रात करीब 10 बजे अचानक आमोनिया गैस लीक होने लगा। इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। गैस रिसाव का क्रम पूरी रात से जारी रहा। सूत्रों के अनुसार गैस रिसाव के बाद करीब दर्जनभर लोग बेहोश हो गए। वहीं कई लोग आंखों में जलन व उलटी होने की भी शिकायत करने लगे। बेहोश हुई दो लड़कियों को एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि दोनों अपने रिश्तेदार के घर एक शादी समारोह में शामिल होने आई हुई थी। वहीं रहीमाबाद निवासी ललिता देवी (55), संतोष साह (38), गोलू कुमार (11), अंकुश राज (09), गूंजा देवी (30) ताजपुर अस्पताल में इलाजरत है। सिमरन स स्नेहा का इलाज निजी क्लीनिक में जारी है। मृतक जवाहर लाल साह के स्वजन विनय कुमार ने बताया कि शनिवार की रात से ही जवाहर लाल साह का दम फूलने लगा था। सुबह में उनके स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सक के यहां उन्हें ले जाया गया, जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया। रिपोर्ट के बाद उन्हें ले जाने क्रम में उनकी रास्ते में ही मौत हो गई। विनय कुमार के अनुसार रविवार की सुबह फिर से गैस लेकर घटना हुई, जिसके बाद लोग दहशत के मारे इधर-उधर भागने लगे। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ताजपुर-पूसा पथ को रहीमाबाद के निकट जामकर दिया। स्थानीय लोग उक्त फैक्ट्री को वहां से हटाने की मांग कर रहे थे। उक्त फैक्ट्री रहीमाबाद निवासी किसी मो. अन्ना एवं मो. विक्की का है। लोगों के अनुसार तीन-चार महीने पहले ही उकी फैक्ट्री को चालू किया गया है। बताया जाता है कि फैक्ट्री की क्षमता प्रतिदिन 300 सिल्ली बर्फ बनाने की है। फैक्ट्री में लगभग 3 से 4 टन अमोनिया गैस रहता है। गैस लीक होने पर शनिवार की रात लोगो के आखों में जलन होने लगी। गंध के कारण उल्टी भी होने लगी। कुछ लोग बेहोश भी हो गए। स्थिति गंभीर होने के बाद स्वजनों के द्वारा सभी को ताजपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नौवीं व दसवीं के छात्र-छात्रा पाठ्यक्रम के अनुसार वस्तुनिष्ठ व विषयनिष्ठ दोनों भाग की करें तैयारी : शुशांत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

नए शैक्षणिक सत्र 2022-23 के प्रारंभ होने के साथ ही छात्र-छात्राओं के द्वारा अपने संबंधित वर्ग के पाठ्यक्रम के अनुसार पठन-पाठन की प्रक्रिया की शुरूवात की जा चुकी है। उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रतिनियुक्त शिक्षक सुशांत यादव सुमित ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए शैक्षणिक सत्र 2022-23 के प्रारंभ से ही नौवीं व दसवीं कक्षा के छात्र छात्राओं के द्वारा अपने संबंधित पाठ्यक्रम के अनुसार वस्तुनिष्ठ तथा विषयनिष्ठ प्रश्नों की साथ साथ अभ्यास करना बहुत लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम के प्रारंभ से ही यदि छात्र-छात्राओं के द्वारा वस्तुनिष्ठ व विषयनिष्ठ प्रश्नों का अभ्यास जारी रहेगा तो पाठ्यक्रम की समाप्ति के समय वे अपने आप को बहुत सहज महसूस करेंगे। सुशांत ने बताया कि दोनों कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए प्रत्येक माह के लक्ष्य को निर्धारित कर पाठ्यक्रम के अनुसार अध्ययन करना चाहिए।

छात्रों को अपने संबंधित विद्यालय के शिक्षकों से निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त करते रहना चाहिए। उन्हें किसी भी विषय की तैयारी करते समय पाठयक्रम के अनुसार प्रत्येक माह का लक्ष्य निर्धारित कर पाठयपुस्तक के वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय व दीर्घउत्तरीय प्रश्नों का नियमित रूप से अभ्यास करते रहना चाहिए।

ओईनी स्थित गायत्री शक्ति पीठ परिसर में प्रबुद्धजन संगोष्ठी आयोजित

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सत्य और अच्छाई की राह कठिन अवश्य है मगर बड़ी आनंददायक है। गायत्री मंत्र हमें इसी राह पर चलना सिखाती है। उक्त बातें देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांति कुंज हरिद्वार के कुलपति एवं श्रीराम शर्मा आचार्य व माता भगवती शर्मा के दौहित्र डॉ चिन्मय पंड्या ने रविवार को ओईनी स्थित गायत्री शक्ति पीठ परिसर में आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी में शामिल श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। दीप प्रज्वलन एवं अनामिका कुमारी, मीनू कुमारी, खुशबू कुमारी, राखी कुमारी, चांदनी कुमारी, कृष्णा एवं प्रभात कुमार तुलसी द्वारा प्रस्तुत संगीतमय स्वागतांजलीके बाद आरंभ संगोष्ठी में डॉ पंड्या ने कहा कि कलियुग में सिर्फ गायत्री महामंत्र के नियमित जाप से भवसागर पार किया जा सकता है। गायत्री मंत्र हमें बुराइयों से बचाती है और सच्चाई और अच्छाई की राह दिखाती है। बताते चलें कि डॉ पांड्या के ओईनी आगमन पर उनके स्वागत में क्षेत्र में उत्सवी माहौल नजर आया। इस अवसर पर उनकी एक झलक पाने को मौजूद श्रद्धालुओं की व्यापक भीड़ में अनुशासित बेताबी दिखी। इस अवसर पर सर्वप्रथम गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी अरुण कुमार सिंह ने मिथिला की परंपरा के अनुसार पुष्प माला, पाग, चादर एवं डॉ अंजना शर्मा द्वारा प्रस्तुत मधुबनी पेंटिंग से डॉ पंड्या का स्वागत किया। इसके पूर्व गायत्री मंत्रोच्चार के बीच डॉ पंड्या ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और योग चिकित्सा एवं परामर्श केंद्र का उद्घाटन करते हुए स्वस्थ जन स्वस्थ भारत का उद्घोष किया। मौके पर प्रमुख सहयोगी श्याम कुमार झा, डॉ सुनील कुमार सिंह, सुशील कुमार पाठक, डॉ गोपाल जी त्रिवेदी, प्रो शिव कुमार द्विवेदी, दीपक कुमार, दिलीप कुमार राय, अंजली कुमारी, कविता पाठक, सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

समस्तीपुर मंडल को 13 दक्षता शील्ड अवार्ड, आज हाजीपुर में किए जाएंगे प्रदान

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

- विदित हो कि प्रत्येक वर्ष रेल सप्ताह के अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट कार्य संपादन हेतु रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता है

67वें महाप्रबंधक स्तरीय रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2021-22 में उत्कृष्ट कार्य संपादन के लिए समस्तीपुर मंडल ने कुल 13 दक्षता शील्ड जीता है। मंडल को प्राप्त होने वाले शील्डों में कार्मिक दक्षता शील्ड, आईटी शील्ड, संरक्षा शील्ड, डीजल शेड दक्षता शील्ड, कॉलोनी केयर शील्ड, समय पालन दक्षता शील्ड, लीगल दक्षता शील्ड, पर्यावरण के लिए सर्वोतम मंडल का शील्ड, सर्वोत्तम कोचिंग डिपो शील्ड (दरभंगा), सर्वोत्तम हेल्थ यूनिट शील्ड, (नरकटियागंज), सर्वोत्तम भंडार डिपो शील्ड, ओवरआल निर्माण दक्षता शील्ड (बेतिया), क्लीन स्टेशन शील्ड (मीडियम स्टेशन-मधुबनी) सहित कुल 13 शील्ड शामिल है। साथ ही इस वर्ष महाप्रबंधक स्तरीय रेल सप्ताह पुरस्कार के लिए समस्तीपुर मंडल के 05 अधिकारियों एवं 15 कर्मचारियों का भी चयन किया गया है। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष रेल सप्ताह के अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट कार्य संपादन हेतु रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता है।

इस वर्ष समस्तीपुर मंडल के लेखा विभाग- 01, वाणिज्य विभाग- 02, विद्युत विभाग- 02, अभियंत्रण विभाग- 02, यॉँत्रिक विभाग- 02, स्वास्थ्य विभाग- 01, परिचालन विभाग- 02, कार्मिक विभाग- 02, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग- 01, सुरक्षा विभाग- 02, भंडार विभाग- 01, कल्चर- 01, स्पोटर्स- 01 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जायेगा। पुरस्कार पाने वाले अधिकारियों में एडीएफएम राजेश कुमार, एसीएम मो. फैजान अनवर, एईई (टीआरडी) बापूधाम मोतिहारी सुनील कुमार, एपीओ-। चन्द्र किशोर, एएमएम डिपो राजेश कुमार मसीह के नाम शामिल हैं। महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल अनुपम शर्मा द्वारा 25 अप्रैल को वैशाली प्रेक्षागृह, रेल निकेतन, हाजीपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक आलोक अग्रवाल एवं संबंधित विभाग के शाखा अधिकारी को शील्ड प्रदान किया जायेगा तथा व्यक्तिगत पुरस्कार पाने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जायेगा।

पिछले वर्ष समस्तीपुर मंडल को कुल 11 शील्ड प्राप्त हुए थे। इस वर्ष मंडल द्वारा 13 शील्ड प्राप्त किये जाने पर मंडल के अधिकारियों एवं कर्मियों में काफी खुशी है, मंडल रेल प्रबंधक ने मंडल के सभी कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि हम इस वर्ष और अधिक मेहनत और लगन से अपना अपना कार्य संपादित करना है ताकि अगले साल मंडल और अधिक शील्ड को प्राप्त करने में सफलता पा सके।

भाजपा नेत्री पर हुए हमला मामले में एफआइआर दर्ज, पुलिस छानबीन में जुटी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विमला सिंह पर हुए जानलेवा हमले मामले में पुलिस ने रविवार को एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आपको बता दें कि समस्तीपुर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रामकृष्णपुर गंज के पास बीते 23 अप्रैल की अहले सुबह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विमला सिंह के तौर पर उस समय 7-8 की संख्या में अज्ञात अराजक तत्वों के द्वारा हमला बोल दिया गया, जब वह भोजपुर जिले के जगदीशपुर में आयोजित होने वाले बाबू वीर कुंवर सिंह जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जा रही थी। यहां बताया जाता है कि उनके कार के ड्राइवर की तत्परता की वजह से वह बाल-बाल बच गईं। कार के ड्राइवर धर्मेंद्र कुमार के द्वारा दिए आवेदन पर मुफ्फसिल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वहीं भाजपा जिला प्रवक्ता समस्तीपुर मुकेश कुमार सिंह के द्वारा भाजपा नेत्री विमला सिंह पर हुए जानलेवा हमले की तीव्र भर्त्सना की गई है।

सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल बटहा में आईपीएस विकास वैभव का हुआ भव्य स्वागत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

अपने गौरवशाली अतीत का स्मरण एवं संरक्षण हमारा पावन कर्तव्य है। जिनसे जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्म बल एवं प्रेरणा प्राप्त होते हैं। उपरोक्त बातें रोसड़ा प्रखंड के सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल बटहा के सभागार में आयोजित प्रेरित करें बिहार कार्यक्रम में गृह विभाग बिहार सरकार के विशेष सचिव व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास वैभव ने कही। उद्घाटन ऊं, सरस्वती माता, भारत माता एवं बाबू कुंवर सिंह के तैल चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। अतिथि परिचय एवं स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य देवानंद दूरदर्शी ने उपस्थित जनसमूह को अपनी संस्कृति की विशेषताओं को बचाने एवं उन्हें अपनाने का आह्वान किया। नेहा, श्रुति, शबनम, सिमरन एवं दीपा ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा ऐसे कार्यक्रम से देश के भावी कर्णधारों को प्रभावकारी मार्गदर्शन मिलता है जिससे उनके कैरियर को भी लाभ होता है। मंच संचालन करते हुए विजयव्रत कंठ ने मुख्य अतिथि के सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बटहा की पावन धरती से आती है आवाज। विकास वैभव जैसे अफसर पर, हमें बहुत है नाज। शीर्षक काव्यात्मक अभिनंदन पत्र का पाठ किया। विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार द्वारा मिथिला की परंपरा के अनुसार मुख्य अतिथि का सत्कार अंगवस्त्र, पाग, पुष्प गुच्छ, अभिनंदन पत्र आदि प्रदान कर किया गया। मौके पर कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, न्यासी प्रवीण कुमार, पूर्व प्रधानाचार्य जयकृष्ण प्र सिंह, कुमार ललन सिंह, उपप्रधानाचार्य विष्णुदेव महतो, छात्रावास अधीक्षक शैलेन्द्र मिश्र, संजय दास, घनश्याम मिश्र, रामबाबू दास, रिंकी कुमारी, विपिन कुमार विभूति, मान सिंह, रामबाबू कुमार, रंजना कुमारी, शत्रुघ्न कुमार सिंह, अंजू कुमारी, पिंकी कुमारी, रेणु कुमारी, सुमित कुमार, प्रवीण तिवारी, राहुल तिवारी, राघवेन्द्र कुमार सहित छात्रावासी छात्र छात्राएं मौजूद थे।

ऋषि पुत्र शांतिकुंज के डॉ चिन्मय पांड्या का गायत्री प्रज्ञा पीठ बिथान में हुआ आगमन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

गायत्री मंदिर में प्रातः कालीन के शुभ बेला में शुरूआत के साथ मनुष्य में देवत का उदय के साथ ही प्रवचन के क्रम में सोलह संस्कारों का वर्णन किया गया। इस दौरान गुरुवर के अनन्य वरिष्ठ प्रज्ञा पुत्र डॉ चिन्मय पांड्या का उद्बोधन हुआ। तत्पश्चात चर्चा के दौरान महाभारत और रामायण जैसे ग्रहांथो के कुछ दृश्यों का वर्णन किए। आज का मनुष्य वर्तमान में भी महाभारत और रामायण के उस पन्ने के तरह है जो कर्म तो कुछ ऐसा करते हैं धर्म उनका विस्तारित हो जाता है। इसी बीच असुरता आति है। गुरुवार की विचार क्रान्ति अभियान का विगुल फुका जा चुका है। जिसमें उन सभी मानस पुत्रों का असीम सहयोग होगा एवं युग का परिवर्तन लाने में अग्रिम भूमिका निभाएंगे। पंड्या जी के दिव्य जागरण में उद्बोधन से वातावरण एवं श्रद्धायुक्त आध्यात्मिकता की ओर एक कदम आगे बढ़ने लगा है। पांड्या का बिथान की धरती पर अगमन होना इस इलाके के लिए एक बौधिकता का वातावरण माना जा रहा है। तत्पश्चात माँ भगवती हर्ष होमियो अस्पताल का शुभ उदधाटन आदरणीय डॉ चिन्मय पंड्या प्रति कुलपति देवसंस्कृति विश्व विद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उपस्थित शांतिकुंज के प्रतिनिधि नरेश कुमार विद्यार्थी का टोली, डॉ सचिदानंद बाबू, डॉ डीएन यादव, महेश चौधरी, रामानंद राय, ओम प्रकाश अंबुज, कैलाश चौधरी, प्रभात कुमार, रामाश्रय प्रसाद, नारायण महतो, शशिभूषण कुमार, जितेन्द्र कुमार, चंद्रभूषण कुमार, अनिता कुमारी, शालनी कुमारी इत्यादी।

उत्पाद विभाग ने शराब निर्माण के अवैध धंधे का किया भंडाफोड़

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मचहा चौर में शनिवार को छापेमारी कर अंग्रेजी शराब निर्माण के अवैध धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मचहा चौर स्थित मकई खेत से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब निर्माण के लिए रखी गई भारी मात्रा में खाली बोतल, पैकिग बोतल, कार्क, रैपर, केरामल, ऐसेंस समेत पचास बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की। हालांकि, धंधेबाज वहां से भाग निकले। उत्पाद अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि शनिवार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मचहा चौर में अंग्रेजी शराब का अवैध निर्माण किया जा रहा है। तत्काल उत्पाद निरीक्षक विनीत कुमार और सब इंस्पेक्टर मनोज दाने के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर उक्त स्थल पर छापेमारी की गई। भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब निर्माण के लिए रखी गई खाली बोतल, पैकिग बोतल, कार्क, रैपर, केरामल, ऐसेंस समेत 57 बोतल अंग्रेजी शराब भी बरामद हुई है।

विभूतिपुर के टभका में राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि पर किया श्रद्धा सुमन अर्पित

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड के टभका में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर एक सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता चांद मुसाफिर ने किया। इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार, अनिल कुमार झा, रामाकांत सिंह, डॉ शशि भूषण महतो, सुमन कुमार, प्रिय रंजन ठाकुर, राम चंद्र ठाकुर, विनोद ठाकुर, हरे कृष्ण ठाकुर, शशि भूषण चौधरी, रामविलास प्रवासी, मनीषा भारती, बाबू प्रसाद शर्मा, विद्यासागर ब्रहमचारी, विशेश्वर राय, मुखिया विजय कुमार चौधरी, विजय महतो, अमिय कश्यप, सत्संग भारद्वाज आदि लोगों ने दिनकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सुमन कुमार ने राष्ट्रकवि दिनकर जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमर मूर्ति जे ससुराल में लागत, चोर-उचक्का कहियो ले भागत। बता दें कि राष्ट्रकवि दिनकर की ससुराल भी विभूतिपुर प्रखंड के टभका ही था। वहीं चांद मुसाफिर राष्ट्रकवि दिनकर को सर्वश्रेष्ठ साहित्यकार बताते हुए कहा कि दिनकर वंचितों, दीनो के आधार थे। इस अवसर पर अभिव्यक्ति संस्था के द्वारा 5 साहित्यकारों को चादर, पाग, प्रशस्ति पत्र आदि से सम्मानित किया गया।

19 संबद्ध कॉलेजों का लौट सकता 20 करोड़ का अनुदान

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

एलएनएमयू प्रशासन ने अपने अधीनस्थ 19 एफिलिएटेड कॉलेजों को पत्र भेजकर विहित प्रपत्र में आवश्यक जानकारी मांगी है। निर्धारित अवधि 30 अप्रैल तक जानकारी नहीं दी गई तो राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान की राशि वापस की जा सकती है। इससे पहले मांगे जाने पर 4 कॉलेजों ने ही ही जानकारी भेजी थी। बता दें कि एलएनएमयू के विभिन्न 23 कॉलेजों को राज्य सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2011-14 के लिए कुल 20 करोड़ 33 लाख 86 हजार 680 रुपए की अनुदान राशि 14 मार्च को ही भेजी थी। कॉलेज इंस्पेक्टर प्रो सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इन कॉलेजों के अनुदान की राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करा दी गई है लेकिन निर्धारित अवधि में मांगी गई जानकारी कॉलेज प्रबंधन को उपलब्ध नहीं कराई गई है। जानकारी दिए जाने के बाद ही अनुदान की राशि विमुक्त की जाएगी।

पुण्यतिथि पर याद किए गए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

- प्रकृति, पुरुषार्थ, ओज, शौर्य, प्रेम और सौंदर्य के कवि दिनकर ने हिंदी साहित्य को प्रतिष्ठित किया : राकेश

सच को कविता में पिरोने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 24 अप्रैल को पुण्यतिथि है। उनका निधन 24 अप्रैल, 1974 को हुआ था। उन्होंने हिंदी साहित्य में न सिर्फ वीर रस के काव्य को एक नयी ऊंचाई दी, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का भी सृजन किया। समस्तीपुर प्रखंड के मोरदीवा पंचायत स्थित समाजसेवी जयशंकर ठाकुर के आवास भारद्वाज सदन पर रविवार को राष्ट्रकवि स्मृतिशेष रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। समस्तीपुर विकास मंच के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संयोजक सह स्थानीय विधायक के प्रेस प्रतिनिधि राकेश कुमार ठाकुर तथा संचालन उत्कर्ष बैंक के मंडल प्रबंधक रवि आनंद ने की। समस्तीपुर विकास मंच के संयोजक सह स्थानीय विधायक के प्रेस प्रतिनिधि राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि प्रकृति, पुरुषार्थ, ओज, शौर्य, प्रेम और सौंदर्य के कवि दिनकर ने पूरे संसार में हिंदी साहित्य को प्रतिष्ठित करने का काम किया एवं दिनकर की रचना को जन-जन तक पहुंचाना एवं उनके आदर्शों को प्रचारित करना ही दिनकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि दिनकर का पूरा साहित्य खेत और खलिहान से निकला है, गांव और गरीब से निकला है, जो सबको स्पर्श करती हो। जो कल, आज और आने वाली कल को भी स्पर्श करती है। वो न सिर्फ उसको पढ़ने वाले को स्पर्श करती है, लेकिन उसकी गूंज आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्पर्श करने का सामर्थ्य रखती है। मौके पर स्थानीय सरपंच शिव सागर महतो, समाजसेवी लालबाबू सिंह, प्रोफेसर अजित कुमार शर्मा, रामदेव महतो, जयशंकर ठाकुर, विधा भूषण यादव, रवि आनंद, प्रमोद कुमार पप्पू, कुंदन कुमार नीरज, मनोज कुमार राय, रंजीत कुमार रम्भू, सोनू कुमार, ट्रेड यूनियन नेता एस.के.निराला, रामकिशोर राय, डॉ० विनय कुमार, राघवेंद्र ठाकुर उर्फ बुलु, मुकेश कुमार दीपक, निलेश कुमार अप्पू, गिरीश चौधरी, सतीश कुमार, विमलेश पांडेय, रितेश कुमार जोकू, चन्दन कुमार सिंह, बच्चा बाबू गिरी, मो० परवेज आलम, मो० शाहिद मुखिया, मो० रूहुल्लाह खान गुड्डू, रविन्द्र कुमार रवि, ज्योतिष महतो, मनोज पटेल, मुकेश कुशवाहा, मो० अमरोज, मो० सना उर्फ चीना, डॉ० रामपुकार सिंह, ई० राजेश कुमार, जयलाल राय, प्रो० रजनीश कुशवाहा तथा संदीप सरकार आदि मौजूद थे।

खानपुर में ट्रैक्टर पलटने से किशोर की मौत, हत्या का आरोप, सड़क जाम

समस्तीपुर, प्रात :किरण संवाददाता

खानपुर थाना क्षेत्र की श्रीपुरगाहर पश्चिमी पंचायत के हांसोपुर गांव में शुक्रवार की रात ट्रैक्टर पलटने एक किशोर की मौत हो गई। मृतक हाशोपुर गांव निवासी छतीस पासवान का पुत्र 13 वर्षीय राकेश पासवान बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने अल सुबह समस्तीपुर- बहेड़ी मुख्य मार्ग को हांसोपुर चौक के पास बांस-बल्ला लगा कर जाम कर दिया। इसके साथ ही घटना के दोषी सुमन ठाकुर को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। लोगों का कहना था कि पिछले दिनों भी इस प्रकार की घटना सुमन ठाकुर के द्वारा की गई थी। पैसे के बल पर प्रशासन का मुंह बंद कर देता है। इसके साथ ही गरीबों के साथ अन्याय करता रहता है। इस मामले में मृतक की मां रीता देवी का कहना है कि चार दिन पहले सुमन उनके घर आकर कहा था कि तुम्हारा बेटा मेरा काम नहीं करता है।

भीषण आग लगी में 4 घर जलकर हुए राख, 7 पशुओं की जलकर हुई मौत

रोसड़ा, प्रात : किरण संवाददाता

सिंघिया प्रखंड अंतर्गत महरा पंचायत के लहरगछिया गांव में रविवार को दोपहर में अचानक आग लग गई। पछिया हवा की तेज रफ्तार के कारण आग देखते ही देखते भीषण रूप ले ली। लोगों ने घटना की सूचना सिंघिया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से आग को बुझाया। लेकिन इस घटना में चार घर समेत उसमें रखे खाने-पीने के समान व नगद रुपए समेत लाखों की सम्पत्ती जलकर राख हो गए। वहीं इस अगलगी में सात पशुओं की भी जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मो० खलील के घर में लगे बिजली के मीटर के पास से निकले चिन्गारी से अचानक आग लग गई। जो देखते ही देखते आग फैलते हुए मो० शमी अहमद, मो० शमी अल्लाह आदि के घरों को भी अपने आगोश में ले लिया। इसकी जानकारी मिलते ही सैंकड़ों की संख्या में लोग पहुंचकर आग काबू पाने को लेकर प्रयास करने लगे। वहीं इसकी सूचना प्रशासन को भी दी गई। लोगों व प्रशासन के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया। इस दौरान शुरूआत में तो घर में बंधे कई पशुओं को बाहर निकाला गया। लेकिन आग पूरी फैलने के बाद घर के अंदर जाना मुश्किल हो गया। जिससे घर बंधे रह गए एक गाय, गाय का एक बच्चा व पांच बकरी की मौत आग में झुलसकर हो गई। सूचना पर पहुंचे सीओ अरूण कुमार ने कर्मचारियों के साथ आग से हुए नुकसान का आकलन किया व पीड़ित लोगों सरकारी प्रावधान के अनुसार सहायता राशि देने का अश्वासन दिया। वहीं चार पीड़ित परिवारों को सीओ ने पंसस रामरतन सदा की देखरेख में तत्काल प्लास्टिक सीट उपलब्ध कराया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण आजीविका कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

मोहिउद्दीन नगर। प्रखंड अंतर्गत सामाजिक चेतना मंच द्वारा अल्फा मध्य विद्यालय मोहिउद्दीन नगर के सभाकक्ष में रविवार को ग्रामीण आजीविका कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता मिथलेश कुमार ने की एवं संचालन मिथिला महिला विकास संस्था के सचिव प्रतिमा देवी ने किया अपने अध्यक्षीय भाषण में सभा को संबोधित करते हुए डॉ मिथिलेश कुमार ने कहा कि प्रखंड के सभी पंचायतों में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु 17 प्रकार की योजनाएं चलाई जाएगी इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य मुख्य रूप से महिला सशक्तिकरण होगा। मौके पर इंदु देवी, निशा मिश्रा ,प्रोफेसर पंकज कुमार ,रजनी कुमारी, आयुष मिश्रा, ज्योति कुमारी के साथ दर्जनों महिलाएं मौजूद थीं।

एसी एसटी एक्ट में तीन गिरफ्तार

मझौलिया। एस पी उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर विशेष अभियान के तहत बीती रात्रि मझौलिया पुलिस ने माधोपुर गांव से दो सगे भाई को एस सी एस टी एक्ट में गिरफ्तार किया। तथा माधोपुर वार्ड नं 1 से एक लड़की का वीडियो वायरल करने व एस सी एस टी एक्ट के आरोप में गिरफ्तार कर मझौलिया पुलिस महिला थाना बेतिया को सुपुर्द कर दिया। यह जानकारी प्रभारी थानाध्यक्ष अशोक साह ने दी।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

योगापट्टी। प्रखंड क्षेत्र के दोनवार पंचायत के पिपरपाति गांव के समीप ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में रविवार के दिन निदान हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। वहीं इस शिविर के आयोजक ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में आसपास के गांवों से आए हुए मरीजों का ब्लड प्रेशर शुगर इत्यादि का जांच किया गया। तथा जांच कर निशुल्क दावा का भी वितरण किया गया। इस मौके पर उपस्थित ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर अभिषेक कुमार सिंह, जयकिशन सिंह, अरुण कुमार, राजेश सिंह, अभिषेक कुमार त्रिपाठी, छोटन कुमार, आदि अन्य दर्जनों ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

राजकीयकृत उच्च विद्यालय मोहिउद्दीन नगर में स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

मोहिउद्दीननगर, प्रात: किरण संवाददाता

प्रखंड अंतर्गत राजकीयकृत उच्च विद्यालय के प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर रविवार को स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अमित कुमार ने की एवं संचालन प्रखंड मूल्यांकन सह अनुश्रवण पदाधिकारी अमित कुमार सिन्हा ने किया। स्वास्थ्य मेले में पहुंचे मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी ओमप्रकाश ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और स्वस्थ व्यक्ति ही समाज का विकास कर सकता है इसीलिए स्वास्थ हमारा अमूल्य धन है प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा वर्तमान समय में चल रहे कोरोना महामारी पर नियंत्रण हेतु मौजूद लोगों से कोविड-19 का टीका शत प्रतिशत लेने की अपील की। उल्लेखनीय हो कि सरकार से मिले दिशा निर्देश के आलोक में उक्त स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया था स्वास्थ्य मेले में अपना इलाज कराने हेतु पहुंचने वाले विभिन्न रोगों के मरीजों के इलाज हेतु 30 स्वास्थ्य काउंटर बनाया गया था। मेले का मुख्य आकर्षण अंगदान एवं रक्तदान शिविर रहा जहां पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहिउद्दीन नगर में कार्यरत चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कुमार ने एक कदम आगे बढ़कर लोगों को प्रेरित करते हुए स्वयं रक्तदान किया उनके रक्तदान करने के उपरांत कई लोगों ने उन्हें देखते हुए अपना रक्तदान किया। मेले में पहुंचने वाले लोगों के कोविड-19 की जांच, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, एएनसी, एनीमिया, कालाजार, कुष्ठ रोग इत्यादि बीमारियों की जांच मौके पर मौजूद लैब टेक्नीशियन के द्वारा करते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई मेडिसिन मरीजों को निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। मेले में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाया जा रहा आयुष्मान कार्ड काउंटर भी रहा जहां सुबह से लेकर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रही। मौके पर मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के उप प्रमुख प्रतिनिधि पिंकू सिंह, समाजसेवी राज कपूर सिंह, अराजपत्रित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रघुवंश राय, स्वास्थ्य प्रबंधक धीरेंद्र कुमार सिंह, बीसीएम सुमन कुमार, फार्मासिस्ट प्रसून सिंह, पूर्व प्रमुख कृष्णा चौधरी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहिउद्दीन नगर के सभी स्वास्थ्य कर्मी सहित क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य व्यक्ति के साथ अपना इलाज कराने हेतु सैकड़ों की संख्या में पहुंचे मरीज मौजूद थे।

पेंशनर्स एसोसियेशन ने सरकार से मांग करने का प्रस्ताव पारित किया

आरा। पेंशनर्स एसोसियेशन भोजपुर के जिला मंत्री बैद्यनाथ सिंह ने बताया कि एसोसियेशन का चतुर्थ सम्मेलन पटनासिटी स्थित सम्राट हॉल में सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घघाटन किसान नेता ललन चौधरी ने किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि अ भा राज्य सरकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुवास लाम्वा, अ भा राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के अध्यक्ष अशोक एवं महासचिव एनएस श्रीधरण, सीआईयूटीयू के महासचिव गणेश शंकर सिंह, अखिल कर्मचारी संघ बिहार के महासचिव विश्वनाथ सिंह, अखिल कर्मचारी महासंघ बिहार-सह-कोषाध्यक्ष के महामंत्री शशि कान्त राय उपस्थित थे। बैठक में पेंशसर्न की 18 महीने से पेंडिंग महंगाई भत्ता को शीघ्र चालू करने, फिटमेंट कमिटि की अनुशंसा के आलोक में 2.57 के स्थान पर 3.68 से पेंशन पुनरीक्षण करने, संसदीय समिति की अनुशंसा के आलोक में 80 वर्ष के बदले 65 वर्ष 85 वर्ष के उम्र पर ही 100 प्रतिशत मंहगाई भत्ता देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, पेंशन 9000 के स्थान पर 13000 करने, ठेका सुविधा, नियोजन, मानदेय पर बहाल कर्मियों की सेवा नियमित करने, सभी वुजुर्गों को 5000 रुपये देने, पेंशनरों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने तथा रेलवे एवं हवाई जहाज में यात्रा करने के लिए 50 प्रतिशत की रियायत करने के लिए सरकार को मांग पत्र समर्पित करने का निर्णय हुआ।

पुलिस और पब्लिक के बीच पिपुल फ्रेंडली वाली सोंच कायम करना हमारी पहली प्राथमिकता : फुलदेव चौधरी

दानापुर खगौल, प्रात: किरण संवाददाता

शनिवार की देर शाम खगौल थाना के नए थानेदार फुलदेव चौधरी ने अपना पदभार ग्रहण किया। खगौल थाना के अधिकारियों ने पुष्पगच्छ देकर अपने नए थानेदार का स्वागत किया। खगौल थाना के नए अध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने कहा कि हमारे वरीय अधिकारियों ने जिस वजह हमें खगौल थाना का कार्यभार दिया है, निश्चित ही उनके भरोसे पर खरा उतरूंगा। अपने कार्य के प्रति जूनुन रखने वाले फुलदेव चौधरी ने बताया कि पुलिस आमजनता के बीच पिपुल फ्रेंडली वाली सोंच रखने चाहिए और पब्लिक को भी पुलिस के प्रति सहयोग की भावना रखने चाहिए तभी क्षेत्र में अमन चैन स्थापित हो सकते हैं। श्री चौधरी ने अपने क्षेत्र के निवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि जो भी आपकी या किसी और की समस्या या सूचना हो तो मेरे सरकारी नंबर पर बता सकते हैं, जो 24 घंटे उपलब्ध है, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अखबार के माध्यम से उन लफंगों,उच्चकों और अवैध कारोबारियों,नशा तस्करों को हिदायत दी है कि सुधर जाओ नहीं तो यह इलाका छोड़ दो, किसी की खैर नहीं। उन्होंने बताया कि विधि-व्यवस्था बनी रहे इसके लिए अपने अधिनस्थ पदाधिकारियों से विचार विमर्श और नये तरीके से रणनीति तैयार कर अपराधियों के हर मंसूबे पर लगाम लगाई जाएगी। ताकि खगौल क्षेत्र के नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लाभुकों को मिलेगा किसान क्रेडिट कार्ड

मुजफ्फरपुर, प्रात: किरण संवाददाता

जिलाधिकारी प्रणव कुमार, ने बताया है कि भारत सरकार के द्वारा पीएम किसान- लाभुकों, जिनको किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है, उन्हें इससे जोड़ने और नए किसान क्रेडिट कार्ड निर्गमन हेतु जिले मे रश्क्रिट कैम्पेन का आयोजन आज दिनांक 24 अप्रैल से 01 ली मई 2022 तक किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के माध्यम से इच्छुक किसानो से केसीसी हेतु आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों की आय में वृद्धि हेतु किसानों को उचित ऋण की सुविधा मुहैया कराना आवश्यक है, ताकि जिले के किसान सही समय पर उचित तरीके से अपना कृषि कार्य कर सकें। इस संबंध मे, विशेष अभियान से जुड़े सभी संबद्ध विभागों एवं बैंकों को अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देश जारी किया जा चुका है।

जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक (एल डी एम) श्री बी के पांडेय ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए पीएम किसान के गैर केसीसी लाभुकों की सूची सभी बैंकों एवं जिला कृषि विभाग द्वारा पंचायत सचिवों से साझा किया जाएगा। इस सूची के आधार पर पंचायत सचिव सभी चिन्हित लाभुकों द्वारा निर्धारित प्रारूप में फार्म भरकर बैंकों को स्वीकृति हेतु प्रेषित करेंगे। सभी बैंक भारत सरकार के तत्संबंधित दिशा निर्देशों के अनुसार प्राप्त आवेदनों की जाँच कर योग्य आवेदन को स्वीकृति प्रदान करेंगे।

ग्राम सभा मे गरीबी उन्मूलन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वस्थ जीवन पर की गई चर्चा

बगहा, प्रात: किरण संवाददाता

बगहा अनुमंडल अंतर्गत बगहा एक प्रखंड के पतिलार पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिकी विधालय कन्या पाठशाला में रविवार को ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया पायल मिश्रा व मुखिया प्रतिनिधि डॉ अभिषेक मिश्रा ने की। ग्राम सभा मे गरीबी उन्मूलन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वस्थ जीवन और आरोग्य पर विशेष रुप से चर्चा की गई। तथा पंचायत जनप्रतिनिधियो के साथ ही लोगों ने भी एक साथ के अंदर सरकार द्वारा जारी आदेश को लक्ष्य बना कर कार्य करने के प्रति संकल्पित होते हुए शपथ लिया। मुखिया प्रतिनिधि डॉ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि पंचायत के सभी वार्डो में भ्रमण कर स्कूल से वंचित बच्चों को विधालय भेजने के लिए उनके अभिभावकों को जागरुक किया जायेगा। तथा खुले में शौच नही करने के प्रति लोगों को जागरुक किया जायेगा। मुखिया प्रतिनिधि ने स्वच्छ पानी पियें स्वस्थ जीवन जीये का नारा देते हुए कहा कि सभी बीमारियों की जड पानी ही है। उन्होंने पंचायत के लोगों से अपील करते हुए कहा कि खुले में शौच नही करें। तथा शौचालय का ही प्रयोग करें, तभी आप स्वच्छ व स्वस्थ रह सकते हैं। इस अवसर पर पंचायत सचिव विकास कुमार, उप मुखिया दिलिप यादव, वार्ड सदस्य बडा उपाध्याय, सुभाष शुक्ला, कन्हैया बैठा, बब्लु कुमार, विकास मित्र ललन राम, किसान सलाहकार समेत दर्जनों की संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण शामिल रहे।

युवाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य रक्षक है खेल :गरिमा

बेतिया, प्रात: किरण संवाददाता

मझौलिया अंचल के जौकटिया में आयोजित जीडी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार को नगर निगम की निवर्तमान सभापति गरिमा देवी सिकारिया ने किया। फरयाद आलम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती सिकारिया ने कहा कि दो साल से भी ज्यादा समय तक प्रभावी रही कोरोना महामारी के गुजरने के बाद लोगों में स्वास्थ्य रक्षा के प्रति सजगता काफी बढ़ गई है। विशेष कर युवाओं में इसकी ललक ज्यादा है। उन्होंने बताया कि समाज में आपसी जुड़ाव व सौहार्द बढ़ाने के लिए खेल सबसे कारगर उपाय बन गया है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे फरयाद आलम ने गरिमा देवी सिकारिया को सबसे सक्रिय और जन सेवा के प्रति समर्पित राजनेत्री बताया। उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके के दुःख सुख में ये शामिल रहतीं हैं। आयोजक संस्थान के अध्यक्ष आनन्द कुमार ने कहा कि समाज के हर आदमी जो भी गरिमा देवी सिकारिया को याद करता है वहां ये जरूर पहुंचतीं हैं। टूनार्मेंट के आयोजन समिति सदस्यों यथा विकास प्रभाकर, आशीष कुमार, रंजन प्रसाद, विजय कुमार यादव, झुन्नू कुमार, टुन्ना कुमार और कृष्णा कुमार ने गरिमा सिकारिया का स्वागत किया।

मृत परिवार को मुआवजा और इस घटना में जेल गए 40 मजदूरों को रिहाई को लेकर माले विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

बेतिया, प्रात: किरण संवाददाता

भाकपा माले के केंद्रीय कमेटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर तमिलनाडु के इरोड मोडाकुरुची में ऑयल मिल दुर्घटना में मृत कमोद राम के परिवार को तत्काल चार लाख मुआवजा देने और दुर्घटना का विरोध करने पर जेल बंद 40 मजदूरों को तमिलनाडु सरकार से पहल कर रिहाई करने की मांग किया है, माले विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने अपने पत्र में लिखा है कि विगत 6 अप्रैल को तमिलनाडु के इरोड मोडाकुरुची के ऑयल मील दुर्घटना में मृतक मजदुर कमोद राम जो रामपुरवा पकड़ीदयाल पूर्वी चंपारण के निवासी थे जो एसकेएम फील्ड एंड फूड कंपनी में कार्यरत थे, कंपनी में ट्रक से ठोकर लगने की वजह से उनकी मौत हो गई, मृतक की लाश को मील प्रबंधक द्वारा छुपाने की कोशिश किया गया जिसके खिलाफ मजदूरों ने प्रदर्शन किया, प्रदर्शनकारी पर मजदूरों पर बर्बरता के साथ लाठीचार्ज किया गया और सैकड़ों मजदूरों के नाम नामजद एफआईआर कर तमिलनाडु पुलिस ने कंपनी से मिलकर 40 मजदूरों को जेल भेज दिया है, मृतक के पत्नी को अभी तक किसी सरकार द्वारा कोई मुआवजा या सहयोग राशि नहीं दी गई है, मृतक के तीन लड़की और एक लड़का है, मृतक की पत्नी तमिलनाडु में ही है, गांव पर वृद्ध माता-पिता रहते हैं, जिनसे माले विधायक मिलकर उन्हें सांत्वना देते हुए सरकार से सहयोग दिलाने का भरोसा दिलाया है, वही उक्त कांड में बिहार के रक्सौल प्रखंड के सिरसिया गांव के जेल में बंद मजदूर संतोष साह और धर्मेंद्र साह के परिजनों से भी मुलाकात की परिवार के लोगों ने कहा की जेल में बंद मजदूरों की रिहाई के मामले में बिहार सरकार द्वारा कोई सुधि नहीं ली गई है, विधायक ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा है कि मृतक के परिवार को बिहार सरकार की तरफ से चार लाख मुआवजा दिया जाए तथा जेल में बंद चंपारण सहित बिहार के अन्य जगहों के 40 गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई के लिए तमिलनाडु सरकार से बात कर रिहाई कराने व मुकदमा वापस कराने की पहल सरकार करें, माले विधायक ने कहा कि बिहार की तरह दुर्घटना में मारे गए प्रवासी मजदूरों को भी बिहार सरकार 4 लाख रुपए मुआवजा देने का प्रावधान करें और एसकेएम एंड फूड कंपनी इरोड मोडाकुरुची तमिलनाडु में दुर्घटना के शिकार कमोद राम को बिहार सरकार 4 हजार रुपए तत्काल मुआवजा दे प्रवासिय मजदूरों की सहायता के लिए देश के हर जिला मुख्यालय में प्रवासी मजदूर सहायता कार्यालय स्थापित हो, प्रवासी मजदूर सुरक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार कानून बनाएं सुनील यादव

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर ग्रामसभा कर किसानों व पंचायत के सर्वांगीण विकास पर चर्चा हुई

मझौलिया, प्रात: किरण संवाददाता

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत भवनों पर पंचायत सचिवों के देखरेख में मुखिया की अध्यक्षता में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत के सभी समस्याओं पर चर्चा हुई जिसमें किसानों को जो किसान के सी सी से बंचित है।उन किसानों की सूची बनाकर पंचायत सचिव को दिया गया। पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए भी चर्चा हुई। इसी कड़ी में रुलही पंचायत के मुखिया पम्मी सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष पंचायत सभा हुआ।जिसमे पंचायत सचिव बिनोद राव के देखरेख में यह पंचायत सभा सम्पन्न हुई। इसमें कई किसानों का सूची बना जिनका केसीसी लाभ अभी तक प्राप्त नही हुआ है।तथा जिन्हें प्रधानमंत्री सम्मान निधि नहीं मिलता उन्हों दिलाने के लिए उनसे भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र तथा पासबुक का फोटो कॉपी की मांग की गई। उनको जो वंचित किसान हुए हैं उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिलाने की आश्वासन दी गई। कुल मिलाकर पूरे प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में प्रधानमंत्री के निर्देश से पर पंचायती राज व्यवस्था में अमृत महोत्सव के तहत पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

जलसंसाधन विभाग के सचिव समेत डीएम को ग्रामीणों ने भेजा त्राहिमाम पत्र

बगहा, प्रात: किरण संवाददाता

बगहा अनुमंडल अंतर्गत बगहा एक प्रखंड के सलहा बरिअरवा पंचायत के झारमहुई , तमकुही, अजमलनगर सहित विभिन्न गांवो में हो रहे मसान नदी के कटाव से बचाव को लेकर गाईड बांध निर्माण कराने की मांग जोर पकडने लगी है। इस संदर्भ में स्थानीय लोगों समेत मसान नदी बाढ बचाव संघर्ष समिति के अध्यक्ष खलील कुरैशी ने जल संसाधन विभाग के सचिव एवं जिलाधिकारी प चम्पारण को मसान नदी के कहर से बचाव को लेकर त्राहिमाम पत्र भेजा है।

पदाधिकारियों को भेजे गए पत्र में रायबारी महुअवा पंचायत के मुखिया मो आजाद ग्रामीण सह समाजसेवी नसीम अख्तर, जय प्रकाश नारायण पाडेय, सफीउरहमान , पैक्स अध्यक्ष सुरेश यादव , आरिफ रजा सहित दर्जनों की संख्या में लोगों ने कहा है कि बरसात पूर्व गाईड बांध निर्माण नही कराई गई तो मसान नदी के कटाव से सलहा बरिअरवा पंचायत के दर्जनों गांव व रायबारी महुअवा पंचायत के कई गांव पूर्ण रुप से प्रभावित हो जायेगा। उन्होंने कहा है कि मसान नदी ने गत वर्ष पंचायत के झारमहुई अजमलनगर तमकुही मुड्लिा सलहा समेत विभिन्न गांव भिषण कटाव से जान माल एवं सैकड़ों एकड़ में लगाये गये फसलें हर साल बर्बाद कर देती है। जिससे उक्त गांव के लोगों को आर्थिक परेशानी काफी बढ गई है। पंचायत के लोगों ने मसान नदी के कटाव से बचाव को लेकर स्थाई निदान गाईड बांध निर्माण ससमय निर्माण कराने की मांग की है। ताकि बरसात के दिनों में मसान नदी के कहर व तांडव से पंचायत के लोग बच सके। गाईड बांध निर्माण हो जाने से सलहा बरिअरवा पंचायत के साथ ही रायबारी महुअवा, जोगिया, सिसवा-बसंतपुर समेत विभिन्न पंचायत के गांवों को मसान नदी के कटाव से निजात मिल जाएगी। पदाधिकारियों के निरीक्षण के बाद भी नही बना क्षतिग्रस्त सडक व पुल पुलिया सलहा बरिअरवा एवं रायबारी महुअवा पंचायत को जोड़ने वाली सडक पूर्व मे बरसात के दिनों में मसान नदी के कटाव से ध्वस्त हो गया। पदाधिकारियों ने ध्वस्त सडक व पुल पुलिया का निरीक्षण किया। लेकिन अभी तक ध्वस्त सडक की मरम्मती कार्य नही हुई। जिससे विभागीय अधिकारियों के उदासीन रवैये से लोगों मे काफी आक्रोश है। लोगों ने बताया कि झारमहुई गांव स्थित हाई स्कूल के समीप मसान नदी मे आई बाढ ने सडक, पूल पुलिया क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे आज भी आवागमन की काफी परेशानी बढ गई है।

मंदिर के पीछे लगी बाइक को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया

बिहटा। बिहटा के बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर के पीछे लगी पल्सर बाइक को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया.चोरी की सारी घटना सीसीटीवी कैमरे के कैद हो गयी.इस संबंध में बाइक के मालिक मो रईस अहमद ने बिहटा थाना में लिखित शिकायत कर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है.वही पुलिस मामले की छानबीन करते हुए घटना स्थल के आसपास लगी सीसीटीवी में कैद चोर फुटेज के आधार पर छापेमारी कर रही है.बताया जाता है कि रईस अहमद अपनी पल्सर बाइक को मंदिर के पीछे खड़ी कर बाजार से सामान खरीदने गया था.जब सामान खरीद कर वापस आया तो बाइक वहां नहीं पाया, जिसके बाद मैं आस पास के लोगों से पूछताछ किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया।

छात्र की हुई मौत की जांच के लिए पिता ने वाल्मीकिनगर विधायक से लगाई गुहार

सेमरा, प्रात: किरण संवाददाता

समस्तीपुर के पूसा थाना अंतर्गत बिरौली के जवाहर नवोदय विद्यालय में पढ़ाई कर रहे वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र से सटे मटियरिया गांव निवासी अजय काजी का 17 वर्षीय पुत्र हेमंत कुमार की संदेहास्पद रूप में मौत हो जाने के बाद, परिजनों में शोक की लहर दौड़ गयी। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन के द्वारा परिजनों को हेमंत की पोखरे में डूब कर मौत होने की बातें कही गई, लेकिन हेमंत के पिता अजय काजी ने विद्यालय प्रशासन के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए अपने पुत्र की हत्या कर पोखरे में फेंक दिए जाने की बात स्थानीय विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह से कही है, और न्याय की गुहार भी लगाई है। अपने पुत्र की मौत के बारे में शोक संतप्त पिता अजय काजी ने बताया कि जब विद्यालय प्रशासन के द्वारा हमें हमारे पुत्र की पोखरे में डूब कर मौत हो जाने की बातें बताई गई, तो मैं स्तब्ध हो गया। अजय काजी ने स्थानीय विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह से कहा कि मेरा बेटा कुशल तैराक था, तो वह पानी में कैसे डूब जाएगा।दूसरी तरफ जब मैं वहां पहुंचकर पोखरे की स्थिति देखा तो उसमें पानी भी बहुत कम था, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि मेरे बेटे की हत्या कर विद्यालय प्रशासन के द्वारा पोखरे में फेंक दी गई है। पीड़ित पिता की बातें सुनकर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने इसके लिए प्रशासनिक पहल कराने की बातें कही है।

पुस्तकें होती हैं सच्ची मित्र : दिलीप

जहानाबाद, प्रात: किरण संवाददाता

शकूराबाद, रघुनाथगंज सूर्य मंदिर परिसर में भारतीय रेल यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग विभाग बिहार सरकार के विशेष सचिव दिलीप कुमार ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र होती हैं। उनसे हमें सुख-दुख में साथ मिलता है। जीवन की हर मुश्किल घड़ी को कैसे पार किया जाए, इसकी जानकारी पुस्तकों से ही मिलती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए सही पुस्तकों का चयन और चयनित पुस्तकों का नियमित अध्ययन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वस्तुनिष्ठ और विषयनिष्ठ परीक्षाओं में सफलता के लिए अलग अलग रणनीति बनाए जाने की आवश्यकता होती है। वस्तुनिष्ठ परीक्षा में सफलता के लिए जहां नियमित अध्ययन के साथ-साथ प्रश्नों के सेट को सॉल्व करने की जरूरत होती है, वही विषय निष्ठ परीक्षाओं में पूरे पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझ कर लिखित माध्यम से अच्छी अभिव्यक्ति की आवश्यकता होती है। तथ्यों की जानकारी महत्वपूर्ण है, लेकिन परीक्षक किसी भी अभ्यर्थी का मूल्यांकन उत्तर पुस्तिका में दिए गए उत्तर और अभिव्यक्ति की शैली के आधार पर करता है। नियमित लेखन लिखित अभिव्यक्ति में सुधार का सबसे सशक्त जरिया है। इस अवसर पर दिलीप कुमार ने कहा कि वह नियमित तौर पर गांव के अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आते रहेंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कुछ जरूरी पुस्तकें हर सप्ताह परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को उपलब्ध कराते रहेंगे। कार्यक्रम में सोनू कुमार, राजू कुमार, रंजीत कुमार, रॉकी कुमार, मनीष कुमार सहित अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया और प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा का समाधान किया।

शिक्षक नियोजन में नियमावली के विपरीत कार्य करने के आरोप में जनसेवक पर हुई कार्रवाई

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा पंचायत शिक्षक नियोजन में अनियमितता के शिकायत पर जांचोपरांत श्री अनिल कुमार, तत्कालीन जनसेवक सह पंचायत सचिव प्रखण्ड कार्यालय, औरंगाबाद सम्प्रति प्रखण्ड कार्यालय, कुटुम्बा के विरूद्ध सेवा से बर्खास्तगी का दंड अधिरोपित किया गया है । अनिल कुमार, तत्कालीन जनसेवक-सह-पंचायत सचिव, प्रखण्ड कार्यालय, औरंगाबाद सम्प्रति प्रखण्ड कार्यालय, कुटुम्बा के द्वारा पचायत शिक्षक नियोजन में अनियमितता पाए जाने पर जिला पदाधिकारी द्वारा विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करवाई गई थी एवं अनुमंडल पदाधिकारी औरंगाबाद को संचालन पदाधिकारी बनाया गया था। जिला पदाधिकारी के आदेश के आलोक में जनसेवक श्री अनिल कुमार पर आरोप पत्र गठित कर निहित आरोप के संबंध में अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया था।

गेहूं का एम एस पी 2650 रुपए अविलंब हो : प्रभु राज

बेतिया, प्रात: किरण संवाददाता

बिहार राज्य किसान सभा के संयुक्त सचिव प्रभराज नारायण राव ने कहा कि आज किसानों को खेती करना घाटे के चलते संभव नहीं हो पा रहा है । किसान परेशान हैं । उनके लागत भी नहीं निकल पा रहे हैं । जबकि सरकार ने वादा किया था कि स्वामीनाथन कमीशन के अनुशंसा के आधार पर हम किसानों को फसल के लागत का डेढ़ गुना दाम देंगे । लेकिन इस साल फिर गेहूं का एमएसपी 2015 रुपए केंद्र सरकार के द्वारा निर्धारित करना किसानों को खेती से मुंह मोड़ लेने वाला फैसला है। जबकि सच्चाई यह है कि इस बढ़ती हुई महंगाई में आज खेती के औजार इतने महंगे हो गए। सरकार नियोजित खाद की चोर बाजारी सबके सामने रहा है। बीज महंगे हो गए। श्रमिक लागत महंगे हो गए। ऐसी स्थिति में 2650 रुपए से कम गेहूं का एमएसपी होना किसानों को घाटे में डालने का काम है । एक तरफ तो किसान विरोधी तीनों काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं करते हैं । दूसरी तरफ एमएसपी के लिए शीघ्र एक कमेटी के गठन की बात करते हैं। जिसमें किसानों का भी प्रतिनिधि रहेगा । लेकिन आज तक एमएसपी का निर्धारण नहीं हो सका। यह भारत सरकार के किसान विरोधी नीतियों को स्पष्ट करता है।

दूसरी तरफ खेती से भाग रहे किसानों के चलते अनाज कम पढ़ता जा रहा है और बाजार में गेहूं की कमी के चलते दाम में वृद्धि हुई तो मोदी सरकार और उनके भक्तों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि अगर तीनों कृषि कानूनों को लागू कर दिया गया रहता । तो आज किसान फायदे में होते। यह कह कर एक बार फिर भाजपा और मोदी सरकार किसानों को गुमराह करने शुरू कर दिया है । जबकि सब जानते हैं कि किसान विरोधी तीनों काले कानून को लागू करने का मतलब खेती को कारपोरेट के हाथों देना , कालाबाजारियो के लिए जमाखोरी का छूट देना और छोटे किसानों को अपने ही खेत में मजदूर बनकर काम करना जिसकी नियति रही है । वैसे में किसानों को गुमराह करने का काम केंद्र सरकार के द्वारा करके यह साबित किया जा रहा है कि यह मोदी की सरकार जो कहती वह करती नहीं है और जो करती वह करती नहीं है इसलिए एक बार फिर किसानों के सामने एक लंबे संघर्ष और जुझारू संघर्ष , एकजुट संघर्ष के शिवाय दूसरा कोई रास्ता नजर नहीं आता। इतिहास इस बात की साक्षी है कि जब भी सरकारी जुल्म और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूत आंदोलन हुआ है । तो जनता की जनवादी ताकतों के सामने बड़ी-बड़ी सरकारों को भी झुकना पड़ा है। इसलिए हम सभी किसानों को एकजुट होकर एक लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहना है।

विधार्थी परिषद के कार्यकर्ता इतिहास लिखते नही बल्कि बनते हैं : डॉ पूनम कुमारी

सासाराम, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रोहतास महिला महाविद्यालय के सभागार में विधिवत उद्घाटन के साथ प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मंच पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो डॉ पूनम कुमारी सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रो ममता कुमारी, प्रदेश मंत्री अभिषेक यादव एवम प्रदेश संगठन मंत्री डॉ सुग्रीव कुमार दास ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती को पुष्प अर्पित करते हुए उद्घाटन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो डा पूनम कुमारी इस अवसर पर ने कहा कि आज विद्यार्थी परिषद समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। आजादी के बाद भारत के स्वर्णिम इतिहास में परिषद ने अपने कार्यों के बल पर अपनी एक अलग पहचान बनानी हैं। क्योंकि परिषद के कार्यकर्ता इतिहास लिखते नही बल्कि बनते हैं। ये तीन दिवसीय बिहार प्रदेश कार्यकारणी की बैठक शिक्षा, रोजगार, स्वास्थय और अन्य विषयों को लेकर एक नई क्रांति का जन्म देने वाला है' यह बैठक बिहार की दिशा और दशा मैं आमूल चूल परिवर्तन के साथ-साथ एक नए विकास की किरण जगाएगा। वहीं याक महिला सशक्तिकरण के लिए भी मील का पत्थर साबित होने वाला है।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ ममता कुमारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता ज्ञान शील एकता के वाहक होते है और इस ध्येय वाक्य को लेकर निरंतर राष्ट्र निर्माण, समाज निर्माण के पथ पर गतिमान और अग्रसर रहते हैं। प्रांत संगठन मंत्री डॉ सुग्रीव कुमार दास ने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रों के अंदर देश भक्ति और समाज सेवा की अलख जगाने वाली संजीवनी है। भारत के आजादी के बाद इस देश में परिषद द्वारा राष्ट्र और समाज के निर्माण में कई आंदोलन खड़े किए' आज धारा 370 हटाना हो, या पूरे देश में शिक्षा की गुणवत्ता कैसे बढाई जाए, पर्यावरण का संतुलन कैसे हो या स्वच्छता की बात हो, हर क्षेत्र में सराहनीय परिणाम सामने अ रहा है।

महंगाई का बुलडोजर

बीते कई दिनों से बुलडोजर चर्चा में है। अभी तक बुलडोजर अवैध दुकानों, खोखों, रेहड़ी-खोमचों से लेकर घरों तक को ढहाते रहे हैं। यह राजनीतिक के साथ-साथ सांप्रदायिक और उन्मादी मुद्दा भी बन गया है। मुस्लिम नेता ओवैसी ने यहां तक धमकी दी है कि यदि 20 करोड़ मुसलमानों का एक छोटा हिस्सा कट्टरपंथी, अतिवादी हो गया और सड़क पर उतर आया, तो क्या उस सुरक्षा-चुनौती से निपटने में देश सक्षम है?

कोई मौलाना तौकीर रजा हैं, जिन्होंने लगभग ऐसी ही धमकी दोहराई है। उनके निशाने पर प्रधानमंत्री मोदी भी हैं। मौलाना ने प्रधानमंत्री से खामोशी तोड़ने और व्यवस्था को दुरुस्त करने का आग्रह भी किया है। ये इस्लामी अतिवाद के कुछ उदाहरण हैं। बुलडोजर के नेपथ्य में यही अतिवाद स्थापित किया जा रहा है। बुलडोजर को सांप्रदायिकता का पर्याय मान लिया गया है।

यह समग्रता में हकीकत नहीं है, लेकिन इनसे अलग गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई के बुलडोजर इतने अतिवादी हैं कि औसत आदमी की जिंदगी ध्वस्त कर दी है। सांप्रदायिक उन्माद और मजहबी हिंसा पर शोर मचाने वाले महंगाई के बुलडोजर का उल्लेख नहीं करते। क्या वह जमात गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई की कुचलियों से परेशान और त्रस्त नहीं है? जब भाजपा और मोदी सत्ता हासिल करने को सक्रिय थे, तो ह्यमहंगाई डायनह्न का जुमला प्रचार का बुनियादी मुद्दा था।

बेशक कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान मुद्रास्फीति की दर दहाई में थी। अब मोदी सरकार के 8 साला कार्यकाल के दौरान औसतन 5-6 फीसदी रही है, लेकिन अर्थशास्त्र की यह भाषा आम आदमी नहीं जानता। उससे पूछा जाए कि महंगाई कितनी है और वह उससे कितना प्रभावित है? तो उसकी हाहाकार की चोट बुलडोजर से भी ज्यादा घातक होगी! बीते दिनों खुदरा महंगाई सूचकांक 6.95 फीसदी था और थोक की दर 14.55 फीसदी रही। ये दरें अभी तक सबसे ज्यादा हैं। खुदरा की टोकरी में 299 वस्तुएं रखी जाती हैं। उनके आधार पर ही महंगाई दर तय की जाती है।

बीते 7 सालों के दौरान उनमें से 236 वस्तुओं के दाम पेट्रो पदार्थों से भी अधिक बढ़े हैं। यह महंगाई 79 फीसदी से भी ज्यादा है। हमारी सियासत इस वृद्धि पर क्यों नहीं चीखती और सरकार को कटघरे में क्यों नहीं घसीटती? सरसों के तेल, खाद्य तेल, मूंगफली के तेल, प्याज आदि सब्जियों से लेकर नर्सिंग होम सेवा के चार्जेज तक करीब 71.61 फीसदी महंगे हुए हैं।

ट्यूशन फीस, दवाएं, रसोई गैस, सीएनजी, पीएनजी आदि की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। करीब 60 लाख सूक्ष्म, लघु उद्योग बंदी के कगार पर हैं। उन्होंने बैंकों से जो कर्ज.लिए थे, वे चुकाए नहीं जा सके, नतीजतन एनपीए घोषित किए जा रहे हैं। सरकार हर बार दलील देती है कि 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क अनाज मुहैया कराया जा रहा है। ऐसे अनाज के अलावा घर, उसमें बिजली, पानी, दालें, घी, मसाले और बच्चे की फीस, अन्य खर्च भी जरूरी हैं।

यदि आम आदमी की आमदनी नहीं बढ़ेगी या नौकरी, रोजगार छिन जाएंगे, तो क्या सरकारी अनाज का फक्का मार कर जिया जा सकता है? सरकार अपनी परियोजनाओं की आड़ में छिप कर दलीलें मत दे। मानते हैं कि बाजार में वस्तु और सेवा महंगी होंगी, तो उपभोक्ता को भी महंगी ही मिलेंगी। सरकार हर स्तर पर सबसिडी देगी, तो खुद दिवालिया हो जाएगी। यदि कोरोना महामारी के बावजूद देश में 132 चेहरों ने 40 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है, तो उसका आधार क्या है?

महंगाई उस जमात के लिए बेमानी है, लेकिन सरकार ऐसे चेहरों से वेल्थ टैक्स ज्यादा क्यों नहीं वसूलती? सरकार को इस साल विभिन्न करों और जीएसटी आदि से करीब 27 लाख करोड़ रुपए की आमदनी हुई है। यह अभूतपूर्व है और बजट अनुमानों के पार भी है। सरकार इस पैसे में से आम आदमी को कुछ धन मुहैया करा सकती है, ताकि बाजार में मांग तो बढ़े। देश की बहुसंख्यक जनता महंगाई से परेशान है। लोग अपनी बचत को तोड़ कर गुजारा करने को विवश हैं।

सरकार खामोश है या दाम बढ़ाती जा रही है। सरकार इतनी संवेदनहीन कैसे हो सकती है। प्रधानमंत्री को तो गरीबी और अभावों का एहसास भी है और अनुभव भी रहा है। वह ऐसा रास्ता क्यों नहीं निकालते, ताकि औसत नागरिक महंगाई रूपी बुलडोजर की मार खाकर ध्वस्त न हो। दरअसल महंगाई से सबसे ज्यादा त्रस्त मध्यम वर्ग है। यह वह वर्ग है जो अपने बल पर जीता है और जिसे सरकार कोई सुविधा नहीं देती।

मेरे यार सा दिखता है

अमृता अग्रवाल, नेपाल(सलार्ही)

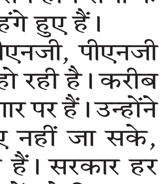

पावन सा दिखता है,
ऐ खुदा तू तो
मेरे यार सा दिखता है।

यह जो रूप है तेरा,
क्या तूने चुराया है?
चित्त चोर,
तू मेरे दिलदार सा दिखता है।

पलकें जब गिरा कर,
तू उठाता है
भोर में भी तू सांझ कर जाता है,
अरे ओ छलिया,
जिस ओर से भी देखूं तुझे,
तू मेरे माशूक सा दिखता है।

जब चलता है तू,
गति भी दिशाएं बदल लेती है,
पथ तेरे कदमों में झुक
ऐ रहगुजर,
तू तो मेरी मंजिल सा दिखता है।

बन बांसुरी जब होठों पर तू,
चुंबन करता है,
अरे ओ मनमोहना
किसी संगीत की धुन सा लगता है।

बन गीतों के शब्द तु
जब अर्थ हो जाते हो,
अरे ओ कथानक,
तब तू मेरी प्रेम कहानी सा लगता है।

देख तेरी सौम्यता
मंत्रमुग्ध हो उठती हूं,
रूप चुरा कर मेरे यार का,
मुझे ही भ्रमित सा करता है।

तेरी यह चोरी की आदत
ऐ खुदा,
तुझे मेरा यार न बना सकेगी,
रच ले जितने भी प्रपंच तु,
मेरा यार तो तूझ सा दिखता है।

मलेरिया से निपटने की चुनौती

इस पत्रिका की मानें तो यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास क्लीनिक और अस्पतालों में होने वाली मौतों की संख्या के आंकड़े के आधार पर है। जबकि बड़ी संख्या में मलेरिया से लोगों की मौतें घरों में होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के जरिए एक बात और भी उजागर हुई है कि भारत में मलेरिया से निपटने की गति अत्यंत धीमी है। 1953 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (एनएमसीपी) शुरू किया जो घरों के भीतर डीडीटी का छिड़काव करने पर केंदीत था। इसके अच्छे प्रभाव देखकर राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एनएमईपी) 1958 में प्रारंभ किया गया। लेकिन 1967 के बाद मच्छरों द्वारा कीटनाशकों के तथा मलेरिया रोधी दवाओं के प्रति प्रतिकार क्षमता उत्पन कर लेने के कारण देश में मलेरिया ने पुन: पैर फैलाना शुरू कर दिया। उसका परिणाम यह हुआ कि देश में मलेरिया तथा उसके प्रभाव से उत्पन अन्य बीमारियां बढ़ने लगी। इसे ध्यान में रखते हुए 1997 में भारत सरकार ने अपना लक्ष्य रोग के उन्मूलन से हटाकर उसके नियंत्रण पर केंदित किया।

अरविंद जयतिलक
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा यह पहले ही उद्घाटित हो चुका है कि पूरी दुनिया में मलेरिया के कुल मामलों में से 80 प्रतिशत मामले भारत और 15 प्रतिशत उप सहारा अफ्रीकी देशों से होते हैं। चिकित्सा पत्रिका लासेंट द्वारा भी रेखांकित किया जा चुका है कि भारत में हर साल दो लाख से अधिक लोगों की मौत मलेरिया से होती है। इस पत्रिका की मानें तो यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास क्लीनिक और अस्पतालों में होने वाली मौतों की संख्या के आंकड़े के आधार पर है। जबकि बड़ी संख्या में मलेरिया से लोगों की मौतें घरों में होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के जरिए एक बात और भी उजागर हुई है कि भारत में मलेरिया से निपटने की गति अत्यंत धीमी है। 1953 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (एनएमसीपी) शुरू किया जो घरों के भीतर डीडीटी का छिड़काव करने पर केंदीत था। इसके अच्छे प्रभाव देखकर राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एनएमईपी) 1958 में प्रारंभ किया गया। लेकिन 1967 के बाद मच्छरों द्वारा कीटनाशकों के तथा मलेरिया रोधी दवाओं के प्रति प्रतिकार क्षमता उत्पन कर लेने के कारण देश में मलेरिया ने पुनः पैर फैलाना शुरू कर दिया। उसका परिणाम यह हुआ कि देश में मलेरिया तथा उसके प्रभाव से उत्पन अन्य बीमारियां बढ़ने लगी। इसे ध्यान में रखते हुए 1997 में भारत सरकार ने अपना लक्ष्य रोग के उन्मूलन से हटाकर उसके नियंत्रण पर केंदित किया और कीटनाशकों के सार्वत्रिक छिड़काव को रोककर चुनिंदा भीतरी जगहों पर छिड़काव शुरू किया। 2003 में राष्ट्रीय ज्ञात कारण बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम यानी एनवीबीडीसीपी के तहत मलेरिया नियंत्रण को अन्य ज्ञात-कारण बीमारियों के साथ मिला लिया गया। क्योंकि ऐसी सभी बीमारियों की रोकथाम के लिए एक ही रणनीति होती है जैसे रासायनिक नियंत्रण, वातावरण प्रबंधन, जैविक नियंत्रण और निजी सुरक्षा उपाय। उल्लेखनीय है कि 2005 में भारत में शुरू किए गए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य भी मलेरिया सही सभी ज्ञात बीमारियों पर नियंत्रण लगाना है। अच्छी बात यह है कि मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण बनाने के लिए विश्व बैंक भारत सरकार की लगातार मदद कर रहा है।

ध्यान देना होगा कि विश्व बैंक के सहयोग से 1997 तथा 2005 के मध्य आईडीए साख द्वारा अंशतः वित्तीय सहायता प्राप्त एक मलेरिया नियंत्रण परियोजना चुनिंदा राज्यों एवं जिलों में लागू की गयी थी। यह परियोजना सरकार द्वारा मच्छरों पर नियंत्रण के प्रयासों से हटकर उनके निवारण, जल्द निदान और उपचार के प्रयासों के समर्थन में कार्यरत थी। जहां भीतरी छिड़काव अधिक लक्ष्य केंदित एवं पर्यावरण संरक्षक विकल्पों वाला होना था वहीं लार्वा भक्षक मछलियों तथा जैव लावार्नाशकों के इस्तेमाल को प्रोत्साहन दिया गया। यही नहीं कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानियों के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दिया गया। यानी कहा जा सकता है कि परियोजना ने पहले के आदेश-आधारित उपायों से हटकर समुदाय समावेशित तथा स्वामित्व आधारित उपायों को अपनाया। उसका परिणाम यह हुआ कि परियोजना की समाप्ति पर जहां अधिकांश परियोजनाओं में बीमारी की घटनाओं में कमी पायी गयी। एनवीबीडीसीपी के आंकड़ों पर गौर करें तो इस दरम्यान यानी 1997 में मलेरिया की घटनाएं 26.6 लाख से घटकर 2003 में 18.6 लाख रह गयी। साथ ही यह भी अनुभव किया गया कि कार्यक्रम के संचालन में आमुलचूल परिवर्तन की जरुरत है। इसे ध्यान में रखते हुए 2009 में भारत सरकार की नई राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण नीति के तहत मलेरिया निवारण में टिकाऊ कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानियों के इस्तेमाल को प्रोत्साहन दिया गया और त्वरित निदान उपकरण एवं आटेर्मेसिनिन-आधारित समिश्र उपचार में प्रशिक्षित समुदाय स्वयंसेवियों के जरिए घटना प्रबंधन का विस्तार किया गया। गौर करें तो मलेरिया मानव को हजारों वर्षों से प्रभावित करता रहा है। संभवतः यह सदैव मनुष्य जाति पर परजीवी रहा है। उल्लेखनीय है कि मलेरिया पर पहले पहल गंभीर वैज्ञानिक अध्ययन 1880 में हुआ था जब एक फ्रांसीसी सैन्य चिकित्सक चार्ल्स लुई अल्फोंस लैवेरन ने अल्जीरिया में काम करते हुए पहली बार लाल रक्त कोशिका के अंदर परजीवी को देखा था। तब उसने ही यह प्रस्तावित किया कि मलेरिया रोग का कारण यह प्रोटोजोवा परजीवी है। यहां ध्यान देना होगा कि मलेरिया प्रमुख रुप से वातावरण एवं जलवायु पर निर्भर करता है। क्योंकि मलेरिया के रोगवाहक तापमान एवं आर्द्रता के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं।

हाल के दिनों में जलवायु परिर्तन के मद्देनजर मलेरिया में भी बदलाव देखे गए हैं। गौर करें तो आज की तारीख में मलेरिया प्रतिवर्ष 40 से 90 करोड़ बुखार के मामलों का कारण बनता है, वहीं इससे 10 से 30 लाख मौतें हर वर्ष होती है। यानी कह सकते हैं कि मलेरिया से प्रति 30 सेकेंड में एक मौत होती है। इनमें से ज्यादतर पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चे होते हैं। गर्भवती महिलाएं भी इस रोग की वजह से संवेदनशील होती हैं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि संक्रमण रोकने के प्रयास तथा इलाज करने के प्रयासों के बावजुद भी 1992 के बाद इसके मामलों में अभी तक अपेक्षित सफलता हाथ नहीं लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मलेरिया की वर्तमान प्रसार दर इसी तरह बनी रही तो अगले 20 वर्षों में मृत्यु दर दोगुनी हो सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो मलेरिया से जुड़े आंकड़े ज्ञात आंकड़ों से कई गुना अधिक होते हैं। इसलिए कि इसके अधिकांश रोगी ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। मलेरिया के वैश्विक फैलाव पर नजर दौड़ाएं तो यह रोग भूमध्य रेखा के दोनों तरफ विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है।

इन क्षेत्रों में अमेरिका, एशिया तथा ज्यादतर अफ्रीका आता है। लेकिन गौर करें तो इनमें से सबसे ज्यादा मौतें भारत और उप सहारा अफ्रीका में होती है। मलेरिया के विस्तार पर गौर करें तो सूखे क्षेत्रों में इसके प्रसार का वर्षा की मात्रा से गहरा संबंध होता है। डेंगू बुखार के बनिस्बत यह शहरों की अपेक्षा गांवों में ज्यादा फैलता है। उदाहरण के लिए वियतनाम, लाओस और कंबोडिया के नगर मलेरिया मुक्त हैं, जबकि इन देशों के गांव मलेरिया से बुरी तरह प्रभावित हैं। यहां ध्यान देना होगा कि मलेरिया सामाजिक-आर्थिक जीवन पर बुरी तरह प्रभाव डाल रहा है। यह गरीबी और आथिक विकास में अवरोध का कारण बनता जा रहा है। यह पाया गया है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया का ज्यादा प्रभाव है, वहां यह नकारात्मक आर्थिक प्रभाव डाल रहा है। यदि प्रति व्यक्ति जीडीपी की तुलना यदि 1995 के आधार पर करें तो मलेरिया मुक्त क्षेत्रों और मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में इसमें पांच गुना अंतर नजर आता है।

शोध में यह पाया गया कि जिन देशों में मलेरिया फैलता है उनके जीडीपी में 1965 से 1990 के मध्य केवल प्रतिवर्ष 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और मलेरिया से मुक्त देशों में यह वृद्धि 2.4 प्रतिशत पायी गयी। मलेरिया के कारण कितना आर्थिक नुकसान हो रहा है वह इसी से समझा जा सकता है कि केवल अफ्रीका में ही प्रतिवर्ष 15 अरब अमेरिकन डॉलर का नुकसान हो रहा है। भारत की बात करें तो यहां भी मलेरिया से निपटनें में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपया खर्च हो रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश की तकरीबन 85 प्रतिशत आबादी मलेरिया के जोखिम वाले क्षेत्रों में निवास कर रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो एक अनुमान के मुताबिक मलेरिया की 65 प्रतिशत रोगी उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वात्तर क्षेत्रों में ही पाए जाते हैं। अत्यधिक रोग भार वाली आबादी नृजातीय जनजातियां हैं जो इन क्षेत्रों के दुर्गम वनीय क्षेत्रों में निवास करती है। यहां के लोग गरीब तो हैं ही साथ सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अकाल है। अशिक्षा और जागरुकता की कमी से ये लोग मलेरिया का उचित इलाज कराने के बजाए झाड़-फूंक पर विश्वास करते हैं। यह प्रवृत्ति अंततः उनके जान पर बन आती है। उचित होगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन मलेरिया से निपटने के लिए ठोस नीति बनाए जिससे कि मानव को इस जानलेवा बीमारी से मुक्ति मिल सके। लेकिन यह तभी संभव होगा जब विश्व स्वास्थ्य संगठन मूलभूत ढांचे में सुधार के साथ प्रभावशील पूर्ण चेतावनी प्रणाली एवं असरदार नियंत्रण नीतियों पर अमल के साथ मलेरिया से जूझ रहे देशों को जरुरत के मुताबिक फंडिंग करेगा।

जागरूकता से गौरैया की घर वापसी

गौरैया संरक्षण में घोंसला की भूमिका भी अहम है। दिल्ली के राकेश खत्री,आकाश दत्त, गुजरात के जगत किनखाबवाला, बिहार के निशान्त रंजन, सुशील कुमार, संजय कुमार, सोनू, राहुल मुकेश, आशा देवी,ओडिसा की दीपा नायक,छत्तीसगढ़ के संजय शाहू, उत्तर प्रदेश में राहुल कुमार सहित हजारों लोग दाना पानी रखने एवं घोंसला(बॉक्स) लगाने की मुहिम चला रहे हैं। गौरैया के सामने आवासीय संकट को दूर करने के लिए गौरैया के आवास के लिए बॉक्स शहर और गॉव में लगाया जा रहा है। इस काम में हजारों लोग जुड़े हैं। कोई एक- दो, तो कोई सैकड़ों घोंसला लगा रहे हैं। कोई नि :शुल्क, तो कोई खरीद कर लगा रहा हैं। देखा जाये तो गौरैया की वापसी में पेड़ की भूमिका भी अहम है। अभियान से जुड़े लोग गौरैया सहित दूसरी चिड़ियों के लिए पेड़ लगाने का आह्वान करते आ रहे हैं। इस दिशा में कारगर काम हुआ है।

संजय कुमार
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

गौरैया संरक्षण का अलख राजकीय पक्षी घोषित राज्य दिल्ली और बिहार सहित पूरे भारत में जोर-शोर से चल रहा है। यही वजह है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक गौरैया को देखा जा सकता है। पिछले कई सालों से गौरैया संरक्षण में लगे लोग, सरकारी-गैर सरकारी संस्थान, एनजीओ सहित हर आम और खास लोग, गौरैया फोटो प्रदर्शनी, पेंटिंग प्रतियोगिता, दाना घर, घोंसला, पानी का बर्तन वितरण के साथ साथ जागरूकता अभियान से गौरैया की घर वापसी में सक्रिय हैं। देशव्यापी जागरूकता से शहर-शहर, गांव-गांव से गायब हो चुकी गौरैया की घर वापसी होती दिख रही है। लोगों ने यह पहल दाना-पानी रखने, घोंसला (बॉक्स) लगाने और नन्ही सी जान गौरैया को थोड़ा सा प्यार देकर पूरा किया है। गौरैया ने भी वायदा निभाया है और लोगों के घर-आंगन, बालकनी, छत पर आकर अपनी चहचाहट से अपनी वापसी का अहसास करा दिया है। सफलता की कई कहानियां हैं। बिहार, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, ओड़िशा, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कश्मीर यों कहें देश का हर कोना गौरैया को बचाने को लेकर पहल करता दिख रहा है। कोई घोंसला (बॉक्स),बांट रहा है तो कोई दाना, आहार घर (फीडर बॉक्स),पानी का बर्तन (सकोरा)। पिछले कुछ सालों में खासकर देश भर में जागरूकता की जो हवा चली उसका फायदा यह हुआ कि लोग जुड़ते चले गये और पक्षियों का संसार बनता चला जा रहा है। इन्द्रप्रस्थ एक्सटेंशन, दिल्ली के ऑक्सफोर्ड अपार्टमेंट में रहने वाले भवेश नंदन झा ने पहल कर अपने घर में गौरैया को वापस बुलाया है। उनके बालकोनी में गौरैया चहकती - फुदकती रहती है। दाना खाती है। पानी पीती है, साथ ही घोंसला में रहती है। दो जोड़े ने अपना आशियाना भी बनाया। एक ने अंडे दिए, उसके दो बच्चे भी है। दूसरे ने एसी के लिये बने होल में घोंसला बना लिया है और सृजन में लगा है। गौरैया के आने-रहने से भावेश जी बहुत उत्साहित और आनंदित है। उनका बेटा उनसे भी ज्यादा खुश और उत्साहित है। गौरैया को देखे उसके चेहरे खिल उठते हैं। दाना- पानी और बॉक्स लगाने के साथ थोड़ा सा प्यार देनें से उनके घर गौरैया के अलावा दर्जनों चिड़ियाँ आने है। इस साल यानी विश्व गौरैया दिवस-2022, 20मार्च का विषय ही आई लव स्पैरो रखा गया। पिछले कई सालों से इस एक ही विषय पर इस दिन को मनाया जा रहा है, ताकि लोग जुड़े। और लोग जुड़े भी बल्कि लगातार जुड़ रहे हैं। घरेलू गौरैया का कम होना हमारे पर्यावरण के लगातार हो रहे क्षरण है। इसकी संख्या कम होने से जैव विविधता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में उजड़ते बाग- बगीचा - पेड़ को लगाने की पर्यावरणविदों की पहल भी रंग दिखा रही हैं। गौरैया छोटे और झुर्रमुठ वाले पेड़ो पर बैठना पसंद करती है। ऐसी कई कहानियां हैं यानी दाना पानी और बॉक्स लगाने के साथ थोड़ा सा प्यार दिया और गौरैया आ गयी। गौरैया की घर वापसी में दाना-पानी की भूमिका अहम है। देश भर में गौरैया सहित अन्य चिड़ियों को बचाने के लिए हर गरमी के मौसम में पानी रखने की खास अपील होती रहती है। इस बार भी गर्मी में पानी रखने की अपील चारों ओर गुंज रही है। बिहार की राजकीय पक्षी को तपती गर्मी से बचाने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार भी आगे आया है। लोगों से पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए छतों पर मिट्टी के बर्तन में पानी रखने की अपील कर रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने पक्षियों को लू से बचाने के लिए सभी लोगों से अपील की है कि वे घरों एवं कार्यालयो के छतों पर मिट्टी के बर्तन में पानी की व्यवस्था करें। आम खास लोग भी लोगों से अपने घर की छत पर, बालकनी, झरोखे, बरामदे, गार्डेन में चिड़ियों के लिए पानी रखने और दूसरे को भी प्रेरित करने की अपील कर रहे हैं। क्योंकि पानी की कमी से चिड़ियों की मौत हो रही है। गरमी में पानी की तलब बढ़ जाती है। लेकिन, हर दिन हर मौसम में गौरैया सहित दूसरी चिड़ियों के लिए पानी रखनी चाहिये। पानी के साथ साथ आहार में दाना भी रखनी चाहिए। चिड़ियों के सामने आहार का भी संकट खड़ा है। गौरैया संरक्षण में घोंसला की भूमिका भी अहम है। दिल्ली के राकेश खत्री,आकाश दत्त, गुजरात के जगत किनखाबवाला, बिहार के निशान्त रंजन, सुशील कुमार, संजय कुमार, सोनू, राहुल मुकेश, आशा देवी,ओडिसा की दीपा नायक,छत्तीसगढ़ के संजय शाहू, उत्तर प्रदेश में राहुल कुमार सहित हजारों लोग दाना पानी रखने एवं घोंसला(बॉक्स) लगाने की मुहिम चला रहे हैं। गौरैया के सामने आवासीय संकट को दूर करने के लिए गौरैया के आवास के लिए बॉक्स शहर और गॉव में लगाया जा रहा है। इस काम में हजारों लोग जुड़े हैं। कोई एक- दो, तो कोई सैकड़ों घोंसला लगा रहे हैं। कोई निःशुल्क, तो कोई खरीद कर लगा रहा हैं। देखा जाये तो गौरैया की वापसी में पेड़ की भूमिका भी अहम है। अभियान से जुड़े लोग गौरैया सहित दूसरी चिड़ियों के लिए पेड़ लगाने का आह्वान करते आ रहे हैं। इस दिशा में कारगर काम हुआ है। नीम पीपल तुलसी, राष्ट्रीय जंगल बचाव, वृक्ष प्रहरी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग/मंत्रालय सहित तमाम पर्यावरण बचाव से जुड़े लोग/संस्था पेड़ लगाव अभियान को गति दे रहे है। ताकि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगे और गौरैया सहित अन्य पक्षी पेड़ बैठे और प्रकृति में रहे। गौरैया संरक्षण का अलख जागने से फायदा यह हुआ कि दूसरी चिड़ियों का भी संरक्षण होने लगा। दाना पानी रखने और बॉक्स लगाने से दूसरी चिड़ियां भी आने दिखने लगी। बहरहाल,जब तक लोग इस मुहिम से नहीं जुड़ेंगे तब तक पक्षियों को लाभ पहुंचाना संभव नहीं हो पाएगा। यकीन मानिए जब आप अपने बर्तन से उनको पानी पीते हुए और आपके लगाये पेड़ -बॉक्स पर चिड़िया आएगी तो उसे देखेंगे और फिर आपको बहुत आत्मिक शांति मिलेगी।

धरती पर संकट

सिद्धार्थ शंकर

हमारी प्रकृति और इसके संसाधनों के लगातार दोहन से पूरी दुनिया में जबरदस्त पर्यावरण संकट छाया हुआ है। बीते कुछ दशकों से लगातार बढ़ते प्रदूषण ने धरती की मुश्किलें बहुत हद तक बढ़ा दी हैं। आज ग्लोबल वॉर्मिंग गंभीर वैश्विक खतरा बन गया है। प्रदूषण और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेपों ने जिस जलवायु परिवर्तन के संकट को पैदा कर दिया है उसके चलते पृथ्वी के नियमित चक्र भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। यही वजह है कि हमारी धरती के किसी कोने में भीषण गर्मी हो रही है तो किसी दूसरी जगह भयानक जल प्रलय जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। अनेक देशों में समुद्र तटीय इलाके लगातार सागरों के जल में डूबते जा रहे हैं। जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेकों प्रजातियां खत्म हो रही हैं या खात्मे की कगार पर हैं। वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों का मत है कि हमें अपनी धरती को रहने लायक बनाए रखने के लिए तुरंत ही आगे आना होगा। दरअसल हमारी धरती के चक्रों और इसके तत्वों में संतुलन कायम रखने के लिए विश्व में जनसमुदाय को इनकी अहमितय समझनी जरूरी है।

आम लोग पृथ्वी और इसके पर्यावरण को समझें, वे इसके संसाधनों की निरंतरता बनाए रखने के लिए आगे बढ़कर कुछ प्रयास करें इन इरादों के साथ ही पृथ्वी दिवस जैसी पहल दुनिया ने एक साथ शुरू की। अभी तक का हमारा ज्ञान और उपलब्ध सूचनाएं कहती हैं कि हमारी धरती ही अकेला ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है। इस जीवन को बचाने और निरंतर बनाए रखने के लिए हमें धरती की अनमोल प्राकृतिक संपदाओं को बचाए रखना जरूरी है। विशाल पैमाने पर औद्योगीकरण तथा नगरीकरण आदि की प्रक्रियाओं ने प्रकृति पर जबरदस्त दबाव का वातावरण बना दिया है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के दुष्परिणाम आज पूरी धरती पर अलग-अलग तरह से दिखाई दे रहे हैं। लगातार सूखा, बाढ़, रेगिस्तानी इलाकों में हिमपात या ओलावृष्टि, जबरदस्त भू-स्खलन, समुद्री तूफान आदि चुनौतियों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इन बदलावों और अचानक आने वाले संकटों से हर साल दुनियाभर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। यही नहीं वनों और उनमें रहने वाले जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास भी इन संकटों के चलते खत्म हो जाते हैं या खतरे में पड़ जाते हैं।

हमारे लिए यह जानना और समझना बहुत आवश्यक है कि हमारे आसपास का जो परिवेश है, जिस पर्यावरण में हम रहते हैं, उसमें उपस्थित हर तत्व, हर घटक बहुत विशेष है। नदिया, पर्वत, घाटियां, पठार, छोटी-छोटी वनस्पतियां, विशाल पेड़ और समस्त जीव जंतुओं का हमारी धरती पर विशिष्ट महत्व है। धरती पर मौजूद हर संसाधन बहुमूल्य है। ये संसाधन सीमित हैं और इन्हें किसी भी सूरत में मानव अपनी आवश्यकताओं के लिए तुरंत तैयार नहीं कर सकता। जल हो या जंगल, हवा हो या कोई जीव-जंतु, यदि एक भी प्राकृतिक संसाधन खत्म हो गया तो प्रकृति का पूरा चक्र गड़बड़ा जाएगा। हम सभी जानते हैं कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है। हम यह भलीभांति जानते ही हैं कि मानव समेत अन्य जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की जल की आवश्यकता निस्संदेह बहुत महत्वपूर्ण है। यह तथ्य भी सर्वविदित है कि हमारी धरती पर मौजूदा कुल जल संसाधनों का मात्र लगभग 3 प्रतिशत ही पीने योग्य है। पेय जल हमें ग्लेशियरों और भूमिगत जल राशियों से प्राप्त होता है। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ा है और इससे ग्लेशियर सिकुड़ते जा रहे हैं। इससे हिमालयी सदानीरा नदियों में भी असंतुलन पैदा हुआ है। नदियों के इकोलॉजिकल सिस्टम पर भी बहुत बुरा असर पड़ा है। भूमिगत जल का दोहन इस कदर हो चुका है कि अब अधिकांश इलाकों में कई सौ मीटर की गहराई तक खुदाई करने से भी ट्यूबवेल के लिए पानी नहीं मिल रहा। एक और संकट है कि बढ़ते मृदा प्रदूषण के कारण भूजल प्रदूषित हो चुका है। कई जगहों पर नलकूपों का पानी इतना खराब होता है कि उसे किसी भी काम में नहीं ला सकते। विश्लेषक मानते हैं कि धरती पर निकट भविष्य में जल संकट की भयंकर तस्वीर सामने आने वाली है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

हेल्थ कैम्प में बीपी, शुगर वेट की हुई जांच

पटना सिटी। रोटरी पटना सिटी सम्राट द्वारा प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ के अंतर्गत सिमली मेन रोड में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें एनएमसीएच के डॉ ओम शिव गर्ग ने अपनी टीम के साथ मरीजों की सेहत की जांच की और जरूरत के अनुसार मरीजों को दवा भी मुफ्त में दिया गया। शिविर में मुख्यतः ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, वजन, ऑक्सीजन लेवल आदि की जांच की गई। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष, सचिव संजय कु सिन्हा, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, कुमुद रंजन, राजेश कुमार, राम कुमार आदि शिविर में सक्रिय दिखे।

कुसुमपुरम कॉलोनी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दानापुर। दानापुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) व सेवा भारती के बैनर तले कुसुमपुरम कॉलोनी में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर व दवा वितरण का आयोजन किया गया. शिविर में करीब एक सौ लोगों स्वास्थ्य जांच किया गया. शिविर डा विकास कुमार , डा आर्य मोहन समेत अन्य चिकित्सक ने लोगों का स्वास्थ्य जांच किया .शिविर में अभिषेक रंजन , ऋतुराज व रिशु राज समेत आदि मौजूद थे. श्री रंजन ने बताया कि कि पूरे बिहार में करीब 400 स्थानों पर एनएमओ और सेवा भारती के द्वारा सेवा बस्तियों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण किया जा रहा है.

तीन बाइक चोर गिरफ्तार

दानापुर । दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ स्थित एक निजी कोचिंग सेंटर के बाहर से तीन बाइक चोर को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया है. थानाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि सूचना मिला कि सगुना मोड़ स्थित कोचिंग सेंटर के पास लोगों ने तीन बाइक चोर को पकड़ हुए है. गश्ती दल मेघानाथ गुप्ता पुलिस बल के साथ पहुंचकर तीन बाइक चोर गिरफ्तार किया. बाइक चोर विक्की कुमार , आशीष कुमार सिंह व राहुल कुमार पावर हाउस आनंद बाजार का निवासी है. गिरफ्तार विक्की, आशीष व राहुल के पास से बाइक का चाभी का गुच्छा बरामद किया गया है.

खटाल में 256 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

दानापुर। दानापुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर विजय सिंह यादव पथ के किनारे खटाल में छुपा कर रखा हुआ 256 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार संतोष राय मनेर नीलकंठ टोला का निवासी है. थानाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि बीते रात गुप्त सूचना मिला कि विजय सिंह पथ में सड़क किनारे अतिक्रमण कर खटाल के आड़े में अंग्रेजी शराब की बिक्री किया जा रहा है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर खटाल में छुपा कर रखा हुआ 256 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है. जो 92.58 लीटर शराब है. गिरफ्तार संतोष राय से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया.

एसटीएफ की गाड़ी चोरी

दानापुर। चोरों ने एसटीएफ की सरकारी सूमो विक्टा पर हाथ साफ कर दिया। दानापुर थाने के आनंद बाजार खटाल निवासी एसटीएफ के चालक दिनेश कुमार शनिवार रात गाड़ी लेकर अपने घर गया था। सुबह उठा तो गाड़ी गायब थी।

दर्ज प्राथमिकी में दिनेश ने बताया कि शनिवार की रात विशेष कार्यक्रम के तहत अधिकारी को छोड़ने के बाद सरकारी सूमो गाड़ी आनंद बाजार बीएन सिंह के मकान के नीचे खड़ा कर दिया।

चिकित्सकों ने प्रस्तुत किया शोध कार्निया इंफेक्शन से बचें

एनएमसीएच में आई बैंक का खुलना व कार्निया प्रत्यारोपण एक उपलब्धि

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

पटना ऑपथॉलमोलॉजिकल सोसाइटी पॉशकॉन 2022 का सातवां वार्षिक कॉन्फ्रेंस रविवार को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ऑडिटोरियम में हुआ। नेत्र रोग विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार तिवारी ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन, बिहार स्टेट यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन के डॉ आरवी आजाद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ एलएस नाथ ने कहा कि आप्थोमोलॉजी में पहले से बेहतर स्थिति है।

आयोजन में डॉ हर्ष कुमार ने ग्लूकोमा, एम्स से आए डॉ राजेश सिन्हा ने कहा कि अगर कॉर्निया इन्फेक्शन पर अपनी बातों को रखा। गुवाहाटी से आयी डॉ के भट्टाचार्य, डा बीपी तोमर ने भी विचार रखे।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ बिनोद कुमार सिंह ने कहा कि आई बैंक

का खुलना व कॉर्निया ट्रांसप्लांट को एनएमसीएच के लिए बड़ी उपलब्धि माना। मंच का संचालन डॉ रंजना ने किया। डॉ गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ अर्णव दास, डॉ सुनील परमार, डॉ नीलेश मोहन, डॉ ज्ञान भाष्कर, डॉ प्रियंका भारती, डॉ अशोक कुमार सिन्हा, डॉ प्रदीप कारक, डॉ सचिन समेत अनेक चिकित्सक उपस्थित थे। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक चिकित्सकों ने शोध प्रस्तुत किया।

सौ बीघा से ज्यादा गेहूं जलकर राख

बिहटा। रविवार को बिहटा के महुआर, रामतरी, कंचनपुर, बभनलाई, बिहटा समस्तुस्थान, हिरामनपुर सहित भिन्नभिन्न इलाको में हाईटेंशन तारों से गिरी चिंगारी से चार दर्जन किसानों की करीब 100 बीघा से ऊपर गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।घटना की सूचना पर ग्रामीणों एवं आधा दर्जन अग्निशमन गाड़ी की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो जरूर पाया।

लेकिन तबतक किसानों का लाखों का नुकसान हो गया है। बताया जाता है कि खेतों के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन के तार तेज हवा चलने पर आपस में टकरा गए। तार टकराने से निकली चिंगारी गेहूं की फसल पर जा गिरी। इससे सूखी फसल में आग लग गई।

पीड़ित किसानों में महुआर निवासी नरेश सिंह, ब्रह्मदेव मोची का करीब 10 बीघा गेंहू फसल का खलिहान राख हो गया वही रामतरी निवासी अरुण शर्मा, सहजानंद सिंह, रामाधार सिंह, पावन कुमार, विवेका सिंह,सुधीर सिंह,सियानंद यादव, शुबाश यादव, संजीत कुमार, लव कुमार आदि का करीब 15 बीघा से ऊपर की फसल जलकर राख हो गयी।

वही कंचनपुर ,हिरामनपुर, बभनलाई आदि में दो दर्जन से ऊपर किसानों की फसल जलकर राख हो गयी।

अनेक सिख शख्सियतों को किया गया सम्मानित

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सिख बन्धु वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के 440वें प्रकाश पर्व को समर्पित अवार्ड समारोह का आयोजन दिल्ली में किया गया। इसमें पद्मश्री विक्रमजीत सिंह साहनी को अनमोल रत्न अवार्ड, पद्मश्री जतिन्दर सिंह शंटी को विशेष सम्मान, बीबी रणजीत कौर को रामगढ़िया रत्न, सुदीप सिंह को पत्रकार आफ द ईयर अवार्ड, डॉ जेपी साहनी को डॉक्टर आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानिन्त किया गया। कार्यक्रम में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने विषेष तौर पर भाग लिया। जत्थेदार अवतार सिंह हित एवं स. हरमनजीत सिंह अस्पताल में भर्ती होने के कारण कार्यक्रम में भाग नहीं ले सके। उनकी जगह उनका सम्मान सुदीप सिंह एवं सुरजीत सिंह विलखु द्वारा लिया गया। विक्रमजीत सिंह साहनी, जतिन्दर सिंह शंटी एवं हरजिन्दर सिंह धामी ने अपने विचार रखते हुए स जस्सा सिंह रामगढ़िया के इतिहास को भी याद किया।

चार स्थान पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पटना सिटी। सेवा भारती दक्षिण बिहार की ओर से चार स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर रविवार को लगाया गया। इस संबंध में पटना महानगर के अजय कुमार एवं विनय केसरी ने बताया कि चंद्रगुप्त नगर में चार स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। हर स्थान पर छह मेडिकल टीम डॉक्टर और पारा मेडिकल टीम के साथ मरीज को देखा गया। इस दौरान निःशुल्क दवा भी प्रदान किया गया। इन स्थानों पर सामाजिक कार्यकताओं ने मरीज और चिकित्सक के बीच सहयोग करने का काम किया। स्वास्थ्य शिविर गायघाट स्थित चैतन्य मंदिर, श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर पार्क, केसरवानी पंचित बैठका परिसर में आयोजित हुआ।

सुख-साधन बेशुमार पर काया रोगी होने का लाभ नहीं : आरके सिन्हा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

डॉ राजेन्द्र प्रसाद राय द्वारा रचित पुस्तक 'अंधकार से प्रकाश की ओर' का लोकार्पण किया गया। रूपा मैरेज हॉल, बालकिशुनगंज में पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रविन्द्र किशोर सिन्हा के द्वारा किया गया। पुस्तक के लेखक डॉ राजेन्द्र प्रसाद राय ने बताया कि जैसे उबलते पानी में कभी परछाई नहीं दिखती, ठीक उसी प्रकार परेशान मन में समाधान भी नहीं दिखता। शांत होकर देखिये सभी समस्याओं का हल मिल जाएगा। साथ ही उन्होंने और भी पुस्तक से संबंधित विचार प्रकट किए।

मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने शरीर को स्वस्थ रखने पर विशेष बल दिया। साथ ही बताया कि सुख साधन चाहें

जितना हो, पर काया रोगों का घर हो, फिर उन अनगिनत सुविधाओं का रह जाता कोई मोल नहीं। विधायक अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि एसआरपी कॉलेज शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान बना चुका है। कॉलेज के अध्यक्ष के द्वारा रचित पुस्तक अंधकार से प्रकाश की ओर गुणों का खान है। इस प्रकार के पुस्तक की समाज में और भी आवश्यकता हैं। मंच संचालन डॉ बैद्यनाथ सिंह ने और अतिथियों का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य अजय कुमार ने किया। उक्त अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य अजय कुमार, लक्ष्मण कुमार, रामशंकर कुमार, पूर्व प्राचार्य नवनीत सिन्हा एवं प्रो डॉ आरके वर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर गुंजन कुमार दास, अजीत कुमार, पंकज कुमार, सुधीर कुमार, बबीता सिंह, शशि कुमार, मोहित कुमार, शंभू, संजय, अमित आदि मौजूद थे।

अथमलगोला में चिकित्सा शिविर आयोजित

बाढ़। बिहार प्रान्त के सेवा बस्तियों में एन एम ओ बिहार और सेवा भारती के द्वारा स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य सेवा यात्रा के क्रम में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।इसी क्रम में डॉ0 रुद्रांश की अगुआई में पटना पीएमसीएच और आइजीआइएमएस के कुशल चिकिसकों की टीम द्वारा अथमलगोला प्रखंड के करजान दुर्गा स्थान परिसर में दर्जनों मरीजों के विभिन्न रोगों का उपचार करते हुए निःशुल्क दवा मुहैया कराया गया। मौके पर मौजूद लोगों को विभिन्न बीमारियों के संबंध में जानकारी देते हुए जागरूक भी किया गया। इस शिविर में डॉ0 कमल ,डॉ0 सिंटू कुमार,आदित्य स्वरूप और मयंक चौधरी ने अपनी सेवा दी।जबकि उदय शंकर पांडेय,शम्भू पांडेय ,पिंकू पांडेय,चंदन कुमार ,मुन्ना पांडेय सहित कई ग्रामीण शिविर को सफल बनाने में सहयोग करते देखे गए।

प्रतिमा स्थापना के पूर्व निकली कलश शोभायात्रा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

एक रंग या रंग-बिरंगी परिधान मे 401 महिलाएं सिर पर कलश लेकर कतार में अशोक राजपथ पर निकली तो अलग माहौल बना था। अशोक राजपथ माता के जयकारे से गूंज रहा था। मौका था नखास पिंड स्थित श्री वोधेश्वरनाथ महादेव मंदिर सह सुखसागर राधाकृष्ण मंदिर में श्री राधा कृष्ण भगवान का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का। पांच दिनीं कार्यक्रम के पहले दिन मंदिर संचालन समिति की ओर से कलश शोभायात्रा निकली गई। यह मोर्चा रोड, हाजीगंज से होते कंगन घाट पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भरा और इसके बाद शहीद भगत सिंह चौक, श्री गुरु गोविंद सिंह पथ, चौकशिकारपुर, नालापर,

पटना साहिब स्टेशन रोड होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचा। कलश शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, बैंड बाजा आदि भी शामिल था। शोभायात्रा में समिति की ओर से गंगासागर मेहता, सुभाष मेहता, ज्योतिष चंद्र कुशवाहा, राम कुमार, विजय कुमार, राजीव कुमार, संजीव कुमार, रमेश कुमार मेहता, श्रवण कुमार, रंजीत सिंह, मनीष कुमार आदि थे। 25 अप्रैल को पंचांग पूजन, ब्राह्मणवरण, मंडप पूजन एवं अरणी मंथन होगा। 26 अप्रैल को जलाधिवास, फलाधिवास, अन्दिनाधिवाश एवं पुष्पाधिवाश, 27 अप्रैल को मूर्ति स्नान, मंदिर स्नान एवं मूर्तियों का नगर भ्रमण कराया जायेगा। 28 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा एवं पूणार्हुति होगी। 29 अप्रैल को रुद्राभिषेक, विसर्जन एवं भंडारा का आयोजन किया गया है।

आपसी विवाद में चली गोली रामदेव के पैर में लगी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के लोहा के पुल के बेलदारी टोला में गोलीबारी की घटना में एक शख्स घायल हो गया। उसे इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आपात सेवा में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल से दो खोखा भी बरामद किया गया है। इस संबंध में घायल रामदेव चौहान ने बताया कि शनिवार की रात वह अपने घर के पास था कि इसी दौरान राजू चौधरी, बनिया चौधरी और प्रमोद महतो अपने सहयोगियों के साथ झगड़ा करने लगा।

बाताबाती, नोकझोंक के बाद हाथापाई होने लगा। अचानक से उस पर दो गोली चलाई गई।। एक गोली उसके पैर में फंसा है, जबकि दूसरी गोली उसे नहीं लगी। गोली चलने के बाद घटनास्थल के आसपास अफरा-तफरी की स्थिति मच गई। लोगों ने मेहंदीगंज थाना की पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस को लोगों ने दो खोखा दिया। घायल को इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती

कराया गया है। उसे पैर में गोली लगी है। घायल ने बताया कि गोली मारने और झगड़ा करने में राजू चौधरी, बनिया चौधरी और प्रमोद कुमार महतो था। इस संबंध में थाना के थानाध्यक्ष से बात करने की कोशिश की गई, मगर उनका मोबाइल अनरीचेबल ने के कारण बात नहीं हो पाई।

16 कैथोलिक बच्चों को दी गई परम प्रसाद की दीक्षा

पटना सिटी। रविवार को कैथोलिक चर्च, पादरी की हवेली महागिरजाघर में श्वेत रविवार (वाइट संडे) को पहली परम प्रसाद की दीक्षा 16 कैथोलिक बच्चों को दी गई। इसमें बच्चे प्रभु येशु के शरीर एवं रक्त को पहली बार आध्यात्मिक भोजन के रूप में ग्रहण किया और अपने प्रभु येशु क्रिस्त को जीवन का नायक के रूप में स्वीकार किया, जो उनके दिल में रहने, आशीष देने, रक्षा करने और निर्देश देने के लिए आते हैं। प्रथम परम प्रसाद के संस्कार को कलिसिया धूमधाम से मनाती है क्योंकि आध्यात्मिक भोज के रूप में प्रभु का शरीर और रक्त उन्हें मिलती है। मिस्सा बलिदान के मुख्य अनुष्ठांकरता पल्ली पुरोहित फादर ललित बारा, फादर प्रवीण लोबो, फादर प्रदीप सोरेंग एवं माता सहायिका की धर्म बहनें, मिशनरीज ऑफ चैरिटी की धर्म बहनें, गायक मंडली के रिचर्ड रंजन आदि मौजूद थे।

आसाराम बापू के अवतरण दिवस पर सत्संग आयोजित

पटना सिटी। श्री युग वेदांत सेवा समिति द्वारा परम पूज्य संत श्री आशाराम बापू जी के अवतरण दिवस पर सत्संग का आयोजन किया गया। साध्वी शिष्य रेखा बहन के द्वारा बजरंगपुरी स्तिथ चन्द्रमणि उत्सव हॉल में आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने भक्तों को बताया कि परम पूज्य संत श्री आशा रामजी बापू जी का अवतरण दिवस बिहार में जगह-जगह बापू जी का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। बापू के द्वारा दिये संदेश से ही मानव जीवन का कल्याण संभव है। पूज्य बापूजी ने अपने जन्मदिवस को विश्व सेवा सत्संग दिवस का नाम दिया और देश में जगह-जगह गरीबों में भंडारा, वस्त्र, शरबत, साहित्य वितरण आदिवासी क्षेत्रों में भंडारा द्वारा समाज की सेवा पिछले 60 वर्षों से हो रही है। साध्वी जी ने बताया कि बापूजी पर जो भी आरोप लगे हैं, वह एक षडयंत्र है। साधक भक्तों को पूरा विश्वास है कि पूज्य बापूजी जल्द ही निर्दोष साबित होकर हम सभी के बीच पधारेंगे।

हमेशा समन्वय की बात करते थे स्वामी हरिनारायणानंद

फतुहा, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार सांस्कृतिक विद्यापीठ में ब्रह्मलीन धमार्चार्य स्वामी हरिनारायणानंद के श्रद्धांजलि सभा में पधारे साधु, संत, महंत, सहित कई राजनेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, रामकृपाल यादव, जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष पूर्व सांसद पप्पू यादव, दीघा विधायक संजय चौरसिया, विधान पार्षद महाचंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री अखलाक अहमद आदि ने स्वामी हरिनारायणनंद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पण किया। विद्यापीठ के संचालक जगत नारायण शर्मा ने स्वामी जी के श्रद्धांजलि सभा में संत महात्माओं का स्वागत किया।

मथुरा के संत स्वामी हेमाकांन्त देवाचार्य ने कहा स्वामी हरिनारायणानंद का जीवन अलौकिक था, ऐसे संत विरले होते हैं जो इस धरा धाम पर आ कर जन-जन की चेतना के उद्बोधक बनते हैं। अपनी त्याग, तपस्या और सेवा से स्वामी हरिनारायणानंद ऐसे ही महापुरुष के रूप में स्मरणीय व वंदनीय हैं। सनातन धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए समस्त परंपराओं को

● विद्यापीठ में श्रद्धा सुमन अर्पण करने पहुंचे देशभर के साधु, संत महंत, नेता

एक मंच पर लाने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्वामी जी ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया' ऐसी विचारधारा और भावनाएं दी जिससे सनातन धर्म ध्वजा आने वाली पीढ़ी के लिए भी अनुकरणीय प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। स्वामी हरिनारायणानंद हमेशा समन्वय की बात करते थे, हर एक पक्ष को स्वामी जी अपना ही पक्ष मानते थे।

युवा भारत साधु समाज के महामंत्री स्वामी रवि देव जी महाराज हरिद्वार ने कहा कि स्वामी हरिनारायणानंद जी महाराज ने सनातन संस्कृति को संपूर्ण विश्व में पहुंचाने का काम किया। साधु संतों को कर्तव्य बोध के बारे में जगाने का काम करते रहे। जब-जब मतों पंथो को एक मंच पर लाने का काम होगा तब तब स्वामी हरिनारायणानंद को याद किया जाएगा।

कबीर मठ फतुहा के महंत ब्रजेश मुनि ने कहा कि स्वामी हरिनारायणानंद संत परंपरा में बिहार के वैसे यशस्वी गौरव थे जिनका लोहा सभी मानते थे। विभिन्न मतों के साधु-संत की विरासत को आगे ले जाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगीी। स्वामी जी की विरासत को बचाना होगा। स्वामी जी के नाम पर बिहार संस्कृतिक विद्यापीठ में स्मृति भवन बनना चाहिए।

पप्पू यादव ने कहा कि स्वामी हरिनारायणानंद ऐसे ऋषि मुनि साधक संत थे जो आडंबर, अंधविश्वास और कर्मकांड से दूर रहकर खुद के निर्माण के साथ-साथ मानव निर्माण की भावना से अपने कर्म व धर्माचरण का परिचय दिया।

उन्होंने संपूर्ण मानव के लिए कल्याण का मार्ग बताया। सुधीर शर्मा ने स्वामी जी की विरासत की रक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि कोई कलंकित सजायाफ्ता स्वामी हरिनारायणानंद की विरासत पर कब्जा नहीं कर सकता। बिहार और देशभर में स्वामी जी के चाहने वाले ऐसा होने नहीं देंगे, चालबाज, गुंडागर्दी से स्वामी जी के विरासत को खंडित नहीं होने देंगे। वरीय अधिवक्ता गिरीश प्रसाद सिंह, गोकुलपुर मठ के विजय सिंह, धर्म जागरण समन्वय के प्रदेश संयोजक अवधेश कुमार, इंद्रदेव कुमार, हिंदु जागरण मंच के विनोद कुमार, संत विवेक मुनि सहित कई गणमान्य श्रद्धालुओं ने श्रद्धांजलि के उद्गार व्यक्त किए धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक देवेश शर्मा ने किए।

शिक्षा और साहित्य विषयक गोष्ठी सम्पन्न

फतुहा। साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था जन साहित्य परिषद के तत्वावधान में एक दिवसीय समारोह का आयोजन मकसूदपुर स्थित संस्कार शिक्षा निकेतन के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जन साहित्य परिषद के अध्यक्ष रामयतन यादव ने किया। जिसमें शिक्षा और साहित्य विषय पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश से पधारे हुए जाने-माने लेखक राजेंद्र राजन ने किया। राजेंद्र राजन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य के रचनाओं की कमी के कारण शैक्षिक चेतना का विकास संभव नहीं है। समारोह की अध्यक्षता अवधेश प्रीत ने की। डॉ शिवनारायण, डॉ एस वी सिंह, डॉ किशोर सिन्हा, राजमणि मिश्र, राजकिशोर राजन, आरती कुमारी, राजेंद्र राज आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर अशोक प्रजापति, दिनेश कुमार, डॉ आरती कुमारी, एस बी सिंह, राजेंद्र राजन, अवधेश प्रीत, आर.पी. घायल को भी सम्मानित किया गया।

मानव एकता दिवस पर किया 200 यूनिट रक्तदान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मानवता की सेवा निःस्वार्थ भाव से की जा सकती है। अगर कोई इंसान कष्ट में है और दूसरा मदद करता है, तो उसके पीछे कहीं न कहीं उसका स्वार्थ छिपा होता है। मगर सेवा इससे कहीं अलग होती है। कारण कि उसमें सहायता करने वाला व्यक्ति अपने लिए कुछ ऐसा भाव नहीं रखता कि इसके बदले में मुझे कुछ मिले।

इसलिए भक्त हमेशा ऐसे अवसर का इंतजार करता है, जहां किसी न किसी रूप में मानवता की सेवा हो सके। यह विचार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने ऑनलाइन रक्तदान शिविर का उद्घाटन करने के दौरान रविवार को कही। पटना के पहाड़ी स्थित शाखा में आयोजित रक्तदान शिविर में करीब 200 से अधिक भक्तों ने रक्तदान किया।

रक्त संकलन का काम पीएमसीएच के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ उमाशंकर सिंह के नेतृत्व में ब्लड बैंक के अन्य तकनीशियन की मदद से किया

● दहेज प्रथा, बाल विवाह, पूर्ण नशाबंदी से ऊपर उठ समाज में बदलाव का आह्वान

गया। शिविर में बढ़ती हुई संख्या तथा उत्साह को देखते हुए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज से अनुरोध किया कि मिशन के रक्तदान शिविरों को अप्रैल से सितंबर तक फैलाव दे दिया जाए।

कारण कि देश में गर्मी का मौसम होने के कारण इस अवधि में खून की आपूर्ति की कमी रहती है। इसके बाद सतगुरु बाबा ने इसे तत्काल स्वीकृति दे दी। इसी सिद्धांत पर 24 अप्रैल, 1989 से लगातार हर साल निरंकारी जगत 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस के रूप में मानवता के मसीहा बाबा गुरबचन सिंह की याद में मनाता आ रहा है। साथ ही साथ सामाजिक कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, पूर्ण नशाबंदी आदि जैसी बुराइयों से भी ऊपर उठकर जीवन जीने की प्रेरणा समाज में भरते हैं।

पटना-गया बाईपास रोड के हरदेव नगर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में बाद में सत्संग का आयोजन भी किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता मिशन के पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय संचालक नवल किशोर सिंह ने किया। वक्ताओं में पटना शाखा के संयोजक हरेराम प्रसाद और एसके निराला ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान पटना शाखा के सहायक संचालिका मालती देवी, शिक्षक कृष्णा प्रसाद, अन्य अधिकारी व सेवादल के भाई-बहनों के परस्पर सहयोग से किया गया।

28 को पटना पहुंचेगा मां शाकंभरी ज्योत यात्रा

पटना सिटी। शाकंभरी परिवार द्वारा आयोजित मैया शाकम्भरी की ज्योत सकराय धाम से चल कर पटना 28 अप्रैल गुरुवार को पहुंच रही है। मैया के ज्योति रथ के स्वागत के लिए पटना प्रवेश के साथ सगुना मोड से स्कूटर, मोटर साइकिल और कुछ गाड़ियों के साथ उत्सव स्थल पटना सिटी स्थित श्री बिहारी जी मिल्स के आवासीय प्रांगण में लाया जाएगा। यहां सायं छह बजे से ज्योत, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद का आयोजन किया गया है। यह निर्णय शाकम्भरी परिवार के सदस्यों की बैठक में लिया गया। बैठक में नारायण साह, रोशन ढांढरिया, रुपेश जोशी, प्रशांत बागला, गिरधर बागला, अतुल कौशिक, सुमन चिरानिया आदि उपस्थित थे।

यह जानकारी नारायण साह के द्वारा दी गई। रथ की ज्योत यात्रा की विदाई 29 अप्रैल की सुबह छह बजे होगी। यह लखीसराय, मुंगेर होते हुए भागलपुर को जाएगी।

पुलिस और पब्लिक के बीच पिपुल फ्रेंडली सोच कायम करना होगी पहली प्राथमिकता

दानापुर, खगौल, प्रात :किरण संवाददाता

शनिवार की देर शाम खगौल थाना के नए थानेदार फुलदेव चौधरी ने अपना पदभार ग्रहण किया । थाना के अधिकारियों ने पुष्पगच्छ देकर अपने नए थानेदार का स्वागत किया। थाना के नए अध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने कहा कि हमारे वरीय अधिकारियों ने जिस वजह हमें खगौल थाना का कार्यभार दिया है, निश्चित ही उनके भरोसे पर खरा उतरूंगा। अपने कार्य के प्रति जूनुन रखने वाले फुलदेव चौधरी ने बताया कि पुलिस आमजनता के बीच पिपुल फ्रेंडली वाली सोंच रखने चाहिए और पब्लिक को भी पुलिस के प्रति सहयोग की भावना रखने चाहिए तभी क्षेत्र में अमन चैन स्थापित हो सकते हैं।

श्री चौधरी ने अपने क्षेत्र के निवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि जो भी आपकी या किसी और की समस्या या सूचना हो तो मेरे सरकारी नंबर पर बता सकते हैं, जो 24 घंटे उपलब्ध है, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अखबार के माध्यम से उन लफंगों,उच्चकों और अवैध कारोबारियों,नशा तस्करों को हिदायत दी है कि सुधर जाओ नहीं तो यह इलाका छोड़ दो, किसी की खैर नहीं। उन्होंने बताया कि विधि-व्यवस्था बनी रहे इसके लिए अपने अधिनस्थ पदाधिकारियों से विचार विमर्श और नये तरीके से रणनीति तैयार कर अपराधियों के हर मंसूबे पर लगाम लगाई जाएगी। ताकि खगौल क्षेत्र के नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें।

51 कुंडीय हवन यज्ञ सम्पन्न

बाढ़। पतंजलि योगपीठ के तत्वावधान में बाढ़ की धरती पर प्रथम बार स्वामी विप्र देव जी पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के सानिध्य में प्रांत प्रभारी योगाचार्य हरिनारायण प्रधान के सौजन्य से सरस्वती विद्या मंदिर गुलाब बाग, बाढ़ के प्रांगण में 51 कुंडीय हवन यज्ञ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम पंजीयन कराया गया उसके बाद आज हवन यज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन करके प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान स्वामी विप्र देव द्वारा हवन यज्ञ की वैज्ञानिक महत्ता के ऊपर बहुत ही विद्वता पूर्वक प्रकाश डाला गया और लोगों को यह एहसास कराया गया की भोजन के बिना हम कई दिन- महीनों तक रह सकते हैं, पानी के बिना कुछ दिनों तक रह सकते हैं, लेकिन वायु के बिना हम एक क्षण भी नहीं रह सकते हैं और यदि वायु दूषित हो जाए तो हमें रोगों से कोई नहीं बचा सकता इसलिए वायु को शुद्ध करने के लिए हवन के जैसा कुछ भी नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट की ओर से समाज की एक बैठक बुलाई

जहानाबाद। आज दोपहर 1 बजे जहानाबाद के स्वामी सहजानंद संग्रहालय में। भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट की ओर से समाज की एक बैठक बुलाई गई है। उक्त बैठक में फ्रंट के अध्यक्ष व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजीत कुमार एवं सुधीर शर्मा, पूर्व मंत्री बीना शाही समेत जिले के कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। अतः आप सभी से आग्रह है कि उक्त बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की कृपा करें।

बिजली से नेवारी के पुंज में लगी आग

रतनी। बिजली इस गर्मी के मौसम में यम का रुप ले रखा है। प्रतिदिन कहीं न कहीं आग की गोला बनकर लोगो को नुकसान पहुचाने को बेताब है। इसी कड़ी में आज रविवार को दिन के करीब एक बजे शकूराबाद थाना क्षेत्र के रकसिया में बिजली के शार्ट सर्किट से बद्री यादव के नेवारी के पुंज मे लगी आग से करीब पांच हजार नेवारी जलकर राख हो गया, वही रबी यादव के भी रखे खेसारी मसुर जलकर राख हो गया। आग की लपट देख ग्रामिण आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगा। तत्काल सुचना पाकर अग्निशामक आने पर आग पर काबू पाया जा सका। मुखिया प्रतिनिधि सह सामाजिक कार्यकर्ता पंकदेव कुमार ने बताया कि आग इतना भयंकर रुप ले लिया था कि यदि अग्निशामक नही पहुचता तो और घटना घट सकती थी। आग से दोनो किसानों को करीब 40हजार रुपये की क्षति पहुंचा है। अंचल अधिकारी कौशल्या कुमारी को भी आग लगने की सुचना से अवगत कराया है।

सात दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन भी जारी रहा

दरभंगा। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 7 दिवसीय भागवत कथा का दूसरा दिन भी जारी रहा। सुबह में पंडित अमरनाथ मिश्र के द्वारा वैदिक उच्चारण के साथ शुरुआत किया गया। शाम में भजन किया गया। पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज जी का आगमन हुआ। दूसरा दिन मुख्य यजमान देवेंद्र नाथ कुंवर थे उन्होंने सबसे पहले भगवान का और महाराज जी का पूजन किए। राजेंद्र दास जी महाराज जी का देवेंद्र नाथ कुंवर जी के द्वारा माल्यार्पण किया गया।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना से जिले के शत-प्रतिशत पात्र होंगे लाभान्वित : डीएम

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

उत्साह

- जिले में किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान की हुई शुरूआत, अभियान में भाग लेने को लेकर जिले के किसानों में खासा उत्साह : डीएम

आज देश भर में मनाए जाने वाले आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई। इस मौके पर जिले के सभी 388 पंचायतों में वर्चुअल माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों व किसानों द्वार बड़ी संख्या में भागीदारी की गई।

गौरतलब हो कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिले के सभी 388 पंचायतों में इस अभियान में भाग लेने को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखा गया। जिलाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री के द्वारा इतने बड़े स्तर पर सीधे किसानों को दिशाबोध प्रदान करना यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर था। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, मधुबनी जिले में किसानों के कल्याण की सभी योजनाओं को शत-प्रतिशत तरीके से लागू करने को लेकर कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जिले के वैसे सभी किसान जो पूर्व से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभुक रहे हैं, वे सभी इस योजना का लाभ लेने की अहर्ता रखते हैं। किसानों को इसके लिए अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छाया प्रति, उनके जमीन की रसीद या एलपीसी और एक आवेदन प्रपत्र भरकर अपने पंचायतों में किसान सलाहकार के पास जमा करना होगा। इसके बाद सभी योग्य आवेदन किसान सलाहकार के माध्यम से प्रखंड और फिर प्रखंड से जिला स्तर तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वैसे तो किसान क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले ऋण पर ब्याज दर सात प्रतिशत है, परंतु समय से अपनी किस्त चुका देने वाले किसानों को इसकी ब्याज दर मात्र चार प्रतिशत चुकानी होगी। उन्होंने इसे जिले के उद्यमी किसानों के लिए इसे एक स्वर्णिम अवसर के रूप में चिन्हित किया। पंचायतों में शिविर लगाकर किसानों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन के द्वारा जिले के किसानों के हित में चलाई जा रही कई लाभकारी योजनाओं को बल मिलेगा। जिसमें किसान उत्पादन संगठन, कृषक हित समूह, महिला खाद्य सुरक्षा समूह आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से प्रेरणा प्राप्त कर जो भी किसान कृषि क्षेत्र में व्यापक और नवाचार आधारित पहल करना चाहते हैं, उनके सुझाव व प्रस्ताव सदैव आमंत्रित है। वे अपने सुझाव व प्रस्ताव जिला कृषि पदाधिकारी, मधुबनी अथवा सीधे मुझे दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जिले के परिश्रमी एवं उद्यमी किसानों को इन योजनाओं से लाभ उठाना चाहिए, ताकि कृषि क्षेत्र में विकास के नए अवसर प्राप्त हो सकें। इससे किसानों को आर्थिक रूप से सबल बनाने की सरकार की योजना साकार की जा सकेगी।

धुमन्तू खानाबदोश कुरड़ीयार महासंघ समुदाय का महासम्मेलन हुआ अयोजित

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

मांग

- आपके हक सुविधाओं समेत अन्य मांगो को लेकर सरकार सम्बंधित विभाग के समक्ष रख आपकी आवाज बन कर आपकी आवाज को बुलंद करूंगा : पप्पू यादव

मधुबनी जिला के जयनगर प्रखंड के देवधा उत्तरी पंचायत के हाट गाछी के समीप धुमन्तू खानाबदोश कुरड़ियार महासंघ समुदाय जाती के प्रदेश अध्यक्ष कमल करोड़ी के नेतृत्व में आयोजित समुदाय के महासम्मेलन में मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव शामिल हुए। कमल करोड़ी के द्वारा पप्पू यादव के समक्ष समुदाय के दुष्कर जीवन यापन समेत समाज के मांगों को रखा। सम्मेलन को पप्पू यादव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद भी यह समुदाय समाज के लोग पिछड़ी जीवन घुम-घूम कर जीवन यापन करने पर विवश हैं और गरीबी की मार झेल रहे हैं।

सरकार और प्रशासन इनका किसी तरह से सहयोग नहीं कर रहा हैं। सरकार की योजनाओं शिक्षा रोजगार से वंचित हैं। इनके पास जीवन यापन करने के लिए न हैं न ठिकाना न रोजगार। हम इनकी हक मांगो को लेकर सरकार और सम्बंधित विभाग के समक्ष इनकी आवाज बन कर आवाज बुलंद करने हक दिलाने का कार्य का संकल्प लेते हैं, और हर सम्भव मदद का आश्वासन देते हैं। सरकार से गरीबी बेरोजगारी भरष्टाचार पर रोक लगाने की मांग करते है। करोड़ी समाज के प्रदेश अध्यक्ष कमल करोड़ी ने बताया कि यह सम्मेलन सह समीक्षा बैठक 15 दिनों से चल रहा हैं यह लगभग 20 दिनों तक चलेगा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में समुदाय के समाज के महिलाओं पुरुषों युवाओं बच्चें लोग शामिल हो रहे हैं और महापंचायत भी हो रही हैं। मुद्दों पर विचार विमर्श कर समस्याओं से रू-ब-रू होकर समस्याओं को समाधान कर सुलझाया जा रहा हैं। महासम्मेलन के माध्यम से कई अहम निर्णय लिये गये नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाना है। हम सभी समाज के लोग नशा नहीं करने का संकल्प लिये है। पूर्व से ही हमारे समाज मे बाल विवाह, दहेज प्रथा पर रोक हैं, जो आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया गया हैं। भिक्षाटन भीख मांगने पर भी प्रतिबंध लगया जा रहा हैं। सम्मेलन में करोड़ी समाज उप जातियों के बच्चें भी शिक्षा ग्रहण करने बच्चों को लिखने पढ़ने और समेत अन्य सुविधाओं पर चर्चा की गई हैं। धुमन्तु करोड़ी समेत उपजातियों के समस्याओं एवं सुविधओं को लेकर सरकार और प्रशासन के समक्ष मांगो को रखने को लेकर सहमति बनी है और महासम्मेलन आयोजित की गई हैं। महासम्मेलन को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया। बिहार के सभी जिलों समेत देश के अन्य प्रदेशों से धुमन्तू समाज समेत करोड़ी, नट, कन्नजड़, गुलगुलिया, लठोड़, बनबड़ीया, जतकुटवा समेत 12 उपजातियां के हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए है।

आग लगने से दो घर जल कर राख लाखों की क्षति

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के जयनगर प्रखण्ड क्षेत्र के बस्ती पंचायत स्थित फरदाही टोल वार्ड 13 में रविवार की दोपहर अगलगी की घटना घट गई। अगलगी होने से बस्ती पंचायत के निवासी शिव शंकर यादव और पंकज यादव के घर जल कर राख हो गये। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक दोनों घर और घर मे रखें सामान जल कर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। घर मे रखें अनाज की बोरियां कपड़े बर्तन फर्नीचर साइकिल अनाज की दस बोरियां गेंहू मसूर धान चावल दमकल गृहउपयोगी समेत अनाज अन्य सामग्रियां जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार मजदूरी का कार्य करता हैं उनके दोनों फुस का घर जल कर राख हो गया।

अगलगी की घटना का कारण का पता नहीं चल सका। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दि गई लेकिन बड़ी वाहन होने से संकीर्ण रास्ता गली होने की वजह से अगलगी घटना स्थल पर वाहन नहीं पहुँच सका। ग्रामीणों के द्वारा किसी तरह से आग पर काबू पाया।

आजादी का अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह के आयोजन

जहानाबाद, प्रात : किरण संवाददाता

ग्राम पंचायत मादिल, प्रखंड-जहानाबाद में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस ग्राम सभा में पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित सतत विकास के 9 लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, मादिल पंचायत के मुखिया बबलू कुमार के द्वारा संकल्प लिया गया।

पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा, पंचायतों के विकास के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों को, राष्ट्रीय पुरस्कार देने का प्रावधान है। इस क्रम में मांदिल पंचायत के मुखिया बबलू कुमार को दो विशिष्ट राष्ट्रीय पंचायती राज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1. दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार। 2. नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्रामसभा पुरस्कार। विशेष ग्रामसभा एवं पंचायती राज दिवस समारोह में यह पुरस्कार, जहानाबाद जिले के विधायक सुदय यादव, टछउ

प्रमोद चंद्रवंशी, जिला पदाधिकारी- हिमांशु कुमार राय, जिला पंचायत राज पदाधिकारी- गुलाब हुसैन, प्रखंड विकास पदाधिकारी- देवेंद्र पासवान, जिला परिषद सदस्य- मिंटू कुमारी के द्वारा, ग्राम पंचायत- मादिल के मुखिया बबलू कुमार को दिया गया।

पंचायती राज दिवस का विशेष समारोह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा जम्मू एवं कश्मीर राज्य के पल्ली ग्राम से सीधे प्रसारित कर टेलीविजन के माध्यम से मंदिर पंचायत में आयोजित ग्राम सभा के दौरान संवाद स्थापित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा शिविर भी लगाए गए।इस विशेष ग्रामसभा में जिला पंचायत संसाधन केंद्र, जहानाबाद के नोडल पदाधिकारी, दिनेश कुमार सहित सभी कर्मी एवं जहानाबाद प्रखंड एवं मांदल पंचायत के कर्मी सहित, ग्राम सभा में सभी जनप्रतिनिधि, ग्राम सभा के सदस्य, ग्रामीण जनता महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

रंग-बिरंगी टोपियों व कपड़ों से सजा ईद बाजार, खरीदारों की उमड़ी भीड़

दरभंगा, प्रात : किरण संवाददाता

माह-ए-रमजान का 22 रोजा बीत चुका है। बाजारों में ईद की रौनक दिखने लगी है। कपड़े,सेवईयां व खासतौर से रंग-बिरंगी टोपियों की दुकानें सज गई हैं। दुकानों पर ग्राहकों की चहलकदमी भी बढ़ गई है, लेकिन महंगाई के बोझ से दबे बाजार में दुकानदार व खरीदार दोनों कराह रहे हैं। हालांकि व्यवसायी इस उम्मीद में है कि दो साल बाजार ईद बाजार लगा है। इस बार पहले से अच्छी दुकानदारी होगी। ईद के लगभग सप्ताह दिन शेष रह गए हैं। ईद बाजार पूरी तरह से अपने शबाब पर है।

दरभंगा लहेरियासराय के बाजारों में रोजेदार अपने-अपने हैसियत के हिसाब से दुकानों में खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि बाजार में महंगाई का असर तो है ही। मगर दो साल बाद ईद की खरीदारी करने की भी रोजेदारों में खुशी है। इसके बावजूद रोजेदार जमकर खरीदारी कर रहे हैं। कपड़े उतने ही खरीद रहे हैं,जितना में वे ईद गुजार सके। कुछ दुकानदारों का कहना है की महंगाई का असर रोजेदारों पर पकड़ा है। लेकिन लोग खरीदारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि ईद से पहले बाजार में भीड़ और अधिक होगी। शाम में ज्यादा हो रही भीड़ शहर में भीषण गर्मी की वजह से शहर के बाजारों में दोपहर में खरीदारों की भीड़ कम है। चिलचिलाती धूप होने की वजह से रोजेदार इफ्तार करने के बाद ही खरीदारी के लिए बाजार में निकल रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि आसपास के ग्रामीण इलाकों से खरीदार दुकान खुलने के वक्त ही खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। युवाओं की अपनी मौज ईद की पारंपरिक खरीदारी के बीच युवाओं का अपना मन मौजू रही। वे मार्डन जींस,टी-शर्ट की दुकानों को खंगाल रहे हैं। ब्रांडेड जींस व टी-शर्ट जिस दुकान में मिल रही है,उनकी भीड़ वहीं पर है। ऐसे मार्केट में युवाओं की भीड़ सबसे ज्यादा है। अपनी जरूरत के सभी सामानों को वह खरीद रहे हैं।

बाबू कुंवर सिंह स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम सेनानी थे: महेंद्र

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर, राष्ट्रीय हिंदू एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राणा सिंह, राष्ट्रवादी चिंतक एवं क्षत्रिय इतिहास के सर्वेक्षण कर्ता प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश के राय साहब सिंह, एवं युवा नेता अंशुमन मोहन ने अमर शहीद बाबू कुंवर सिंह के 166 वी विजयोत्सव के अवसर पर बाबू कुंवर सिंह के राष्ट्रवाद का संदेश लेकर सुपौल सहरसा से होकर कुंवर सिंह महाविद्यालय लहरिया से दरभंगा के परिसर पहुंचे जहां कुंवर सिंह महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार के नेतृत्व में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के मिथिला प्रभारी एवं राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य डॉ अशोक कुमार सिंह, संयोजक नवनीत कुमार सिंह, छात्र नेता शंकर कुमार सिंह, छात्र नेता राजेश्वर सिंह राणा, अनुज कुमार सिंह, बिट्टू पासवान, पवन कर्मचारी संघ के नेता हर्षवर्धन सिंह, विनोद कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, कामेंद्र कुमार सिंह, विभा करण सिंह आदि ने साफा, चादर ,माला एवं बुके के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर, राष्ट्रीय हिंदी एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राणा सिंह, युवा नेता अंशुमन मोहन, प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश के रायसाहेब सिंह द्वारा बाबू कुंवर सिंह के मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पुष्पांजलि की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए कहा अट्ठारह सौ सत्तावन के विस्मयकारी नायक, वीर सेनानी बाबू कुंवर सिंह जैसे महापुरुष शताब्दियों के बाद पृथ्वी पर आते हैं।

जन अधिकार की विशेष बैठक में भाजपा की सरकार पर साधा निशाना

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

स्वागत

- पदाधिकारियों को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग व दोपटा से स्वागत किया गया

मधुबनी जिले के मधवापुर प्रखंड के बैरवा गांव में जन अधिकार पार्टी का एक विशेष बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रामनारायण यादव व मंच संचालन प्रदेश सचिव दिनेश कुमार यादव ने की। इस बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारियों को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग व दोपटा से स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में जाप के राष्ट्रीय सचिव अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार पूरे देश को ठगने का काम करते आ रहे है। भ्रष्टाचारी चरम पर है, महंगाई रुकने का नाम नही ले रहा। युवाओं को रोजगार नही, किसान खुशहाल नही, अब भी देश की जनता को जागने की जरूरत है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचारी के विरोध में हमारी पार्टी बहुत जल्द ही पूरे बिहार में पद यात्रा निकालेगी। इस मौके पर प्रकाश झा, संजीव निरज, तारिश भारती, मनोज घोष, मुनिन्द्र पासवान, राम सेवक यादव, अशोक यादव, ललितेश्वर यादव, मोहन यादव, राम लखन यादव, लालू यादव समेत दर्जनों कार्यकताओं ने भाग लिया।

राष्ट्रकवि दिनकर जी को दी गई श्रद्धांजलि

दरभंगा, प्रात : किरण ब्यूरो

बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ कार्यालय लहेरियासराय में राष्ट्र कवि स्वर्गीय रामधारी सिंह दिनकर की 49 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया इस अवसर पर महासंघ के जिला मंत्री फूल कुमार झा ने कहा कि स्वर्गीय दिनकर जी का जन्म 23 सितंबर 19०८ ईस्वी बिहार के बेगूसराय जिला के सिमरिया गांव में एक साधारण परिवार में हुआ था।

बाल्यकाल में ही उनके पिता का स्वर्गवास हो गया वह इतिहास एवं राजनीति विज्ञान में स्नातक डिग्री प्राप्त कर राज्य सरकार के निबंधन विभाग में सब रजिस्ट्रार की नौकरी आरंभ किया आजादी मिलने के बाद वर्ष 1952 से लेकर 1964 तक वह राज्यसभा के सदस्य मनोनीत किए गए राज सभा से सेवानिवृत्त होने के बाद वह भारत सरकार में हिंदी विभाग में सलाहकार के रूप मै नियुक्त हुए पुनः एक डेढ़ वर्षो के लिए भागलपुर विश्वविद्यालय में कुलपति के प्रभार में भी रहे उनका निधन 24 अप्रैल 1974 में हो गया हिंदी के महान कवि होने के साथ-साथ अंग्रेजी उर्दू बंगला साहित्य पर भी अच्छी पकड़ थी स्वर्गीय दिनकरजी ने कई महाकाव्य की रचना की है वीररस एवं क्रांतिकारी कवि के रूप में जाने जाते हैं उनकी रचना कुरुक्षेत्र उर्वशी रश्मिरथी आज भी महाविद्यालय में पढ़ाया जाता है उनकी कविता स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण ने वर्ष 1974 के छात्र आंदोलन में याद करते थे कि सिंहासन खाली करो जनता आती है उन्हें मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर जिला महासंघ बैसाली के पूर्व जिला मंत्री स्वर्गीय शंकर कुमार गुप्ता की निधन की सूचना पर उनके प्रति 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया इस अवसर पर कर्मचारी नेता अरविंद कुमार राय, सीताराम पासवान, राजेंद्र मोची, शिक्षक नेता नरायणजी झा, अजय कुमार झा, दिनेश कुमार चैधरी आदि उपस्थित थे।

मिथिला स्टूडेंट यूनियन के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का हुआ सफल समापन

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

जानकारी

- विचारधारा को जन जन तक पहुचायेंगे : ऋषि सिंह

आज दिनांक 24 अप्रैल रविवार को मिथिला स्टूडेंट यूनियन के द्वारा चौथे राष्ट्रीय अधिवेशन का सफल आयोजन डी.बी. कॉलेज जयनगर में संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में सैकड़ों एमएसयू सेनानी दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगूसराय, सहरसा, पूर्णिया से आकर इस आयोजन में शामिल हुए। राष्ट्रीय अधिवेशन का नेतृत्व एमएसयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य मोहन ने किया। उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का जयनगर में सफल आयोजन रहा। वहीं, मिथिला स्टूडेंट यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमन सक्सेना ने बताया पहले दिन आपसी समन्वय विगत विवादों का निपटारा पदाधिकारियों के बीच खुले चर्चा के लिए पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी जिला के अध्यक्ष प्रखंड अध्यक्ष मिथिलावादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं अभिभावकों के साथ बैठक किया गया और महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा-परिचर्चा किया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम का विधिवत शुरूवात दिप प्रज्वलवन एवं स्वागत कार्यक्रम से शुरू किया गया, जिसके बाद संगठन के विचारधारा को राजनितिक रास्तो एवं काम करने के बारे में स्पष्टता पर चर्चा किया गया।

पहले दिन राष्ट्रीय पदाधिकारियों की आपसी चर्चा से निकले समाधान को कार्यकर्ता के बीच लाया गया। शाम के समय आगामी लोकसभा विधानसभा 2024 और 2025 चुनाव पर चर्चा परिचर्चा किया गया। साथ ही आखिरी सत्र में नगर परिषद और नगर निगम चुनाव पर चर्चा किया गया अधिवेशन के अंतिम दिन पहले सत्र में संगठन विस्तार पर चर्चा किया गया। तीसरे दिन अंतिम दिन के अंतिम सत्र में संगठन के विचारधारा के विस्तार पर चर्चा संपन्न हुआ, जिसके बाद कार्यक्रम समापन का घोषणा किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन का मंच संचालन एमएसयू मधुबनी जिलाध्यक्ष राघवेंद्र रमण ने किया। राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन का जिम्मा संगठन के डी.बी. कॉलेज के अध्यक्ष ऋषि कुमार और जयनगर के प्रखंड अध्यक्ष नितीश मिश्रा को सौंपा गया था। इस आयोजन में संगठन के राष्ट्रीय कार्यकरणी के अलावा तमाम वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे, जिसमे एमएसयू के संस्थापक सदस्य अनूप मैथिल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज, रौशन मैथिल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अनुपम झा, राष्ट्रीय महासचिव प्रियेरंजन पांडेय, राष्ट्रीय प्रवक्ता अमन सक्सेना, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष धीरज कुमार मिश्रा, दरभंगा नगर अध्यक्ष अर्जुन कुमार दास, अमित मिश्रा, शशि सिंह राजपूत, चंदू मिश्रा समेत कई वरीय पदाधिकारी ने अपनी बातो को रखा सभी ने एक स्वर में कहा संगठन आने वाले सभी चुनाव में अपनी भागेदारी देगा।

चुनाव का परिणाम कुछ भी हो, लेकिन हम चुनावी मैदान में उतरेंगे। संगठन के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मिथिला में एमएसयू तीसरे मोर्चा के लिए तैयार हो रहा हैं।

शराब पीते वीडियो वायरल होने पर पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी

दरभंगा। शराब पीते वीडियो वायरल होने के मामले में दरभंगा पुलिस ने पियक्कर रविवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए पियक्कर लहेरियासराय थाना क्षेत्र के साहसूपन मोहल्ले के रहने वाले हैं। लहेरियासराय थानाध्यक्ष एचएन सिंह ने बताया कि शराब पीते वीडियो वायरल की सूचना उन्हें मिली थी। तहकीकात करने के बाद पियक्कड़ महेश प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। उसे नये उत्पाद अधिनियम के तहत उन्हें थाना से बेल दिया जा रहा है और उन्हें हिदायत दी गई है कि अब नशा नहीं करेंगे। यदि दोबारा नशा करते पकड़े गए तो न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया जाएगा। महेश प्रसाद ने बताया कि वह जानवर के चारा का व्यवसाय करते हैं और फिलहाल किराए के मकान में रहते हैं। महेश प्रसाद ने बताया कि वीडियो 2 वर्ष पूर्व होली के अवसर पर नगर थाना क्षेत्र के तरौनी गांव में शराब का सेवन कर रहे थे उसी दौरान उनके मित्र ने वीडियो बना लिया था। किसी बात को लेकर मनमुटाव होने पर वीडियो वायरल कर दिया।

16 मई को अनुमंडल कार्यालय पर होगा आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन : राम जी यादव

मधुबनी, प्रात : किरण संवाददाता

इस बैठक में वरिष्ठ किसान नेता कॉमरेड राम जी यादव, सीपीआई (एम) लोकल सचिव कुमार राणा प्रताप सिंह, अनिल कुमार यादव, कृष्ण देव यादव, धीरेन्द्र कुमार सिंह, योगेन्द्र नाथ यादव, राजगीर पासवान, मो० मंजूर, मुन्ना झा, बलराम दास, बिहार राज्य किसान सभा के अंचल मंत्री उपेन्द्र यादव उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल मंत्री उपेन्द्र यादव ने की। किसान की बैठक को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज देश में किसानों की हालात बद से बतर हो चूंकि है किसान बहुत तेजी से महगाई के कारण खेती छोड़ने पर विवश हो रहे हैं। खेती की हालात दिन प्रतिदिन खराब होने के कारण आज किसान आत्महत्या करने पर विवश हो रहे है, सरकार तथा सरकार के अधिकारी, पुलिस एवं पदाधिकारी, द्वारा सबसे ज्यादा किसानों का शोषण किया जा रहा है जिसका उदाहरण आप देख चूके हैं। जयनगर के अन्दर बालू खनन के मामले में बेवजह किसान को परेशान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री अपने चहेते अडानी, अंबानी को कृषि क्षेत्र में प्रवेश दिलाने हेतु कमर कस ली जिसे देश के किसान आंदोलन में चकना चूर कर दिया। देश के अन्दर किसान कर्ज के कारण किसान से मजदूर बन गया है। तथा सरकार के शुभचिंतक पूँजीपति कारपोरेट घरानों का इस सरकार में दिन दुगुना रात चौगुना बढ़ा हैं।

सरकार द्वारा किसान को लॉलीपॉप दिखाया जा रहा है। 1. लोहट,सकरी एवं रैयाम चीनी मील को अविलंब चालू करों। 2. स्वामीनाथन आयोग के रिपोर्ट को सख्ती से लागू करों। 3. कृषि उत्पाद को लाभकारी मूल्य दो। 4. दाखिल खारिज 15 दिनों के अन्दर करना सुनिश्चित एवं अवैध वसूली बन्द करों। 5. डीजल,पेट्रोल जीवन उपयोगी सभी वस्तुओं पर मूल्य वृद्धि वापस लो। 6. उचित मूल्य पर खाद,बीज एवं कीटनाशक दवाओं को उपलब्ध कराते हुए किसानों को कैशमेमो देने की गारंटी करों। 7. उप नीवंधन कार्यालय जयनगर में अवैध वसूली बन्द करों। 8. मनरेगा योजना कार्य में मशीनों का उपयोग बन्द करों एवं मजदूरों को काम दो।

मोटरसाइकिल समेत शराब जप्त शराब तस्कर भागने में सफल

मधुबनी। मधुबनी जिले के खजौली थाना पुलिस ने संध्या गस्ती के दौरान खजौली-सुक्की मुख्य सड़क पर उत्क्रमित विद्यालय बेहटा के पास एक मोटरसाइकिल सहित 3 सौ एमएल के 90 बोतल देशी नेपाली शराब बरामद किया मौके से पुलिस को चकमा देकर भागने में शराब कारोबारी सफल रहा। गस्ती दल का नेतृत्व कर रहे एएसआई चरित्र राम ने बताया कि संध्या गस्ती के दौरान उत्क्रमित विद्यालय बेहटा के पास पुलिस की गाड़ी देखकर एक मोटरसाइकिल सवार युवक मोटरसाइकिल को पटक कर भागने लगा। पुलिस के द्वारा भाग रहे युवक को खदेड़ कर पकड़े की कोसिस किया गया। हालांकि शराब तस्कर पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। जब उसकी मोटरसाइकिल के पीछे बंधे बोरी की तलासी लेने पर पुलिस को 3 सौ एमएल के 90 बोतल देशी नेपाली शराब बरामद हुई। वही मौके से पुलिस ने मोटरसाइकिल सहित शराब को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। वही फरार शराब तस्कर की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के सुक्की गांव निवासी सरोज पासवान के रूप में हुआ है।

भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट के राज्य सम्मेलन में मुजफ्फरपुर जिले से दो हजार प्रतिनिधि करेंगे शिरकत

जनसंवाद यात्रा के क्रम में मुजफ्फरपुर में हुआ प्रतिनिधि सम्मेलन

मुजफ्फरपुर, प्रात : किरण संवाददाता

8 मई को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आहूत भूमिहार ब्राह्मण समाजिक फ्रंट के राज्य स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन में जिले से दो हजार से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। उक्त निर्णय शनिवार को स्थानीय खबरा स्थित रेणुका होटल पैलेस के सभागार में संपन्न हुए फ्रंट के प्रतिनिधि सम्मेलन में लिया गया ।

प्रतिनिधि सम्मेलन की अध्यक्षता फ्रंट के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वप्रथम फ्रंट के आदर्श श्री कृष्ण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किया । तदुपरांत फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा एवं कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया । इस मौके पर अपने उद्घाटन भाषण में अजीत कुमार ने कहा कि बीते 2 वर्षों के प्रयास से आज भूमिहार ब्राह्मण समाजिक फ्रंट राज्य के सभी जिलों में अपनी पहचान बना ली है । आगामी 8 मई के सम्मेलन में

इसका एहसास आम आवाम को होगा । उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि हमारे समाज का गौरवशाली अतीत रहा है । हम आज अपने कमियों के कारणहर क्षेत्र मे पिछड़े है। हमें पुणः अपने आप को मजबूत करना होगा, तभी हमारा गौरवशाली अतीत पुनर्स्थापित होगा । उन्होंने 8 मई को पटना के सम्मेलन में मुजफ्फरपुर से प्रतिनिधियों का बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने का आवाहन युवा वर्ग से किया ।

इस मौके पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि अब हम किसी से दबने वाले नहीं है । हम संगठित होंगे और फिर समाज के दूसरे वर्गों से सरोकार बढ़ाकर हम अपने पूर्वजों के परंपरा को कायम करेंगे । श्री शर्मा ने कहा की 8 मई का पटना का सम्मेलन कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। हम सम्मेलन में राज्यभर से आए हुए प्रतिनिधियों का विचार लेंगे तथा फ्रंट की मजबूती के लिए आगे का रणनीति तय करेंगे। इसलिए युवा वर्ग इस सम्मेलन को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएं इस मौके पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए धर्मवीर शुक्ला ने कहा की हमारा समाज परोपकारी समाज रहा है । हम हर लोगों को मदद करने का काम किए हैं लेकिन आज हमें सामाजिक, राजनैतिक रूप से नीचे दिखाने का प्रयास हो रहा है । जिससे हमारा समाज अब कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हम लड़ेंगे और सफल भी होंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए फ्रंट के महासचिव एवं पूर्व विधायक शत्रुघ्न तिवारी उर्फ चोकर बाबा ने कहा कि जब- जब हमारा समाज जगा है, तब तब बड़ा परिणाम सामने आया है । वोचहां का उपचुनाव ने हमारे समाज की एकजुटता को साबित कर दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि अब हम रुकने वाले नहीं हैं, चाहे जो भी चुनौती आए हम उसका सामना करेंगे और हर हालत में समाज को मजबूत बनाकर फिर से सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में अपना पंचम लहराएंगे। सम्मेलन को समाजसेवी राम किशोर सिंह, चंद्र माधव सिंह, दीनबंधु क्रांतिकारी, फ्रंट के जिला महिला अध्यक्ष कादंबिनी ठाकुर, युवा अध्यक्ष शांतनु सत्यम, छात्र अध्यक्ष अंकेश ओझा, कमलेश कुमार सिंह ,रणधीर कुमार सिंह, डॉ अनंत ,संजय ठाकुर फौजी ,चुलबुल ठाकुर, श्री कृष्णा, शिवेशवर शर्मा, महानगर की युवा अध्यक्ष सम्राट कुमार ,कमांडो रामेश्वर सिंह ,सुरेंद्र सिंह ,गोलू सिंह, अभिषेक कुमार, अमृतेश कुमार ,राजकुमार ,मुरारी शरण उर्फ श्याम जी, शंभू प्रसाद सिंह ,वंदना शर्मा, शालिनी देवी ,सुधीर पांडे ,सुमन कुमार सिंह ,संतोष साही, सपना राज ,संध्या सिंह आदि लोगों ने संबोधित करते हुए 8 मई के सम्मेलन में मुजफ्फरपुर से बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

वैशाली प्रखंड को मिला दीनदयाल पंचायत सशक्तिकरण का राष्ट्रीय पुरस्कार

हाजीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जनतंत्र जननी वैशाली प्रखंड को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आयोजित समारोह में स्थानीय विधायक सिद्धार्थ पटेल ने प्रखंड प्रमुख को पुरस्कार प्रदान किया। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय पचपैका में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि यह पुरस्कार देते हुए मैं भी अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मुझे गौरव है कि मैं यहां का विधायक हूं। राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर बिहार हीं नहीं देश के चुनिंदा प्रखंडों में जनतंत्र जननी वैशाली प्रखंड को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में भी पंचायतों को बेहतर विकास कार्य करें ताकि यह पुरस्कार लगातार मिलता रहे। इस मौके पर विधायक ने प्रखंड प्रमुख शैलेंद्र प्रसाद सिंह तथा पूर्व प्रमुख हेमंत कुमार को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि वर्ष 2020-21 के लिए दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार वैशाली पंचायत समिति को मिला है। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक सिद्धार्थ पटेल ने प्रखंड प्रमुख को पुरस्कार के रूप में शील्ड

प्रदान किया। समारोह में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री का संबोधन भी सुना। इस मौके पर बीडीओ सुशील कुमार, सीओ गौरव कुमार, पूर्व मुखिया धर्मेंद्र सिंह, पंसस रंजय सिंह, प्रखंड जदयू अध्यक्ष सुरेंद्र राम, युवा जदयू अध्यक्ष दीपक कुमार, भाजपा अध्यक्ष अखिलेश कुमार कन्हाई, भाजपा के अभिजीत कुमार विक्की, पूर्व सरपंच तारकांत कुमार, अनिल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। प्रमुख ने विधायक सिद्धार्थ पटेल और मुखिया पुष्पा देवी के साथ स्थानीय बीडीओ और सीओ को बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। हाजीपुर के अंधरवाड़ा पंचायत को मिला अवार्ड:हाजीपुर प्रखंड के अंधरवाड़ा पंचायत को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। पंचायत के अजमतपुर नौलखा मंदिर परिसर में आयोजित समारोह के दौरान विधायक अवधेश सिंह, विधान पार्षद भूषण कुमार एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी हरेंद्र राम ने मुखिया पंकज कुमार शर्मा को अवार्ड देकर सम्मानित किया। पुरस्कार में पंचायत को 15 लाख रुपये विकास कार्य के लिए प्रदान किए गए हैं। समारोह में डीपीएम सह जिला नोडल अधिकारी राजकुमार पासवान, बीडीओ अमित कुमार अमन, उपप्रमुख नंद किशोर सिंह, जिला मुखिया संघ अध्यक्ष अजय कुमार राय, बीपीआरओ कृष्ण नारायण प्रसाद, मुखिया शंकर राय, सुरेश दास, प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष पिंकी राय आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राममूर्ति चौधरी, मिथिलेश कुमार, पंकज कुमार, प्रेम प्रकाश, धर्मनाथ शर्मा, रविभूषण कुमार, अविनाश कुमार, राजीव कुमार, मिथिलेश शर्मा, संजय शर्मा, रमन कुमार उर्फ बिट्टू, प्रकाश चंद्रा, विजय शर्मा आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दो दिनो के बाद फिर बढने लगी गर्मी, आज पारा हुआ 39 डिग्री के पार

मुजफ्फरपुर। दो दिनों की राहत के बाद आज गर्मी फिर परवान पर पहुंच गई जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र डॉ० राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जारी आज के मौसम के बारे में बताया गया है कि आज का अधिकतम तापमान :39.4 डिग्री सूल्सियस पहुंच गया जो सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसीतरह आज कान्यूनतम तापमान :18.5 डिग्री सेल्सियस रेकार्ड किया गया है जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम है। आज सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 76 प्रतिशत और दोपहर बाद 19 प्रतिशत रही। वाष्पोत्सर्जन 7.4 मि0 मी0 एवं पछाया हवा की गति 11.4 किमी प्रतिघंटा रही।

स्टेशन कैंटन धाम से मनाई गई बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती

गया। स्टेशन प्रांगण मे धूमधाम से मनी बाबा साहेब डा0 भीम राव अम्बेदकर की 131 जयंती । ऑल इंडिया एस.सी / एस टी रेलवे एम्पलाई ऐसोसिएशन गया ब्रांच के तरफ से भारत रत्न ,संविधान निमार्ता बोधिसत्व बाबा साहेब भीम राव अम्बेदकर की 131वी जयंती का आयोजन किया गया जिसमे हजारो रेल कर्मचारी सहित समाज के प्रबुद्ध लोगो ने भाग लिया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे जोनल अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप, मंडल सचिव अनील कुमार सहित गया के महापौर गणेश पासवान, उप मेयर मोहन श्रीवास्तव मखदुमपुर विधायक सतीश दास,पूर्व विधायक सुबेदार दास सहित गया ब्रांच से उदय आजाद ,शाखा सचिव गणेश रजक,कोषाध्यक्ष देव्रेंद पासवान, कार्य लय सचिव सह उप स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार पासवान, स्टेशन प्रबंधक सुधीर कुमार, एईन गया जितेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, शशिकांत भारती ,पी डबलू आई गजराज सिंह आदि ने भाग लिया क्रायक्रम मे सभी रेल कर्मचारीयो बाबा साहेब के बताये गये मार्ग पे चलने का प्रण लिया जिसमे सभी को शक्षा,समतामूलक समाज और मानवता के प्रति अपने उतरदायित्व का निर्वहन करने का संकल्प लिया ,मेयर ,उपमेयर और रेलवे के सभी पदाधीकारीयो ने इस कार्यक्रम मे एक सुर से इस बात पर जोर दिया की बिना शिक्षा के कोई भी जीवन के मूल उद्देश्य को नही समझ पायेगा ।

बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती मनाई गई

गया, प्रात : किरण संवाददाता

रसलपुर स्थित सूर्य मंदिर पर आजादी के अमृत महोत्सव सह बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव दिवस मनाया गया। इसी निमित उच्च विद्यालय चाकंद में विद्यार्थियों के बीच पूर्व में भारत को जानो सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें 277 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। संबंधित प्रतियोगिता का परिणाम प्रकाशित करते हुए सफल विद्यार्थियों के बीच बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर मेधा सम्मान दिया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ भारत माता और वीर कुंवर सिंह के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर नंदकिशोर गुप्ता, श्री वेंकटेश कुमार डेवलपमेंट ऑफिसर एलआईसी बिहार वन, मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता डॉ रश्मि प्रियदर्शनी गौतम बुद्ध महिला कॉलेज से उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के उपरांत कार्यक्रम अध्यक्ष श्री परशुराम सिंह एवं श्री विनय सिंह के द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथि के रूप में उपस्थित श्री काशी यादव जी के द्वारा कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डाला। जिसके बाद श्री वेंकटेश कुमार के द्वारा उपस्थित उत्साही विद्यार्थियों और ग्रामवासियों के बीच उद्बोधन और योग ध्यान कराते हुए उनके बीच इस कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया गया । जिसके बाद मुख्य वक्ता के रूप में आए डॉ रश्मि प्रदर्शनी ने आजादी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए और वीर कुंवर सिंह के जीवन संघर्ष के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आजादी बहुत ही अनमोल है। इसके पीछे सहस्त्र वीर वीरांगनाओं की संघर्ष गाथा छुपी हुई है जिसे आज के विद्यार्थियों युवाओं को जानना और समझना बहुत ही आवश्यक है। आजादी के लिए कितने ही माताओं ने अपने बेटे खोए,बहुत सी महिलाओं की मांगे सुनी हो गई, लाखों बहनों ने अपने भाई खो दिए। आजादी के लिए कितने ही वीर वीरांगनाओं ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया। इसके महत्व को समझते हुएआज की युवा पीढ़ी अपने आप को देश के लिए सबल और सशक्त बनाए। इसके उपरांत भारत को जानो प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया जिसमे कुमकुम कुमारी को प्रथम, कुंदन कुमार एवम स्नेहा राज को संयुक्त रूप से द्वितीय और चंदन कुमार एवम विवेक कुमार को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा दस अन्य छात्रों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

अगलगी पीड़ितों को दी गई सहायता राशि

औरंगाबाद, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी औरंगाबाद द्वारा ओबरा प्रखंड के सरसौली पंचायत के महथु गांव में पिछले दिनों अगलगी की घटना घटी थी। जिसमें 11 लोगों का घर जलकर राख हो गया था। इसकी सूचना रेड क्रॉस के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह को मिली तो उन्होंने रेड क्रॉस की ओर से सचिव दीपक कुमार को जरूरतमंद लोगों के बीच राहत सामग्री मुहैया कराने को कहा। रेड क्रॉस की टीम महथु गाँव पहुंचकर आग लगी पीड़ितों को राहत सामग्री दिया। जिन व्यक्तियों का मकान जल गया था उनका नाम विदेशी भुइयां, तेतर भुइयां, गुड्डू भुईयां, रमेश भुइयां राजेश भुइया, सुकेश , दशरथ , सरोज भुइया, अशोक राम, राजेश राम, सत्येंद्र भुइया के मकान जल गए । सभी लोगों को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से रेड क्रॉस के सचिव दीपक कुमार ने कपड़ा, बर्तन, अनाज, बाल्टी, तिरपाल, हाइजेनिक किट शहीत जीवन जीने की सभी जरूरत की सामग्री दिया ताकि यह सही तरीके से अपना जीवन यापन कर सकें। सचिव दीपक कुमार

ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था पीड़ित मानवता की सेवा के लिए तत्पर था, है और रहेगा जहां भी अगलगी की सूचना मिलती है हर संभव प्रयास होता है कि उनको मदद किया जाए और किया जा रहा है। गर्मी की स्थिति में काफी अगलगी की घटना हो रही है। जिससे रेड क्रॉस की ओर से सहायता दिया जा रहा है हर संभव प्रयास होता है कि कोई भी पीड़ित ना रहे सचिव दीपक कुमार ने कहा कि रेड क्रॉस की पूरी टीम जिले में कहीं भी कोई घटना घटेगी तो पूरी तत्परता से सक्रिय होकर कार्य करेगा। और लोगों की मदद करेगा। पीड़ित मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है इस परिस्थिति में सहायता दुखती रग पर मरहम लगाने का प्रयास है। इस अवसर पर ओबरा प्रखंड के उप प्रमुख मनीष कुमार ने कहा कि रेड क्रॉस के द्वारा दिए गए यह राहत सामग्री इनके लिए अमृत के समान है इनकी पीड़ा को कम करने में बहुत ही लाभकारी होगा रेड क्रॉस के इस नेक कार्य की जितनी प्रशंसा की जाए कम है इस अवसर पर वार्ड पार्षद शुभम कुमार रेड क्रॉस के अकाउंटेंट विकास कुमार गुड्डू कुमार मुकुल कुमार उपस्थित रहे।

विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

गया, प्रात : किरण संवाददाता

गस्त व अपराधिक निगरानी के क्रम में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गया के उपनिरीक्षक जावेद एकबाल साथ टास्क टीम गया एवं अपराध आसूचना शाखा टीम गया के द्वारा गया रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या एक पर समय 1:00 बजे आई गाड़ी संख्या 13307वढ (गंगा-सतलज एक्सप्रेस) के कोच संख्या र2 से एक व्यक्ति को भारी काला पिट्ठू बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में उतरकर तेजी से दिल्ली छोड़ स्थित ओवर ब्रिज पर चढ़कर बाहर जाते हुए देखा गया संदेह होने का पीछा करने पर वह तेजी से बाहर की तरफ निकलने लगा, उसके हावभाव को देखते हुए उसे आवाज देकर रुकने के लिए बोला गया तो वह दौर कर भागने लगा जिसे गया रेलवे स्टेशन पार्सल ऑफिस के सामने सड़क पर घेर कर पकड़ा गया पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पवन कुमार उम्र 23 वर्ष पिता गंगा प्रसाद पता काशीपुरम थाना शेखपुरा जिला शेखपुरा बिहार बताया तथा उसने बताया कि वह उक्त गाड़ी से धनबाद से गया आया है जिसका पीएनआर नंबर

6601806802 तथा उसके कब्जे के काले रंग के पिट्ठू बैग को उपस्थित गवाहों के समक्ष तलाशी लेने पर उसमें से 10 अदद अंग्रेजी शराब ₹रॉयल स्टैगर₹ प्रत्येक 750' तथा 02 अदद अंग्रेजी शराब ₹सिग्नेचर₹ प्रत्येक 750' कुल 12 अदद अंग्रेजी शराब (कुल 9 लीटर) बरामद किया गया जिसका कुल मूल्य 9500 मौके पर जब्ती सूची तैयार करते हुए जप्त किया गया तथा उपरोक्त व्यक्ति को अपराध बताते हुए गिरफ्तार कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु जीआरपी गया को लिखित शिकायत पत्र के साथ सुपुर्द किया गया जिसके आधार पर जीआरपी गया में अपराध संख्या 184/22 दिनांक 24.04.2022 अंतर्गत धारा 30 बिहार मद निषेध (संशोधित) अधिनियम 2018 दर्ज किया गया

पुनपुन नदी घाट से मिला युवक का शव, फैली सनसनी

पालीगंज। जानकारी के अनुसार सिगोड़ी थाना क्षेत्र के बहादुरगंज गांव स्थित पुनपुन नदी घाट पर रविवार को ग्रामीणों ने एक शव को देखा। जिसकी सूचना फैलते ही आसपास के इलाके में सनसनी फैल गया। वही धीरे धीरे मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वही शव मिलने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिगोड़ी थाने की पुलिस शव को कब्जे में ले लिया व कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए पालीगंज अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। वही शव की पहचान सिगोड़ी थाना क्षेत्र के कोदहरी गांव निवासी अरबिंद प्रसाद के 25 वर्षीय पुत्र चन्दन कुमार उर्फ ब्यास के रूप में हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में सिगोड़ी पुलिस ने बताया कि फिलहाल शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वही अभीतक इसकी प्राथमिकी दर्ज नही कराई गई है। जबकि मामले की जांच किया जा रहा है। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार व्यास कुमार अपने चाचा अरुण महतो के यहां मुंशी का काम किया करता था जो तीन दिनों पूर्व ही घर से लापता था।

एयरटेल टावर कर्मी की गोली मारकर अपराधियों ने की हत्या

औरंगाबाद, प्रात : किरण संवाददाता

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के यारी गांव के समीप बंधार में एक 42 वर्षीय युवक की हत्या कर फेंकी गई लाश को पुलिस ने बरामद किया है। मृतक की पहचान गया जिला के कोंच निवासी प्रवीण कुमार उर्फ कमानी के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक पिछले 20 वर्ष से औरंगाबाद एयरटेल टावर में काम करता था और और टावर के कार्य में लगे सभी वाहनों में डीजल देने का काम करता था। रविवार की सुबह लगभग 3 बजे वह यारी रोड के समीप कार्य में लगे एक पोकलेन में तेल देने के लिए अपने एक सहयोगी देव के भंडारी निवासी उपेंद्र यादव के साथ आ रहा था। तभी पीछे से पीछा करती आ रही एक स्कॉर्पियो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक से दोनों गिर पड़े। इसी दौरान स्कॉर्पियो से उतरे हथियारबंद लोगों ने प्रवीण को गोली मार दी और भाग निकले।घटना

के बाद परिजनों एवं पुलिस को स्थानीय लोगों के द्वारा इस वारदात की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे मुफस्सिल थानाध्यक्ष राजेश कुमार, देव थाना अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय पूरे मामलें की जांच में जुट चुके हैं। घटनास्थल पर पहुंचते ही जैसे ही पुलिस शव को कब्जे में लेने की कोशिश की परिजनों ने इसका विरोध किया और वरीय अधिकारी तथा डॉग स्क्वाड की टीम को बुलाने की मांग की।घटना की सूचना मिलते हैं एसडीपीओ गौतम शरण ओमी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और साथ रहे उपेंद्र यादव से पूछ-ताछ की। एसडीपीओ के समक्ष उपेंद्र ने बताया कि मृतक शेरघाटी से औरंगाबाद के लिए चला था और आमस में वह उसके साथ हो लिया। जैसे ही यारी रोड में बाजार के समीप उनकी बाइक पहुंची पीछे से स्कार्पियो ने धक्का मार दी। जिसके बाद वह जान बचाकर भाग खड़ा हुआ। इसी दौरान स्कार्पियो से उतरे लोगों ने उसकी हत्या कर दी। उपेंद्र ने बताया कि 4 दिन पूर्व भी एक स्कार्पियो द्वारा मृतक का पीछा किया गया था। इधर इस मामले में उपेंद्र यादव को विशेष पूछताछ के लिए थाने पर लाया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है और डॉग स्क्वाड तथा एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े हर बिंदु पर जांच की जाएगी और घटना को अंजाम देने वाले कोई भी हो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

मजदूर वर्ग की मुक्ति के संघर्ष को पूरा करने का लिया संकल्प

मुजफ्फरपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मजदूर वर्ग की क्रांतिकारी पार्टी एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) के 74 वें स्थापना वर्षगांठ पर आज मोतीझील स्थित जिला कार्यालय परिसर में पार्टी के जिला सचिव अर्जुन कुमार ने पार्टी के लाल झंडा को फहराया। एसयूसीआई(कम्युनिस्ट)के संस्थापक शिवदास घोष के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया गया। तत्पश्चात उपस्थित साथियों को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला सचिव अर्जुन कुमार ने कहा कि आज 24 अप्रैल एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) पार्टी का स्थापना दिवस है। यह दिन महान मार्क्सवाद लेनिनवाद कामरेड शिवदास घोष चिंतन धारा के आलोक में भारत में पूंजीवाद विरोधी समाजवादी क्रांति को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए आगे बढ़ने का आह्वान करता है। यह ऐतिहासिक दिन एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के क्रांतिकारी लाल झंडे के बैनर तले नवजागरण के मनीषियों आजादी आंदोलन के क्रांतिकारियों के अधूरे सपने तथा मजदूर वर्ग की मुक्ति का सपना पूरा करने के लिए क्रांतिकारी आंदोलन को और तेज और शक्तिशाली करने की मांग करता है। इस मौके पर इदरीश खान ,अरविंद कुमार, आशुतोष कुमार, प्रेम कुमार ठाकुर , शिवकुमार, कंचन कुमारी, मुन्ना कुमार,सिंधु कुमारी, विक्की कुमार, दीपक कुमार ,पीहू उपस्थित थे। आज के कार्यक्रम को समापन करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के नगर सचिव अरविंद कुमार ने पार्टी के 74 वें स्थापना वर्षगांठ के मौके पर 30 अप्रैल 2022 को आम्रपाली ऑडोटोरियम मुजफ्फरपुर में हो रहे जनसभा को सफल बनाने का आह्वान किया।

संत निरंकारी सत्संग भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन

गया। दुबहल स्थित हरदेव नगर में संत निरंकारी सत्संग भवन में संत निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस पर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।मानवता को यह संदेश दिया कि रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए। संत निरंकारी मिशन के सेवादार इस संदेश को चरितार्थ करते हुए दिन रात मानवमात्र की सेवा में तत्पर है। विशेष रूप में कोरोना महामारी की विषम परिस्थिति में भी जनकल्याण के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवाएं की जा रही है जो निरंतर जारी है। सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। इस मौके पर भारतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ डीके सहाय ने बताया कि संत निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस मनाया जा रहा है। लगभग 290 यूनिट रक्तदान किया। इस मौके पर भारतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ डीके सहाय सचिव यूएस अरुण पूर्व अध्यक्ष रामसेवक प्रसाद सिंह, मुकेश कुमार सहित संत निरंकारी मंडल के स्वयंसेवक मौजूद थे।

हाजीपुर के बाइक एजेंसी एवं गन हाउस के संचालक ने गोली मारकर की ली खुदकुशी

हाजीपुर, प्रात : किरण संवाददाता :

अपनी ही लाइसेंसी राइफल से हाजीपुर स्थित रोहित हीरो एजेंसी के मालिक के छोटे भाई एवं आदित्य गन हाउस के संचालक दिग्विजय कुमार उर्फ गुड्डू सिंह ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सोनपुर अंग्रेजी बाजार स्थित उनके घर में गोली की आवाज सुनते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घर के लोग जब उनके कमरे की ओर दौड़े तो उनका लहुलुहान स्थिति में पड़ा शव को देखकर परिवार में कोहराम मच गया। गोली कनपटी में लगने से उनका चेहरा विकृत हो गया था। देखते ही देखते वहां आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही एएसपी अंजनी कुमार मौके पर पहुंच गए और पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

सोनपुर एएसपी ने बताया कि

संभवतः मृतक भारी तनाव में थे। गत 11 अप्रैल को उनकी पत्नी ने उनके गुमशुदगी का आवेदन थाने में दिया था। एक हफ्ते पहले वह वापस घर लौट गए थे। एएसपी ने बताया कि कोर्ट में दिए बयान में उन्होंने स्वेच्छा से देवघर जाने की बात कही थी। अचानक रविवार को सोनपुर के अंग्रेजी बाजार स्थित घर के कमरे उन्होंने अपनी लाइसेंसी 315 बोर राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में लगभग 30 वर्षीय दिग्विजय सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं सोनपुर हरिहर नाथ ओपी एएसआई रंगलाल तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर ले जाया गया। मृतक अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। वह हाजीपुर पासवान चौक पर आदित्य गन हाउस चलाते थे। उसी के बगल में वह तीनों भाई मिलकर रोहित हीरो एजेंसी भी चलाते थे। घटना के बाद उनके परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। लगभग 2 साल पहले सोनपुर-छपरा नेशनल हाईवे पर उनके इकलौते पुत्र की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। हालांकि गोली की घटना के संदर्भ में अभी तक थाने में कोई आवेदन नहीं दिया गया है, लेकिन पुलिस छानबीन में जुट गई है। घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं।

राष्ट्रकवि दिनकर की 48 वीं पुण्यतिथि पर विशेष

मुजफ्फरपुर ,प्रात : किरण संवाददाता

जी हां, विद्रोही कवि रामधारी सिंह दिनकर ! हालाकि मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण पर टिकी इस पूंजीवादी व्यवस्था के संचालक, आधुनिक राष्ट्रवादियों को दिनकर जी के प्रति मेरा यह संबोधन नागवार लग सकता है लेकिन कवि के इस विशेषण की सार्थकता स्वयं उन्हीं की पंक्तियां-प्रतिपादित करती हैं 'शांति नहीं तबतक, जबतक सुख भाग न नर का सम हो / नहीं किसी को बहुत अधिक हो, नहीं किसी को कम हो।' वर्गविभाजित समाज में स्थाई शांति की स्थापना तबतक सम्भव नहीं है, जबतक आर्थिक समानता नहीं कायम हो जाती। दिनकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से पूर्व विद्रोही कवि के रूप मे शुमार किए जाते रहे। आजादी के बाद वे राष्ट्रकवि कहलाए। उनकी कविताओं मे ओज है, विद्रोह का स्वर है और है क्रांति का आह्वान। वैसे तो उनकी कई रचनाएं श्रृंगारपरक भी हैं। उनकी प्रमुख कृति उर्वशी को ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिल चुका है। जबकि कुरुक्षेत्र को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 100 काव्यों मे 74 वां स्थान मिला हुआ है। ऊपर मै दिनकर जी की जिन बहुपठित,बहुउद्धत पंक्तियों का उल्लेख किया हूं ,उसका सम्बंध समतामूलक समाज के निर्माण से जुडा हुआ है। एक ऐसी आर्थिक समानता की स्थापना जो विश्वबंधुत्व की परिकल्पना को साकार कर सके वसुधैव कुटुम्बक सवाल यहा यह भी है कि ' साम्य की वह रश्मि कब फूटेगी? आज पूंजीवाद साम्राज्यवाद ने आदमी को आदमी बने रहने की प्रक्रिया पर अघोषित रोक लगा रखा है। मनुष्य अब जानवर से भी बदतर आचरण करने लगा है।पूंजीवाद से सीधा तात्पर्य है पैसे का राज। मुनाफे, ,सिर्फ मुनाफे के लिए उत्पादन। जीवन के हर क्षेत्र में पैसे की भूमिका इंसान को हैवान बनाने पर तुली हुई है। इंसान का गला घोंट कर भी यदि पैसा कमाया जा सके तो बेशक कमाया जाए ।

राहगीर का अपहरण कर हत्या का प्रयास, स्थानीय लोगों को देख भागे अपराधी

मुजफ्फरपुर ,प्रात : किरण संवाददाता

जिले के मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौत विशुनपुर जयनारायण गांव स्थित चौड़ में दिनदहाड़े चार अपराधियों ने एक युवक को निर्वस्त्र कर धारदार हथियार के नोक पर पेटिएम के माध्यम से पचास हजार रुपए की मांग कर हत्या की कोशिश कर रहा था।.इस बीच दूर बैठी बकरियां चरा रही महिलाओं की नजर उक्त युवक और अपराधियों पर पड़ी।अपनी बकरियां छोड़ आनन फानन में एक महिला ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दिया.महिला की जानकारी पर गांव के दर्जनों महिला -पुरुष ग्रामीण अपने जनप्रतिंनिधियों को इस घटना से अवगत कराते हुए घटनास्थल पहुंचने लगे.इधर ग्रामीणों की शोर और भारी भीड़ अपनी ओर आते देख चारो अपराधी वारदात की जगह से नौ - दो ग्यारह हो गए.सूचना

पर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि कलीकांत झा ने इसकी सूचना पुलिस को देते हुए उक्त युवक से घटना के बारे में पूछताछ की।. युवक की पहचान समस्तीपुर जिला अंतर्गत मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बिएलौथ गांव निवासी मो. मरहुन अब्दुलगनी के पुत्र मो.सदाब के रूप में हुई है। .पीड़ित मो.सदाब ने ग्रामीणों के बीच बताया कि वह अपने गांव से सुबह के करीब सात बजे रेलवे टिकट बनाने के लिए मुजफ्फरपुर के लिए पब्लिक बस पकड़ा था.रास्ते में गांव के ही एक साथ काम करने वाले साथी दुलारे का फोन आया कि मुझे भी टिकट बनाना है एक साथ टिकट रहेगी तो रेलगाड़ी में सफर मे सुविधा होगी. उसने उससे कहा कि सकरा के आगे मारकन चौक है वही उतरकर इतजार करो। पीडित. मारकन चौक उतरकर अपने आनेवाले साथी का इंतजार करने लगा। इसी बीच चाय की दुकान से निकले चार अपराधियो ने उससे पूछा कि मेरा बकाया पैसा कब दोगे : इसपर उसने उनसे कहा कि भैया आपको तो मैं जानता तक नही हू और आप पैसे लेने की बात कर रहे ह ?अपराधियो ने उधारी पैसे की बात कहते हुए जबरन उसको बाइक पर बैठाकर सुनसान चौड़ में ले गये और पहने हुए सभी कपड़े उतरकर मारपीट करने लगे। उसका मोबाइल छीनकर परिजनो से पेटीएम पर पचास हजार रुपए मंगवानेपर जोर देने लगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त खबरें

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए छह कार्यसमूह गठित

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और बही-खातों को मजबूत करने से जुड़े सुझाव देने के लिए बनाए गए छह कार्यसमूहों से इस साल दिसंबर तक अपनी-अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के शीर्ष अधिकारियों की बैठक ह्यमंथन 2022ह्न में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। गत 22 अप्रैल को हुई इस बैठक में मौजूद रहे एक अधिकारी ने बताया कि ये छह कार्यसमूह पीएसबी की कार्यप्रणाली पर ध्यान देंगे और ग्राहक सेवा, डिजिटलीकरण, मानव संसाधन प्रोत्साहन, कॉरपोरेट शासन और सहयोग को बेहतर बनाने के तरीके सुझाएंगे। बैठक में शामिल हुए वित्तीय सेवाओं के सचिव संजय मल्होत्रा ने हाल में बैंकों से कहा कि वे दीर्घकालिक मुनाफे के लिए रणनीति तैयार करें और ग्राहकों के अनुरूप तौर-तरीके अपनाएं। इस बैंक अधिकारी ने बैठक का ब्योरा देते हुए कहा कि ये कार्यसमूह इस साल के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकते हैं।

एफपीआई ने अप्रैल में अबतक शेयर बाजारों से 12,286 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी की आशंका के बीच विदेशी निवेशकों ने इस महीने अबतक भारतीय बाजारों से 12,300 करोड़ रुपये निकाले हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना, रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, घरेलू मोर्चे पर ऊंची मुद्रास्फीति की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश प्रवाह दबाव में रहेगा। एफपीआई ने मार्च, 2022 तक भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छह महीने तक बिकवाली की थी। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों से 1.48 लाख करोड़ रुपये निकाले थे।

ओएनजीसी ने मुंबई हाई से तेल, गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए दो परियोनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने तेल क्षेत्र मुंबई हाई फील्ड्स से अतिरिक्त 75 लाख टन तेल उत्पादन और एक अरब घन मीटर (बीसीएम) गैस उत्पादन के लिए 6,000 करोड़ रुपये की लागत से दो परियोजनाएं शुरू की हैं। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि मुंबई हाई साउथ रिडेवलपमेंट फेज-4 के हिस्से के रूप में 3,740 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक 8- लेग्ड वॉटर इंजेक्शन कम लिविंग क्वार्टर मंच बनाया गया है जबकि 2,292.46 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई हाई में ह्यक्लस्टर-8 मार्जिनल फील्ड डेवलपमेंट परियोजना पूरी की गई। इस बयान के मुताबिक, इन दोनों परियोजनाओं से 75 लाख टन तेल और एक अरब घन मीटर गैस का अतिरिक्त उत्पादन होगा।

रियल्टी सेक्टर में सतत मांग से बाजार धारणा मजबूत : हीरानंदानी

नई दिल्ली, एजेंसी

नाइट फ्रैंक और नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के सर्वेक्षण के अनुसार, रियल एस्टेट सेक्टर के हितधारकों की धारणा मजबूत बनी हुई है। यह बाजार धारणा घर खरीदारों की सतत मांग, कम ब्याज दर और निवेशकों के दम पर मजबूत बनी हुई है।

नारेडको के उपाध्यक्ष और हीरानंदानी समूह के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी ने कहा, मौजूदा परिदृश्य एक सकारात्मक दृटिकोण देता है लेकिन वैश्विक अस्थिरता और घरेलू प्रतिकूलताओं के मद्देनजर हितधारक भविष्य मेंसतर्क रूख अपनायेंगे।

उन्होंने कहा, बाजार के सामने मुख्य चुनौतियां यह हैं कि कच्चे माल की बढ़ती कीमत से लागत मूल्य में वृद्धि हुई है, कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के बीच हैं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में वृद्धि करने का अनुमान है, भू-राजनीतिक परिदृश्य उथल-पुथल से भरा है, स्टाम्प शुल्क की माफी वापस ले ली गयी है और इसके साथ ही अतिरिक्त एक प्रतिशत मेट्रो उपकर लगा है। नाइट फ्रैं क और नारडेको के सर्वेक्षण रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स पहली तिमाही 2022 के अनुसार, रियल एस्टेट सेक्टर में धारणा आशावादी बनी हुई है। सर्वेक्षण के मुताबिक अधिकांश हितधारकों ने पिछले छह माह के दौरान अपने क्षेत्र में सकारात्मक विकास अनुभव किया है। इस क्षेत्र में भविष्य की धारणा भी मजबूत बनी हुई है।

सभी प्रकार की परिसंपत्तियों में मांग बने रहने के अनुमान और आर्थिक परिदृश्य से भविष्य की धारणा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कोरोना संबंधी प्रतिबंधों के हटाने से भी धारणा को मजबूती मिली है। कोरोना की तीसरी लहर से अच्छी तरह निकलने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था पर इन दिनों यूरोप में जारी युद्ध की अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। इन सबके बीच रियल एस्टेट सेक्टर की विकास गति बेरोकटोक रही, विशेष रूप से आवासीय श्रेणी में।

कोरोना संक्रमण के तीसरी लहर के बाद रियल एस्टेट के कमर्शियल क्षेत्र में तेजी देखी गयी। पिछली दो तिमाहियों में भी इस क्षेत्र की धारणायें मजबूत रहीं थीं। सर्वेक्षण के दौरान भारत के आर्थिक परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर 85 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अगले छह महीनों में समग्र आर्थिक गति में सुधार की उम्मीद की।

ऋण उपलब्धता परिदृश्य के संदर्भ में, 66 प्रतिशत प्रतिभागियों को उम्मीद है कि अगले छह महीनों में धन की उपलब्धता में वृद्धि होगी जबकि 29 प्रतिशत ने इस अवधि के दौरान समान उपलब्धता रहने की बात की।

मुद्रा को स्थिर करने के लिए श्रीलंका विदेशी निवेशकों की कर रहा तलाश

कोलंबो। श्रीलंका ऐसे निवेशकों की तलाश में है, जो केंद्रीय बैंक में 2 अरब डॉलर से अधिक की रकम ला सके। वित्त मंत्री अली साबरी ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, साबरी ने कहा कि अगले कुछ महीने श्रीलंकाई लोगों के लिए मुश्किल भरे होंगे। उन्होंने कहा, श्रीलंका के केंद्रीय बैंक में अमेरिकी डॉलर में निवेश आकर्षित करने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द फंड हासिल करने के लिए कई देशों से बात कर रही है। उन्होंने कहा, अगर वह प्रयास सफल होता है और पैसा केंद्रीय बैंक में आता है, तो यह मूल्यह्रास को रोकने और रुपये को स्थिर करने में मदद करेगा।

वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, एजेंसी

अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के संकेत एवं ऊंचे भाव पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब दो प्रतिशत की गिरावट झेल चुके घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह वैश्विक रुख एवं कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1141.78 अंक यानी 1.96 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 57197.15 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 303.7 अंक लुढ़ककर 17171.95 अंक पर आ गया।

इसी तरह बीएसई की बड़ी कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों पर भी बिकवाली हावी रही। मिडकैप 286.88 अंक टूटकर 24698.37 अंक और स्मॉलकैप 273.62 अंक फिसलकर 29247.98 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक संकेत, वायदा सौदा निपटान और समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनियों के परिणाम बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे। कमजोर वैश्विक संकेतों, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के निराशाजनक तिमाही परिणाम की वजह से बीते सप्ताह इक्विटी बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही। अगले सप्ताह बाजार पर अप्रैल का वायदा सौदा निपटान और कंपनियों की चौथी तिमाही की आय के साथ वैश्विक संकेत हावी हो सकते हैं। बाजार पर सोमवार को आईसीआईसीआई बैंक के परिणाम का असर देखा जा सकेगा। वहीं, अगले सप्ताह बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज ऑटो, एचयूएल, अंबुजा सीमेंट, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, वेदांत, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के परिणाम जारी होने वाले हैं, जिसका असर बाजार पर रहेगा।

उनका कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं और अमेरिका में ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की चिंताओं के बीच उनका व्यवहार महत्वपूर्ण होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है जबकि कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की नजर रहेगी।

सोना 749 और चांदी में 2911 रुपये की बड़ी साप्ताहिक गिरावट

मुंबई, एजेंसी

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व के मई से ब्याज दरों में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के संकेत से डॉलर में आई तेजी के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट आने से बीते सप्ताह घरेलू सराफा बाजार में सोना 749 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 2911 रुपये प्रति किलोग्राम लुढ़क गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 34.3 डॉलर प्रति औंस टूटकर सप्ताहांत पर 1943.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 37.7 डॉलर प्रति औंस कमजोर होकर 1939.30 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 1.39 डॉलर प्रति औंस उतरकर 24.30 डॉलर प्रति औंस रही।

बीते सप्ताह विदेशी बाजार की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा। सप्ताहांत पर सोना 749 रुपये का गोता लगाकर 52322 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया।

वहीं, सोना मिनी 568 रुपये की गिरावट लेकर 52317 रुपये प्रति दस ग्राम रही। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 2911 रुपये सस्ती होकर 66480 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 2808 रुपये कमजोर होकर सप्ताहांत पर 66650 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

भारत में महंगी लग्जरी कारों की मांग में उछाल आपूर्ति संकट से इंतजार अवधि बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में मर्सिडीज बेंज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कार कंपनियों के महंगे मॉडलों की मांग बढ़ रही है। इसके चलते आपूर्ति दिक्कतों की वजह से ऐसे मॉडलों के लिए इंतजार की अवधि (वेटिंग पीरियड) बढ़ गई है। इन कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, पिछले कुछ माह या मैं कहूंगा कि पिछले साल से सी और डी खंड यानी 70 से 75 लाख रुपये की गाड़ियों की मांग बढ़ी है। इसमें वृद्धि मात्रा वाले खंड से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसी कारें खरीदने में सक्षम हैं मसलन उद्योगपति, खिलाड़ी और बॉलीवुड की हस्तियां, वे आगे आ रहे हैं और लग्जरी उत्पाद खरीद रहे हैं। ऑडी इलेक्ट्रिक ई-ट्रॉन का उदाहरण देते हुए ढिल्लों ने कहा

● ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, पिछले कुछ माह या मैं कहूंगा कि पिछले साल से सी और डी खंड यानी 70 से 75 लाख रुपये की गाड़ियों की मांग बढ़ी है।

कि हम इस कार को एक करोड़ रुपये से अधिक दाम में बेच रहे हैं। भारत आने से पहले ही ये कारें पूरी तरह बिक जाती हैं। उन्होंने कहा कि इन कारों की इंतजार की अवधि आपूर्ति अड़चनों की वजह से बढ़ी है। पहले इनके लिए इंतजार की अवधि एक से दो माह होती थी, जो अब बढ़कर चार से छह महीने हो गई है। इसी तरह की राय जताते हुए मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक ने कहा, दुर्भाग्य की बात है कि कुछ कारों को हम ग्राहकों को महीनों बाद आपूर्ति कर पाते हैं। विशेषरूप से जीएलएस और जीएलई (एसयूवी) इसमें आती हैं। इन कारों के साथ सिर्फ आपूर्ति पक्ष की दिक्कत ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इनकी मांग भी काफी ऊंची है। ऐसे में हमें प्राथमिकता तय करनी पड़ती है।

वर्ष 2022 की पहली तिमाही में कंपनी के पास 4,000 से अधिक इकाइयों का ऑर्डर था। मर्सिडीज बेंज इंडिया ने 2021 में भारत में एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 2,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री की। इनमें एस-क्लास मेबैक, जीएलएस मेबैक और टॉप-एंड एएमजी शामिल हैं। कंपनी की कुल सालाना बिक्री में 30 प्रतिशत हिस्सा एस-क्लास और जीएलएस एसयूवी का है। एक अन्य लग्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू को भी कुछ इसी तरह रुझान देखने को मिल रहा है। इसके महंगे मॉडलों की मांग बढ़ी है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने कहा, एसएवी (स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल) खंड में हमारी स्थिति काफी मजबूत है। इसके एक्स3, एक्स4 और एक्स7 मॉडलों की मांग काफी ऊंची है। इस खंड में हमारी वृद्धि 40 प्रतिशत है। हमारी कुल पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है। बीएमडब्ल्यू इंडिया के एसएवी खंड के वाहनों का दाम 61 लाख रुपये से अधिक है। इस खंड की बिक्री पहली तिमाही में 1,345 इकाई रही है, जो करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया की 1,441 इकाइयों को बाजार से वापस लेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने इलेक्ट्रिक दोपहिया की 1,441 इकाइयों को बाजार से वापस लेने का फैसला किया है। हाल में इलेक्ट्रिक दोपहिया में आग लगने की घटना के मद्देनजर कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी ने बयान में कहा कि वह पुणे में 26 मार्च को इलेक्ट्रिक दोपहिया में आग लगने की घटना की जांच कर रही है। शुरूआती जांच से पता चलता है कि यह इस तरह का एकमात्र मामला है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सुरक्षा उपाय के तहत वह इस खेप के 1,441 इलेक्ट्रिक वाहनों को बाजार से वापस ले रही है और वह इन स्कूटरों की जांच करेगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, इन स्कूटरों की हमारे इंजीनियर पूरी तरह जांच करेंगे। वे बैटरी प्रणाली, थर्मल प्रणाली से लेकर सुरक्षा प्रणाली सभी की जांच करेंगे। कंपनी ने दावा किया कि उसकी बैटरी प्रणाली पहले से अनुपालन वाली है और इसका एआईएस 156 के लिए परीक्षण हो चुका है। यह भारत के लिए प्रस्तावित नया मानक है।

कामधेनु का अगले वित्त वर्ष तक 22,000 करोड़ रुपये के ब्रांड बिक्री कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

इस्पात क्षेत्र की कंपनी कामधेनु समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 तक अपने इस्पात कारोबार से 22,000 करोड़ रुपये के ब्रांड बिक्री कारोबार का लक्ष्य रखा है। कामधुन समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सतीश अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारे उत्पादों की मांग को देखते हुए हम अगले वित्त वर्ष तक इस्पात खंड में कुल ब्रांड बिक्री कारोबार 22,000 करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद करते हैं।ह्न टीएमटी सरिया बनाने वाली कंपनी कामधेनु इस्पात खंड में फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम करती है। अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी का कुल ब्रांड बिक्री कारोबार 12,000 करोड़ रुपये था। अब वित्त वर्ष 2023-24 तक समूह का लक्ष्य 22,000 करोड़ रुपये का बिक्री कारोबार हासिल करना है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे में सरकारी खर्च, सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जन परिवहन, जलमार्ग और रसद बुनियादी ढांचे के विकास पर भी समूह का ध्यान है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से इस्पात की मांग में बढ़ोतरी होगी। इस्पात के अलावा पेंट क्षेत्र में भी सक्रिय कामधेनु समूह के प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में भारत में पेंट उद्योग 18-20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। समूह ने वर्ष 2025-26 तक पेंट कारोबार को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये तक ले जाने की योजना बनाई है। फ्रेंचाइजी मॉडल के तहत कंपनी के ओडिशा, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, बिहार, गोवा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टीएमटी विनिर्माण संयंत्र हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कमीतों में करीब दो प्रतिशत की जारी गिरावट की बदौलत घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों आज अठारहवें दिन भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच रविवार को सिंगापुर में अमेरिकी क्रूड 1.97 प्रतिशत गिरकर 101.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 106.65 डॉलर प्रति बैरल पर सपाट रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तले विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार, दाम में टिकाव की वजह से आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं।

अरबिंदो सन फार्मा और जुबिलेंट अमेरिका में वापस ले रहीं अपनी कुछ दवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रमुख दवा कंपनियां अरबिंदो फार्मा, सन फार्मा और जुबिलेंट अमेरिकी बाजार में अपने कुछ उत्पादों को अमेरिकी औषधि नियामक के निदेर्शों के अनुरूप वापस मंगा रही हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की नवीनतम रिपोर्ट आने के बाद इन दवा कंपनियों ने अमेरिकी बाजार में मौजूद अपने कुछ उत्पादों को वापस लेने का फैसला किया है।

इन दवाओं को घोषित उद्देश्यों की पूर्ति में कम प्रभावी पाए जाने के बाद यूएसएफडीए ने वापस लेने को कहा है। अरबिंदो फार्मा सायनोकोबालमिन इंजेक्शन को वापस बुला रही है जिसका इस्तेमाल विटामिन बी12 की कमी के इलाज एवं रोकथाम में किया जाता है। वहीं मुंबई स्थित सन फार्मा आंखों में प्राकृतिक आँसू की मात्रा बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा को वापस बुला रही है।

इसी तरह जुबिलेंट कैडिस्टा एक ऐसी दवा को वापस ले रही है जिसका उपयोग सूजन की विभिन्न स्थितियों के इलाज में किया जाता है। जुबिलेंट कैडिस्टा फार्मास्युटिकल्स, कैडिस्टा होल्डिंग्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है जो कि नोएडा स्थित जुबिलेंट लाइफ साइंसेज का एक अंग है। यूएसएफडीए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अरबिंदो की अमेरिकी इकाई अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सायनोकोबालामिन इंजेक्शन के कम असरदार होने के कारण इसकी 4,33,809 शीशियों को वापस ले रही है।

इसी तरह सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज इंक सेक्वा (साइक्लोस्पोरिन ऑफ्थेल्मिक सॉल्यूशन) के 73,030 बॉक्स वापस ले रही है। यूएसएफडीए के मुताबिक, जुबिलेंट कैडिस्टा फार्मास्युटिकल्स इंक भी मिथाइल-प्रेडनिसोलोन दवा ट की 19,222 बोतलें वापस ले रही है।

एटीएस समूह की कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू, गीतांबर आनंद की मुश्किलें बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा नोएडा स्थित आनंद डिवाइन डेवलपर्स के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया की कार्यवाही शुरू करने के साथ ही गीतांबर आनंद के नेतृत्व वाली एटीएस समूह की कंपनी और घर खरीदारों को अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले महीने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल वेंचर ने एनसीएलटी की नई दिल्ली स्थित पीठ में लगभग 25 करोड़ रुपये के बकाया का दावा करने के लिए याचिका दायर की थी। हालांकि, एनसीएलएटी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल को दो हफ्ते के भीतर एक प्रत्युत्तर दाखिल करने और 11 मई को अगली सुनवाई तक रोक लगाने का निर्देश के बाद कंपनी को थोड़ी राहत मिली है।

दिवालियापन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर के सीएमडी गीतांबर आनंद ने कहा कि हमें आदेश की एक प्रति प्राप्त हुई है और हम इसका अध्ययन कर रहे हैं। हालांकि, विचाराधीन राशि बहुत छोटी राशि है, और संबंधित परियोजना पूरी हो गई है।

उन्होंने कहा कि इसका हमारी अन्य परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस

● गीतांबर आनंद ने कहा कि हमें आदेश की एक प्रति प्राप्त हुई है और हम इसका अध्ययन कर रहे हैं।

बीच, हमने आईसीआईसीआई प्रू के साथ इस विवाद या मामले को पारस्परिक रूप से बंद कर दिया है और जल्द ही एक समझौता दाखिल करेंगे। ये रकम कंपनी को कम लग सकती है, जो राष्ट्रीय राजधानी के बाहर स्थित उल्लेखनीय रियल एस्टेट फर्मों में से एक है। 2016 में, एटीएस ने कुल 1,700 करोड़ रुपये का कारोबार करने का दावा किया। उस चालू वित्त वर्ष के लिए 2,500 करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार है। इसका सकल लाभ कारोबार का 20 फीसदी था। समूह के पास मोहाली, चंडीगढ़, देहरादून और अहमदाबाद में बड़ी संख्या में परियोजनाएं हैं। एटीएस का 2013 में मोहाली में 2,000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट भी था। जब रियल्टी फर्म ने 2018 में तीन महीनों में 1,000 करोड़ रुपये के 975 फ्लैट बेचे थे। एचडीएफसी ने 2011 में नई दिल्ली में उसकी एक परियोजना में 200 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी के पहले के लेन-देन में अप्रभावित या रिपोर्ट नहीं की गई वित्तीय उदासीनता की एक श्रृंखला को ट्रैक किया जा सकता है।

हाल ही में, एटीएस की समूह कंपनियों में से एक, बादाम इंफ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में एलएंडटी फाइनेंस के प्रति 190 करोड़ रुपये की देनदारी के बाहरी निपटान का आरोप लगाने वाली खबरें थीं। दिसंबर 2020 में, कंपनी को जेंडर फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से एक ऋण मामले में, एटीएस इन्फ्रास्ट्रक्च र को ऋण के लिए व्यक्तिगत गारंटर के रूप में दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए एक नोटिस मिला था। एटीएस इंफ्रास्ट्रक्च र लिमिटेड की स्थापना 1998 में गीतांबर आनंद, अश्विनी तलवार और अनिल कुमार साहा ने की थी। 2018 में, एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के संबंध में अनिल कुमार साहा ने आनंद के खिलाफ एक और कानूनी लड़ाई लड़ी।

फैसले में, न्यायमूर्ति मुकंदकम शर्मा द्वारा गठित मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने एटीएस समूह को 31 मई, 2018 से 120 दिनों की अवधि के भीतर साहा को 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ 110 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। एक एयरोनॉटिकल इंजीनियर पहली पीढ़ी के डेवलपर बने, आनंद ने 1989 में 27 साल की उम्र में विश्वास और सद्भावना के साथ अपनी रियल एस्टेट कंपनी शुरू की थी। 2015 में, उन्हें भारत में निजी रियल एस्टेट डेवलपर्स के शीर्ष निकाय, कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

आनंद ने 2013 में निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने से पहले क्रेडाई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। वह 2019 में एक रणनीति के तहत कोविड-19 महामारी के प्रकोप से ठीक पहले, नोएडा में तीन लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए लॉजिक्स ग्रुप के साथ कंपनी जुड़ गई

400 करोड़ रुपये की लागत से परियोजनाओं के माध्यम से समय पर 4,500 अपार्टमेंट देने का लक्ष्य था।

कोविड की तीसरी लहर के बाद कमर्शियल रियल्टी सेक्टर में आई नई जान

नई दिल्ली, एजेंसी

कोविड-19 महामारी के कारण एक विनाशकारी झटके के बाद, रियल एस्टेट क्षेत्र फिर से सक्रिय हो गया है, खासकर कमर्शियल रियल्टी सेक्टर में नई जान आ गई है। स्वास्थ्य संकट के मद्देनजर मार्च 2020 में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने अपने घरों से काम करना शुरू कर दिया था, जिससे कमर्शियल रियल्टी को बड़ा झटका लगा था। बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान के बाद अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने के साथ, कई कर्मचारी अब अपने कार्यालयों में लौट रहे हैं। इसके अलावा, नए ऑफिस स्पेस की भी मांग उभर कर आई है।

गेरा डेवलपमेंट्स के प्रबंध निदेशक रोहित गेरा ने आईएएनएस से कहा, हम कामकाजी आबादी को पूर्व-कोविड व्यवहार में वापस देख रहे हैं, जिसमें ज्यादातर कंपनियां कर्मचारियों को फीजिकल रूप से काम करने के लिए रिपोर्ट करने के लिए कह रही हैं। कुछ कंपनियों ने एक हाइब्रिड मॉडल अपनाया है, और कुछ अब पूरी तरह से फीजिकल हैं। पुणे स्थित मंत्रा प्रॉपर्टीज के सीईओ रोहित गुप्ता ने कहा, हमने पुणे के वाणिज्यिक बाजार में काफी कुछ देखा है। हमने अपने ब्रांड एमबीसी मंत्रा बिजनेस सेंटर के साथ शुरूआत की, जहां हमने बुटीक, क्लासिक बुटीक सहित दो से तीन लाख वर्ग फुट कार्यालयों तक कई परियोजनाएं शुरू कीं। पुणे में यह सामान्य प्रवृत्ति है, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां आबादी के बड़े हिस्से को अवशोषित कर रही हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां इन विशाल संरचनाओं का उपभोग करने वाली होंगी।

चूंकि कर्मचारी और नियोक्ता इतने लंबे अंतराल के बाद कार्यालय जा रहे हैं, इसलिए ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ेगी। काउंटी ग्रुप के निदेशक और भारत के रियल एस्टेट डेवलपर्स संघों का परिसंघ (डब्ल्यू-यूपी) के अध्यक्ष अमित मोदी ने कहा, दुनिया के खुलने के साथ, कमर्शियल रियल्टी स्पेस में निवेशकों की संख्या के साथ-साथ उपभोक्ता के मूवमेंट, दोनों मामले में बहुत सारी एक्टीवीटी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि रिटेल और डाइनिंग में भी बड़े पैमाने पर वापसी हुई है। कार्यालय बाजार में सुधार के परिणामस्वरूप, वर्ष 2022 में हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में मजबूत आपूर्ति और मांग की स्थिति देखने को मिल सकती है। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (एनएआरईडीसीओ) के अध्यक्ष राजन बंदेलकर ने कहा, नौकरी बाजार में सुधार पहले से ही ऑफिस स्पेस की मांग पैदा कर रहा है। इसका मतलब है कि अक्यूपायर और कंपनियां फिर से नई, रिकैलिब्रेटेड हाइब्रिड वर्क पॉलिसी के अनुसार जगह ले रही हैं। एनएआरईडीसीओ केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में स्वायत्त स्व-नियामक निकाय है। रहेजा डेवलपर्स के नयन रहेजा ने कहा, महामारी के समय से रियल एस्टेट क्षेत्र ने शानदार लचीलापन दिखाया है। आरबीआई की नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की संभावना से बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा, हालांकि, बढ़ी हुई वृद्धि के बीच इसका काफी प्रभाव होने की संभावना नहीं है क्योंकि हाल ही में बिकने वाले मजबूत आंकड़े और विभिन्न रियल एस्टेट निवेश वर्गों की बढ़ती मांग बाजार की प्रवृत्ति को बयां करती है।

संक्षिप्त खबरें

रियान कैंपबेल की हालत स्थिर

लंदन। नीदरलैंड पुरुष टीम के मुख्य कोच और आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर रियान कैंपबेल की हालत अब स्थिर है और वह बेहोशी से बाहर हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले दिल का दौरा पड़ा था। कैंपबेल के परिवार ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ के द्वारा जारी बयान में उनकी स्थिति की जानकारी दी। बयान में कहा गया, परिवार को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रॉयल स्टोक यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल का शानदार स्टाफ रियान को बेहोशी से निकालने में कामयाब रहा है। इसमें कहा गया, उनकी हालत अब स्थिर है। वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं लेकिन बातचीत कर रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। डॉक्टरों को उम्मीद है कि वह जल्दी ही पूरी तरह से स्वस्थ हो जायेंगे। 50 वर्ष के कैंपबेल को पिछले सप्ताह उस समय सीने में दर्द उठा था और सांस लेने में परेशानी हुई थी जब वह परिवार के साथ बाहर थे।

बारिश के कारण बासीलीना ओपन सेमीफाइनल स्थगित

बासीलीना। बारिश के कारण बासीलीना ओपन टेनिस का सेमीफाइनल स्थगित कर दिया गया है और अब यह फाइनल वाले दिन ही होगा। कार्लोस अलकारेज और एलेक्स डि मिनाउर और पाब्लो कारेनो और डिएगो श्वार्टजमैन के बीच मैच उस समय रोकना पड़ा जब स्कोर 2.2 से बराबर था। दोनों मैच बाद में शुरू किये गए लेकिन बारिश फिर होने से इन्हें रोकना पड़ा।

बायर्न म्युनिख ने रिकॉर्ड दसवां बुंडेस्लिगा खिताब जीता

बर्लिन। बायर्न म्युनिख ने घरेलू फुटबॉल में एक दशक से चला आ रहा अपना वर्चस्व कायम रखते हुए बोरूसिया डॉर्टमंड को 3.1 से हराकर रिकॉर्ड दसवीं बार बुंडेस्लिगा फुटबॉल खिताब जीत लिया। बायर्न के लिये सर्जी नाबरी, रॉबर्ट लेवांडोवस्की और जमाल मुसियाला ने गोल दागे। अब उसे दूसरे स्थान पर काबिज डॉर्टमंड पर 12 अंक की अजेय बढत है जबकि तीन मैच बाकी हैं। डॉर्टमंड ने 2014 के बाद से एक बार भी बायर्न को हराया नहीं है। बायर्न का दसवां जर्मन चैम्पियनशिप खिताब यूरोप की शीर्ष पांच लीगों में रिकॉर्ड है। क्लब ने युवेंटस के 2012 से 2020 के बीच नौ सीरि ए खिताब के रिकॉर्ड को भी तोड़ा।

मुंबई के पूर्व क्रिकेटर का दिल का दौरा पड़ने से निधन

मुंबई। मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज और 2006 और 2007 रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली टीम के सदस्य रहे राजेश वर्मा का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया । ऐसे विधायकों की लगने वाली है क्लास, सीएम भूपेश बघेल ने कहा-अभी समय है, स्थिति को सुधार सकते हैं। उन्होंने40 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। मुंबई के उनके पूर्व साथी खिलाड़ी भाविन ठक्कर ने उनके निधन की पुष्टि की। वहीं उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। बता दें कि राजेश वर्मा अपने कैरियर में सात ही प्रथम श्रेणी मैच खेल सके। वर्मा 2006 और 2007 में मुंबई की रणजी ट्रॉफी चैम्पियन टीम के अहम सदस्य थे। उन्होंने 2002-2003 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया और पंजाब के खिलाफ 2008 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में आखिरी मैच खेला था । उन्होंने सात मैचों में 23 विकेट लिये। इसके अलावा उन्होंने 11 लिस्ट ए मैच खेलकर 20 विकेट चटकाये।

लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने मैच में आईपीएल का चौथा शतक जड़ा

राहुल ने जड़ा शतक, लखनऊ ने मुंबई को दिया 169 रनों का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल में रविवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया है। ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ ने 20 ओवर में 168 रन बनाए और मुंबई को 169 रन का टारगेट दिया है।

लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने मैच में आईपीएल का चौथा शतक जड़ा। उन्होंने 62 गेंदों में 103 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से 12 चौके और 4 छक्के निकले। मनीष पांडे के 22 रन पर आउट होने के बाद एक बार फिर स्टोइनिस और क्रुणाल ने निराश किया। दोनों से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन स्टोइनिस खाता खोले बिना आउट हो गए। वहीं, दीपक हुड्डा से पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजे गए क्रुणाल पंड्या सिर्फ 1 रन ही बना पाए। दोनों इस सीजन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर पाए हैं। वहीं, दीपक हुड्डा का बल्ला भी मैच में नहीं चला और वो सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हो गए। राहुल का 29वां अर्धशतक केएल राहुल ने अपनी पारी की धीमी शुरूआत की, लेकिन धीरे-धीरे पूरे रंग में नजर आए। उन्होंने 37 गेंदों में अपने आईपीएल करियर की 29वीं फिफ्टी पूरी की। दूसरे विकेट के लिए लोकेश राहुल और मनीष पांडे ने 47 गेंदों में 58 रन जोड़े।

इस साझेदारी को कीरोन पोलार्ड ने मनीष को आउट कर तोड़ा। वह 22 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनका कैच शॉर्ट फाइन लेग रिले मेरेडिथ ने पकड़ा। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ की शुरूआत खराब रही।

चौथे ही ओवर में क्विंटन डी कॉक (10) बुमराह को अपना विकेट दे बैठे। पावर प्ले तक मुंबई लखनऊ पर हावी नजर आई। लखनऊ ने शुरूआती 6 ओवरों में 32/1 का स्कोर बनाया। पहली 36 गेंदों में टीम ने केवल 3 चौके और 1 सिक्स लगाया।

स्कोरकार्ड

लखनऊ 168/6 (20.0)

बल्लेबाज	R	B	4s	6s
क्विंटन डी कॉक (कॉट रोहित शर्मा बोल्ड जसप्रीत बुमराह)	10	9	0	1
लोकेश राहुल (नाबाद)	103	62	12	4
मनीष पांडे (कॉट राइली मेरेडिथ बोल्ड कीरोन पोलार्ड)	22	22	0	1
मार्कस स्टोइनिस (कॉट तिलक वर्मा बोल्ड डेनियल सैम्स)	(duck)	3	0	0
क्रुणाल पंड्या (कॉट ऋतिक शौकीन बोल्ड कीरोन पोलार्ड)	1	2	0	0
दीपक हुडा (कॉट डेवाल्ड ब्रेविस बोल्ड राइली मेरेडिथ)	10	9	1	0
आयुष बदोनी (कॉट कीरोन पोलार्ड बोल्ड राइली मेरेडिथ)	14	11	0	1
जेसन होल्डर (नाबाद)	(duck)	2	0	0
अतिरिक्त	8 रन (B: 0, LB: 2, WD: 6, NB: 0)			
कुल	168/6 20.0 (RR: 8.4)			

गेंदबाजी	O	M	R	W	Econ
डेनियल सैम्स	4	0	40	1	10.00
ऋतिक शौकीन	2	0	11	0	5.50
जसप्रीत बुमराह	4	0	31	1	7.75
राइली मेरेडिथ	4	0	40	2	10.00
जयदेव उनादकट	4	0	36	0	9.00
कीरोन पोलार्ड	2	0	8	2	4.00

आईपीएल में 100 छक्के लगाने वाले 27वें बल्लेबाज बने डेविड मिलर

मुंबई, एजेंसी

गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज डेविड मिलर इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में छक्कों का शतक लगाने वाले 27वें बल्लेबाज बन गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज मिलर ने शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल 2022 के 35वें मैच में यह उपलब्धि हासिल की। मैच के 12वें ओवर में मिलर ने सुनील नरेन की गेंद पर छक्का लगाकर यह उपलब्धि हासिल की।

मिलर के नाम अब कुल 101 छक्के हो गए हैं। वह 26 अन्य बल्लेबाजों की सूची में शामिल होते हैं जिन्होंने सौ या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। टी20 के दिग्गज क्रिस गेल के नाम आईपीएल में सर्वाधिक छक्कों का सर्वकालिक रिकॉर्ड है, उन्होंने 357 छक्के लगाए हैं। एबी डिविलियर्स, 239 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद रोहित शर्मा (233), एमएस धोनी (223) और कीरोन पोलार्ड (221) हैं। केकेआर के खिलाफ मैच की बात करें तो इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 156 रन बनाए। गुजरात की ओर से कप्तान हार्दिक पांड्या ने 67, डेविड मिलर ने 27 और ऋद्धिमान साहा ने 25 रन बनाए। केकेआर की तरफ से आंद्रे रसेल ने 4, टीम साउदी ने 3, उमेश यादव और शिवम मावी ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। केकेआर की ओर से रसेल ने 48 और रिंकू सिंह ने 35 रन बनाए। गुजरात की तरफ से मोहम्मद शमी, यश दयाल और राशिद खान ने 2-2व अल्जारी जोसेफ और लॉकी फर्ग्यूसन ने 1-1 विकेट लिया।

रिकॉर्ड

- टी20 के दिग्गज क्रिस गेल के नाम आईपीएल में सर्वाधिक छक्कों का सर्वकालिक रिकॉर्ड है

पांच टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगा दक्षिण अफ़्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी

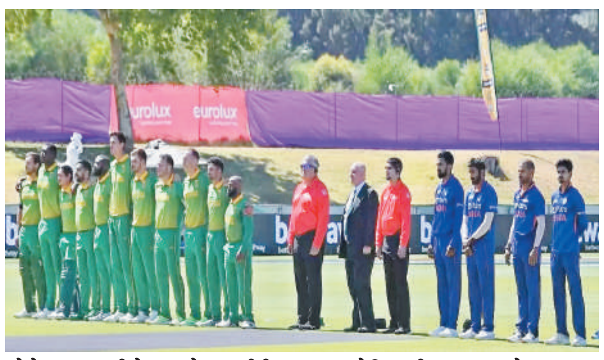

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की दक्षिण अफ़्रीका के विरुद्ध पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज की शुरूआत दिल्ली में होगी। बाकी चार मैच कटक, विशाखापटनम, राजकोट और बेंगलुरु में खेले जेंगे। 19 जून को अंतिम मैच के साथ इस सीरीज की समाप्ति होगी।

29 मई को खेले जाने वाले आईपीएल 2022 के फाइनल मुकाबले के 10 दिन बाद इस सीरीज का आगाज होगा। यह पांच मैच नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण होंगे। दक्षिण अफ़्रीका ने मार्च 2020 में तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था। हालांकि बारिश के कारण पहले मैच के रद्द होने के बाद, कोरोना महामारी के चलते इस सीरीज को स्थगित कर दिया गया था।

इन दोनों टीमों ने आखिरी बार सितंबर 2019 में टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेली थी। पिछले साल भारत ने तीन टेस्ट और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ़्रीका का दौरा किया था। सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच जीतने के बावजूद भारत को दोनों सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। चोटिल दीपक चाहर के अलावा भारतीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्य आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं।

साथ ही क्विंटन डिकॉक, एडन मारक्रम, डेविड मिलर, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा, रैसी वान डेर डुसेन, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे के रूप में कई दक्षिण अफ़्रीकी सुपरस्टार भी आईपीएल खेल रहे हैं।

आईपीएल में 100 विकेट लेने वाले बने दूसरे विदेशी स्पिनर गेंदबाज बने राशिद खान

नवी मुंबई, एजेंसी

गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लेग स्पिनर राशिद खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। राशिद ने आईपीएल में 100 विकेट पूरे कर लिए हैं और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे विदेशी स्पिनर बन गए हैं। अफगानिस्तानी स्पिनर राशिद ने आईपीएल 2022 के 35वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा वह टूनामेंट के इतिहास में 100 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए हैं। 23 वर्षीय, राशिद वेस्टइंडीज के सुनील नारायण के बाद 100 विकेट लेने वाले दूसरे स्पिनर और कुल मिलाकर चौथे विदेशी गेंदबाज बन गए हैं। राशिद और सुनील के बाद 100 विकेट लेने वाले अन्य विदेशी गेंदबाज लसिथ मलिंगा और ड्वेन ब्रावो हैं। राशिद ने अपने 83 वें मैच में अपना 100 वां लीग विकेट लिया और बतौर स्पिनर आईपीएल इतिहास में सबसे तेज विकेटों का सैकड़ा पूरा करने के भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा के रिकॉर्ड की बराबरी की। राशिद ने युजवेंद्र चहल (84 मैच) और सुनील नरेन (86 मैच) को पीछे छोड़ा। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के नाम सबसे तेज 100 विकेट (70 मैचों में) तक पहुंचने का रिकॉर्ड है। राशिद खान ने 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल में पदार्पण किया और अब नई फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स के उप-कप्तान हैं।

स्टोक्स इंग्लैंड टीम के लिए होंगे शानदार लीडर : मोर्गन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को शानदार लीडर बताया और कहा कि जो. रूट के पद से हटने के बाद वह टेस्ट कप्तान के पद के लिए एकदम फिट बैठेंगे। पूर्व क्रिकेटरों के बढ़ते दबाव के बाद, रूट ने इस महीने की शुरूआत में पांच साल तक इंग्लैंड टेस्ट टीम का नेतृत्व करने के बाद यह कहते हुए पद छोड़ दिया कि, यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण निर्णय रहा है, लेकिन अपने परिवार के साथ इस पर चर्चा की और जो मेरे सबसे करीब हैं उनके साथ भी इस मामले को लेकर चर्चा की और उसके बाद मैंने यह फैसला लिया था। स्टोक्स टेस्ट टीम के उप-कप्तान हैं और रूट के गैरहाजिरी में वही टीम का नेतृत्व करते थे। मॉर्गन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, बेन स्टोक्स एक शानदार खिलाड़ी और लीडर है, उन्हें कप्तान के आर्मबैंड की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि कप्तानी को ठुकराना मुश्किल होगा। यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। निश्चित रूप से परिस्थितियां सही होनी चाहिए, लेकिन ज्यादातर लोग जो रेड-बॉल क्रिकेट को आगे ले जाना चाहते हैं, वे इसे निश्चत रूप से आगे बढ़ाना चाहेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या कप्तानी की पेशकश की गई तो वह इस पद को संभालने के इच्छुक होंगे, मॉर्गन ने कहा, बिल्कुल नहीं। मैं इस समय सफेद गेंद वाली टीम और इंग्लिश क्रिकेट में जो भूमिका निभा रहा हूं, उससे मैं बहुत खुश हूं।

धोनी के धमाल के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की नजरें फॉर्म में लौटने पर, पंजाब किंग्स से होगा मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के करिश्मे पर उम्मीदें लगाये चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल के मैच में जब आज पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसे कई मोर्चों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। चेन्नई ने अभी तक सात में से दो ही मैच जीते हैं जबकि पंजाब किंग्स ने सात में से तीन मैचों में जीत दर्ज की है। पंजाब आईपीएल अंकतालिका में आठवें स्थान पर है और चेन्नई नौवें स्थान पर है।

गत चैम्पियन चेन्नई इस सत्र में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वह उस तरह का क्रिकेट नहीं खेल पाई जिसके लिये उसे जाना जाता है और कप्तान रविंद्र जडेजा मोर्चे से अगुवाई करने में नाकाम रहे हैं। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस पर तीन विकेट से मिली शानदार जीत और उसमें धोनी के धमाल ने चेन्नई के लिये टॉनिक का काम किया होगा। धोनी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ फिनिशर क्यो कहा जाता है। आखिरी ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर उन्होंने टीम को चमत्कारिक जीत दिलाई। चेन्नई की कमजोर कड़ी उसकी गेंदबाजी रही है लेकिन मुंबई के खिलाफ उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने तीन विकेट चटकाये। वहीं पुराने सिपाही ड्वेन ब्रावो ने भी अपनी उपयोगिता साबित की। कप्तान जडेजा बल्ले या गेंद किसी से भी प्रभावित नहीं कर सके हैं।

टीम को दीपक चाहर और एडम मिल्ने की कमी खल रही है हालांकि श्रीलंका के स्पिनर महीश तीक्षणा ने अच्छी गेंदबाजी की है। युवा बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ गुजरात टाइटंस के खिलाफ 73 रन को छोड़कर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। हरफनमौला मोईन अली और शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा क्योंकि एक और हार उन्हें आगे की दौड़ से बाहर कर सकती है। दूसरी तरफ पंजाब को दिल्ली कैपिटल्स ने नौ विकेट से हराया।

पंजाब के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। शिखर धवन, लियाम लिविंगस्टान और शाहरूख खान लगातार अच्छी पारियां नहीं खेल पाये हैं जबकि जॉनी बेयरस्टॉ को चार मौके मिले और वह चारों में नाकाम रहे। गेंदबाजी में पंजाब के पास कैगिसो रबाडा है जबकि अर्शदीप सिंह भी फॉर्म में हैं। वैभव अरोड़ा को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज हरफनमौला ओडियन स्मिथ की भूमिका अहम है लेकिन वह चिर परिचित अंदाज में खेल नहीं पा रहे हैं।

प्रदर्शन

- चैम्पियन चेन्नई इस सत्र में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी

क्रिकेट जगत ने सचिन तेंदुलकर को उनके 49वें जन्मदिवस की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवर पर क्रिकेट जगत नो उन्हें सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर ने ट्विट किया, एक महान खिलाड़ी और एक बेहतर इंसान।

आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं सचिन, भगवान का आशिर्वाद आप पर बना रहे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने भी तेंदुलकर को बधाई देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और कहा कि मास्टर ब्लास्टर द्वारा दिखाए गए जुनून ने खेल के प्रति अरबों लोगों को प्रेरित किया है। जय शाह ने ट्वीट किया, उस शख्स को जिसने क्रिकेट के प्यार के लिए दुनिया भर में अरबों लोगों को एकजुट किया, जिसका मैदान पर जादू और मैदान के बाहर उदारता कई लोगों को प्रेरित करती है। जन्मदिन की आपको शुभकामनाएं। तेंदुलकर की पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने भी ट्विटर पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और ट्वीट किया, एक राष्ट्र का गौरव और अरबों लोगों के लिए एक भावना। जन्मदिन मुबारक हो सचिन। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी मास्टर ब्लास्टर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, हमेशा-प्रेरणादायक और महान सचिन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारत के पूर्व टेस्ट उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ट्वीट किया, जन्मदिन मुबारक हो सचिन! आप हमेशा अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से युक्त रहें। महाराष्ट्र में जन्मे इस खिलाड़ी ने 16 साल की उम्र में 15 नवंबर 1889 को अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उसी साल 18 दिसंबर को उन्होंने अपना पहला वनडे मैच खेला था। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 15,921 रन बनाए हैं। साथ ही उन्होंने टेस्ट में 51 टेस्ट शतक बनाए, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा अब तक का सबसे अधिक शतक है।

टेस्ट क्रिकेट के अलावा, सचिन ने वनडे प्रारूप में भी कई रिकॉर्ड बनाए हैं। वह एकदिवसीय में सर्वाधिक रनों की सूची में सबसे ऊपर है, जिसमें कुल 18,426 रन हैं, जिसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं। अपने लंबे करियर के दौरान, सचिन ने छह विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह 2011 विश्व कप विजेता टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने का भी ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है और टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में सबसे अधिक शतक दर्ज करने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। वह 50 ओवर के प्रारूप में दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी थे।

विश्व कप चरण एक: राय और रिद्धि ने पहली बार मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीता

अंताल्या, एजेंसी

भारत ने तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में दूसरा स्वर्ण पदक जीता जब रविवार को यहां तरूणदीप राय और रिद्धि फोर की मिश्रित टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शूट आफ में ग्रेट ब्रिटेन को हराया। पहली बार जोड़ी बनाकर खेल रहे दो बार के ओलंपियन राय और युवा रिद्धि पहले 0-2 और फिर 2-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन भारतीय तोड़ी ने धैर्य बरकरार रखते हुए 5-4 (35-37, 36-33, 39-40, 38-37) (18-17) से जीत दर्ज की। भारत ने इस तरह कैलेंडर वर्ष के पहले टूनामेंट में अपने अभियान का अंत दो स्वर्ण पदक के साथ किया। शनिवार को अभिषेक वर्मा, रजत चौहान और अमन सैनी की कंपाउंड पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। ग्वांगझू एशियाई खेल 2010 में रजत पदक जीतने वाले 38 साल के राय का विश्व कप में पहला मिश्रित टीम पदक है। सत्रह साल की रिद्धि का यह विश्व कप में पहला पदक है। इस जोड़ी ने शानदार जज्बा दिखाते हुए दो बार पिछड़ने के बाद जीत दर्ज की। शूट आफ में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने नौ अंक जुटाए जबकि ब्रायोनी पिटमैन और एलेक्स वाइस की ब्रिटेन की जोड़ी ने नौ और आठ अंक जुटाए। भारतीय जोड़ी की शुरूआत खराब रही। दोनों ने पहले दो प्रयास में आठ-आठ अंक जुटाए और पहला सेट दो अंक से हार गए। राय और रिद्धि दूसरे सेट को जीतकर स्कोर बराबर करने में सफल रहे जब ब्रिटेन की जोड़ी ने सात और आठ अंक के साथ खराब प्रदर्शन किया।

आरएफडीएल : आरएफ यंग चैम्प्स ने मुंबई सिटी को 2-0 से पीटा

गोवा, एजेंसी

रिलायंस फाउंडेशन यंग चैम्पस (आरएफवाईसी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के तीसरे राउंड के मुकाबले में अपने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी मुंबई सिटी एफसी को 2-0 से हरा दिया।

शनिवार रात यहां बेनाउलिम ग्राउंड में खेले गए फुटबॉल मुकाबले में गुलाब हिमबहादुर ने सातवें और राशिद सीके ने 45वें मिनट में गोल करके युवा टीम की प्रतियोगिता में पहली जीत सुनिश्चित की। इससे पूर्व यंग चैम्पस अपने शुरूआती दो मुकाबले में प्रभावी प्रदर्शन करते नजर आए थे। भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर और मुख्य कोच अराता इजुमी के लड़के शुरूआत से ही आक्रामक नजर आए और मुंबई पर दबाव बना रहे थे। कोल्ट्स को सात मिनट में बढ़त मिल गई, जब सूरदास मेइतेई ने सनन मोहम्मद को बेहतरीन फॉरवर्ड पास से ढूंढा और फिर सनन के क्रॉस पर हिमबहादुर ने बेहद करीब से वॉली लगाकर गेंद को गोलजाल तक पहुंचा दिया। 20 वर्ष की औसत आयु वाली टीम मुंबई मिले मौकों पर स्कोर नहीं कर सकी। अमन सीके ने एक आसान कोण से सीधे गोलकीपर के हाथों में शॉट मारकर अवसर को जाया कर दिया। लेकिन 17 वर्ष की औसत आयु वाली टीम आरएफ यंग चैंप्स ने मुंबई के डिफेंडरों को बार-बार परेशान रखा, सनन का शॉट मध्यांतर से पहले क्रॉसबार पर जा लगा। हाफटाइम ब्रेक से ठीक पहले आरएफ यंग चैंप्स की बढ़त दोगुनी हो गई, जब मेइतेई ने राशिद की तरफ गेंद माइनस करते हुए चतुराई के साथ बेहतरीन पास दिया। इस पास से मुंबई के केविन डिसूजा निपटना सकते थे, लेकिन वो नाकाम रहे और राशिद ने गोल करके 2-0 की बढ़त बनाई।

दूसरी हाफ में अवसर कम बने और इस दौरान अराता के लड़कों ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने पक्ष में करने का साहस दिखाया। इससे पहले, केरला ब्लास्टर्स एफसी ने अपना तीसरा मैच जीता। ब्लास्टर्स ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से पराजित किया। मैच का एकमात्र गोल विंसी बरेटो ने 86वें मिनट में दागा। यह उनका टूनामेंट में दूसरा गोल था। चेन्नइयन के लिए गोलकीपर देवांश डबास ने बार के अंदर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई बचाव करने के अलावा 72वें मिनट में पेनल्टी किक पर गिवसन सिंह को गोल करने से रोका। मैच में दोनों टीमों की शुरूआत धीमी रही।

आस्ट्रेलिया में पहली बार खेली अफगान की महिला फुटबॉल टीम

मेलबर्न, एजेंसी

अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम ने पिछले साल तालिबान शासित देश छोड़ने के बाद पहला मैच खेला जो गोलरहित ड्रॉ रहा। मेलबर्न विक्टरी अफगान महिला टीम ने विक्टोरिया की सीनियर महिला चैम्पियनशिप में रविवार को गोलरहित ड्रॉ खेला। पिछले साल अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद 30 खिलाड़ियों और कोचों को आस्ट्रेलियाई सरकार की मदद से देश से निकाला गया था।

अब वे मेलबर्न में बसे हैं। टीम ने पहला अभ्यास सत्र फरवरी में पूरा किया और इस साल विक्टोरिया के बैनर तले खेलेगी। विक्टोरिया के पारंपरिक नेवी ब्लू और सफेद वी की बजाय टीम घरेलू मैचों में अफगानिस्तान की लाल शर्ट और बाहर के मैचों में सफेद शर्ट पहनेगी जबकि इसके पीछे के हिस्से पर अफगानिस्तान का ध्वज होगा।

परिवार के सदस्यों के नाम उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखकर पीछे नहीं लिखे गए हैं क्योंकि उनके परिजन अफगानिस्तान में ही हैं। खिलाड़ियों ने अपना पहला नाम या उपनाम शर्ट के पीछे लिखा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त खबरें

यूक्रेन ने रूस की कमान चौकी पर हमला किया

कीव। यूक्रेन की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने खेरसन में रूस की एक कमान चौकी को ध्वस्त कर दिया है। यह दक्षिणी शहर युद्ध की शुरूआत में ही रूसी सेना के कब्जे में चला गया था। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कमान चौकी पर शुक्रवार को हमला किया गया और इसमें दो जनरल की मौत हो गयी और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी अरेस्तोविच ने एक ऑनलाइन साक्षात्कार में कहा कि हमले के वक्त कमान केंद्र में रूस के 50 वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। रूसी सेना ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सीरिया जाने वाले रूसी विमानों के लिए तुर्की ने बंद किया हवाई क्षेत्र

अंकारा। तुर्की ने सीरिया जाने वाले रूसी सैन्य और नागरिक विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोग्लू ने यह जानकारी देते हुए कहा कि रूस को उड़ान की अनुमति अप्रैल में समाप्त हो गई है। कावुसोग्लू के हवाले से सबा अखबार ने कहा, हमने रूसी सैन्य विमानों और यहां तक कि सीरिया के लिए उड़ान भरने वाले नागरिक विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, हमने तीन महीने की अनुमति दी थी। उनके पास अप्रैल तक की अनुमति थी। हमारे राष्ट्रपति ने (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन को इसके बारे में बताया। उसके बाद उड़ानें रुक गईं। इसलिए, मॉन्ट्रो कन्वेंशन और अन्य मुद्दों पर बातचीत के माध्यम से प्रक्रिया जारी है।

गहलोत ने आग में फंसे छह लोगों को बचाने पर दो पुलिस कांस्टेबलों को पदोन्नत करने के दिए निर्देश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के विद्याधर नगर के एक भवन में लगी आग में फंसे छह लोगों को बचाने का काम करने वाले दो पुलिस कांस्टेबलों को पदोन्नत करने के निर्देश दिए हैं। श्री गहलोत ने आग में फंसे छह लोगों को बचाने के पुलिस कॉन्स्टेबल महेश चौधरी एवं अशोक कुमार को पदोन्नत करने के लिए पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि अपने प्राणों की परवाह ना करते हुए अपने कर्तव्य की पालना में छह लोगों को सकुशल निकालने के प्रशंसनीय कार्य के लिए दोनों को पदोन्नत कर हैड कॉन्स्टेबल बनाने के निर्देश डीजीपी को दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पुलिसकर्मियों ने आग में फंसे छह लोगों को बचाने का शानदार काम किया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को जयपुर के विद्याधर नगर क्षेत्र में स्थित सिनेस्टार भवन के बेसमेंट में आग लग गई थी।

अमित शाह पुडुचेरी पहुंचे

पुडुचेरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पुडुचेरी के एक दिवसीय दौरे पर रविवार को यहां पहुंचे। केंद्र शासित प्रदेश की उपराज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुडुचेरी हवाई अड्डे पर श्री शाह का स्वागत किया। श्री शाह सीधे भरतियार संग्रहालय गये और वहां श्री अरबिंदो आश्रम का भ्रमण किया। इसके बाद वह पांडिचेरी विश्वविद्यालय के लिए रवाना होंगे, जहां वे संत एवं दार्शनिक श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री राज निवास में दोपहर के भोजन और आराम के बाद कम्बन कलाईअरंगम में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे, जहां वह स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कई परियोजनाओं और पांडिचेरी विश्वविद्यालय के तीन शैक्षणिक भवनों की आधारशिला रखेंगे। वह यहां भारतीय जनता पार्टी कार्यालय का दौरा करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उनके इस दौरान कुछ प्रमुख हस्तियों को भी पार्टी में शामिल करने की संभावना है।

निजी एक्स-1 की पृथ्वी पर वापसी फिर हुई स्थगित

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के पहले पूर्ण-निजी दल वाले स्पेस एक्स ड्रैगन एंडेवर स्पेसक्राफ्ट की अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से पृथ्वी पर वापसी में दोबारा देरी हो रही है। स्पेस एक्स ने इस बारे में सूचना देते हुए अपनी वेबसाइट पर कहा, स्पेस एक्स, एक्जियोम स्पेस, और नासा ड्रैगन और एएक्स-1 अंतरिक्ष यात्रियों के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान करने के लिए रविवार, 24 अप्रैल को रात 8:50 बजे (00:50 समन्वित वैश्विक समय, सोमवार, 25 अप्रैल) से पहले का लक्ष्य नहीं बना रहे हैं।

स्पेस एक्स ने बताया कि यह देरी खराब मौसम की वजह से हो रही है। प्रारंभ में कंपनी को उम्मीद थी कि 19 अप्रैल को स्पेसक्राफ्ट वापस आ जाएगा, लेकिन फ्लोरिडा के तट पर प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण एक्स-1 चालक दल की वापसी स्थगित हो गयी।

आईएसएस का पहला पूर्ण-वाणिज्यिक चालक दल एक्जियोम-1 मिशन आठ अप्रैल को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल में नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ाया गया था। मिशन लगभग 10 दिनों तक चलने की उम्मीद थी। एक्जियोम एक्स-1 के चालक दल में अमेरिका और स्पेन के कमांडर माइकल लोपेज-एलेग्रिया, अमेरिका के पायलट लैरी कॉनर, इजराइल के मिशन विशेषज्ञ एयटन स्टिब्बे और कनाडा के मिशन विशेषज्ञ मार्क पैथी को स्पेसएक्स फाल्कन-9 रॉकेट पर ड्रैगन एंडेवर अंतरिक्ष यान में आईएसएस के लिए सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था।

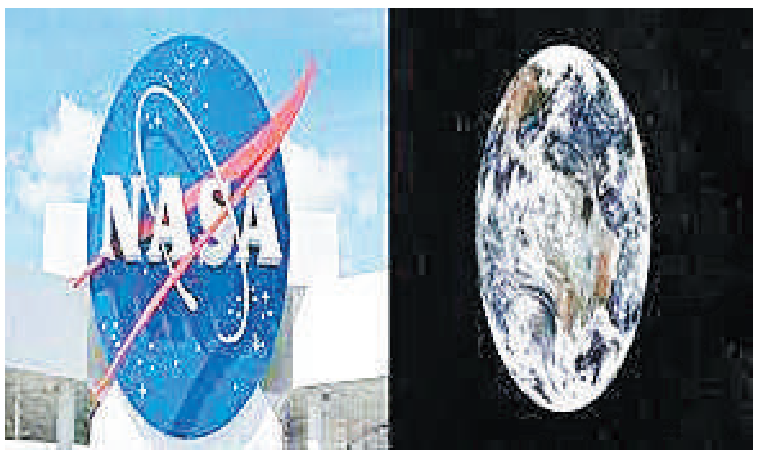

● आईएसएस का पहला पूर्ण-वाणिज्यिक चालक दल एक्जियोम-1 मिशन आठ अप्रैल को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल में नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ाया गया था

अमेरिका नरक में जा रहा है : ट्रम्प

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि डेमोक्रेट्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन अमेरिका को तबाह कर रहा है। ट्रंप ने डेलावेयर, ओहियो में आयोजित रैली में कहा, सच यह है कि चुनाव में धांधली हुई, और चोरी हुई और अब हमारे देश को तबाह किया जा रहा है। हमारा देश तबाह हो रहा है, हमारा देश नरक में जा रहा है। हमने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। श्री ट्रंप ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से जुड़ी कुछ अजीबोगरीब घटनाओं को याद करते हुए उनका मजाक उड़ाया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, हमारे पास अभी एक राष्ट्रपति है, जिसे बिल्कुल पता नहीं है कि आखिर क्या हो रहा है। वह हवा से हाथ मिला रहा है, वह हतप्रभ होकर घूम रहा है... और ईस्टर खरगोश से आदेश ले रहा है।

हमारी गौरैया और पर्यावरण योद्धा

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

बिहार और दिल्ली राज्य की राजकीय पक्षी गौरैया संरक्षण को लेकर लेखक संजय कुमार की हिंदी में लिखी अभी मैं जिंदा हूँ....गौरैया पुस्तक पर साहित्य का पेड़ का,मंडी हाउस, नई दिल्ली में चर्चा की गयी।

चर्चा की शुरूआत करते हुए पुस्तक के लेखक संजय कुमार ने बताया कि इंसानों के घरों में चहकने फुदकने वाली नन्हीं सी प्यारी जान विलुप्त की ओर है। कई स्थानों पर दिखती है तो कई स्थानों पर उसका नामोनिशान मिट चुका हैं। शहर क्या गॉंव से भी गायब हो गयी है। हालाँकि भारत में अभी इसकी संख्या स्थिर बतायी जाती है। उन्होंने बताया कि पुस्तक में गौरैया के हर बिंदु पर प्रकाश डाला गया है। गौरैया मानव इंसान की दोस्त है उस पर विश्वास करती हैं, इसलिए पृथ्वी पर जहाँ-जहाँ मानव पहुँचे,उसके साथ साथ गौरैया भी वहाँ पहुँच गई। वह इंसानों के बीच खुद को शिकारी पक्षियों से सुरक्षित महसूस करती हैं,लेकिन बदलते आधुनिक जीवन शैली में गौरैया हमसे दूर चली गयी है। धीरे- धीरे हम सब भी उसे भूलते चले गये। हमारे देश के साथ-साथ विश्व के प्रायः सभी देशों में कमोबेश यही स्थिति हैं। गौरैया की ऐसी स्थिति क्यों हुई उसके कई कारण हैं। कई सवाल है। तमाम कारण-सवालों और उसके संरक्षण पुस्तक अभी मैं जिंदा हूँ....गौरैया में समेटा गया है। कई पत्रिकाओं में संपादक रहे लेखक पंकज चौधरी ने कहा कि पुस्तक के लेखक संजय कुमार बड़ा काम कर रहे हैं। गौरैया पक्षी, जो लगभग विलुप्ति के कगार पर है, उनके संरक्षण के लिए काम करना मामूली बात नहीं है। संजय जी इसके लिए स्कूलों, संगठनों को जागरूक करने का अभियान छेड़े हुए हैं। जहां भी कुछ लोग इक्टठे मिल जाते हैं, उनसे गौरैया को बचाने की अपील करते हैं।

वे जहां भी जाते हैं गौरैया की बात करने लगते हैं। गौरैया को बचाने का मतलब है कोमलता, मासूमियत और प्रकृति को बचाना। मेरा मानना है कि हमारे समाज में हिंसा और नृशंसता का जो बोलबाला हो गया है उसके पीछे एक बड़ा कारण गौरैया जैसी पक्षियों की विलुप्ति भी है। बिहार से संजय भाई शायद पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने पक्षियों पर काम करने का बीड़ा उठाया है। संजय भाई के गौरैया प्रेम को देखते हुए मुझे महान पक्षी विज्ञानी सलीम अली की याद आ जाती है। हमें ऐसे कर्मठ लोगों का भरपूर सहयोग करना चाहिए।

● गौरैया संरक्षण पर संजय कुमार की पुस्तक अभी मैं जिंदा हूँ....

सार्क सांस्कृतिक सम्मेलन में कटक के दीपायन पटनायक हुए शामिल

कटक, प्रातः किरण संवाददाता

तीन दिवसीय सार्क आर्कटिक सांस्कृतिक सम्मेलन नेपाल के काठमांडू एवं लुमनी में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कटक के युवा समाजसेवी डॉ दीपायन पटनायक शामिल हुए. सार्क संस्कृति विभाग और नेपाल पर्यटन विभाग द्वारा सह-प्रायोजित सम्मेलन में श्रीलंका को छोड़कर सात देशों के प्रतिनिधियों और कलाकारों ने भाग लिया. नेपाल की उप प्रधानमंत्री सुजाता कोइराला ने समारोह में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया. भारत के प्रतिनिधि और कटक के युवा समाजसेवी डॉ. दीपायन पटनायक ने शिरकत की. भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और अन्य के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों के संदेश को प्रस्तुत करते हुए एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए. नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा कोइराला की बेटी उप प्रधानमंत्री सुजाता कोइराला ने प्रतिनिधिमंडल को संबोधित किया. इस अवसर पर नेपाल के पर्यटन सचिव नवीन कुमार मौजूद थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारत के प्रधान मंत्री के संदेश को साझा किया. नेपाल से लौटने के बाद कटक में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवियों द्वारा डॉक्टर दीपायन पटनायक को बधाई देने का सिलसिला जारी है. भाईचारा का शहर कटक के लोग अपने आप पर गर्व महसूस कर रहे हैं। कटक के कई गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि डॉक्टर दीपायन पटनायक भारत माता पूजन समिति में भी अपना योगदान देकर समाज सेवा कर रहे हैं।

समारोह

● नेपाल के काठमांडू एवं लुमिनी में आयोजित किया गया कार्यक्रम

ईस्टर मनाने मॉस्को कैथेड्रल पहुंचे पुतिन

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूढ़िवादी ईस्टर सेवा के लिए क्रेमलिन से कुछ दूरी पर स्थित कैथेड्रल ऑफ क्राइस्ट द सेवियर का दौरा किया। स्पूतनिक ने बताया कि मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन राष्ट्रपति पुतिन के साथ अर्धरात्रि की प्रार्थना सभा में शामिल हुए। 10,000 लोगों की क्षमता वाला कैथेड्रल खचाखच भरा रहा। रूढ़िवादी ईस्टर उत्सव से एक दिन पहले, ग्रेट सैटर्डे को चर्च ऑफ द होली सेपुलचर में उतरने के बाद पवित्र अग्नि को यरूशलेम से मॉस्को कैथेड्रल में पहुंचाया गया था। रूढ़ीवादी ईसाई इस साल ईस्टर उत्सव 24 अप्रैल को मना रहे हैं। पुतिन परंपरागत रूप से रूसी राजधानी में कैथेड्रल ऑफ क्राइस्ट द सेवियर में यह त्योहार मनाते हैं। स्पूतनिक द्वारा प्राप्त एक ईस्टर संबोधन में मॉस्को और अखिल रूस के पैट्रिआर्क किरिल ने रूढ़िवादी ईसाइयों से उन लोगों की मदद करने का आह्वान किया, जो युद्ध के परिणामस्वरूप पीड़ित हैं और उन सभी को धन्यवाद दिया जिन्होंने पहले ही समर्थन प्रदान किया है।

आगामी विधानसभा चुनाव के डेढ़ वर्ष पहले ही चुनावी मोड पर नजर आ रही है कांग्रेस और भाजपा

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के अभी लगभग डेढ़ साल शेष हैं लेकिन सत्तारुढ़ कांग्रेस एवं मुख्य विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया और अभी से ये चुनावी मोड पर नजर आने लगी है। राज्य में भले ही विधानसभा चुनाव के लगभग डेढ़ साल पड़े हैं लेकिन प्रदेश के इन दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में पिछले कुछ दिनों से जारी एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर अब तेज होने लगा है और इन दिनों में दोनों पार्टियों के बड़े बड़े नेताओं के बयानबाजी और तीखी हो गई है। राज्य में दोनों ही पार्टियों के नेता अभी से आगामी चुनाव में अपनी अपनी पार्टी की जीत के दावे भी करने लगे हैं।

वोट बैंक एवं धर्म के नाम राजनीति करने, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी), बिजली, पानी, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, कानून व्यवस्था, भर्ती परीक्षा में अनियमितता जैसे मुद्दों को लेकर ये एक दूसरे को घेर रही हैं। इन दिनों कांग्रेस राज्य में विपक्ष पर विपक्ष की सही भूमिका नहीं निभा पाने एवं केन्द्र सरकार पर महंगाई पर नियंत्रण नहीं रख पाने एवं धर्म के नाम पर राजनीति करने एवं देश में माहौल खराब करने तथा ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दे पाने का आरोप लगा रही हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी साख बचाने का अभी से प्रयास शुरू कर दिए हैं वहीं भाजपा राज्य में गहलोत सरकार पर कानून व्यवस्था बनाये रखने में पूरी तरह विफल रहने एवं बहुसंख्यकों को दबाने का प्रयास करने तथा कांग्रेस पर वोट बैंक एवं तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही हैं और गत विधानसभा चुनावों में खोई अपनी चुनावी साख को फिर से कायम करने की कोशिश कर रही है। राज्य में कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद ने मोर्चा संभाल लिया है और वह केन्द्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उस पर देश में हालात खराब होने का आरोप लगा रहे हैं। श्री गहलोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर जनता से वादाखिलाफी करने आरोप लगा रहे है। उन्होंने कहा है कि खुद की पार्टी की सरकार की बनाई योजना और प्रधानमंत्री द्वारा इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा करने के बावजूद ईआरसीपी राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं हो पा रही है। श्री गहलोत ने कहा कि जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने से राज्य की जनता नाराज हैं और आगामी चुनाव में यह भाजपा के खिलाफ बहुत बड़ा मुद्दा बन जायेगा। इससे प्रधानमंत्री को अपना वादा याद आयेगा और वह ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर देंगे। श्री गहलोत ने केन्द्र सरकार पर देश में तनाव, हिंसा, अविश्वास का माहौल पैदा होने का आरोप लगाते हुए कई मौकों पर कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के नाम संदेश जारी कर कहना चाहिए कि देश में हिंसा करने वाले असामाजिक तत्व हैं और देश में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति कर नोन इश्यू को इश्यू और इश्यू को नोन इश्यू बनाने का आरोप भी लगाया।

जापानः पर्यटक नौका से लापता हुए नौ लोग मिले, बचाव अभियान तेज किया गया

तोक्यो, एजेंसी

जापान के तटरक्षक ने रविवार को कहा कि बचाव हेलीकाप्टर ने उत्तरी जापान में 26 पर्यटकों को ले जा रही एक नौका के लापता हो जाने के बाद नौ लोगों का पता लगा लिया है, हालांकि उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बचाव दल को पहले शिरेतोको प्रायद्वीप के पास रविवार सुबह चार लोग मिले, फिर कुछ घंटों बाद उसी क्षेत्र में पांच और लोगों का पता चला। लेकिन तटरक्षक ने कहा कि यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि वे जीवित मिले या नहीं। टेलीविजन चैनल एनएचके के मुताबिक वे सभी लोग बेहोश थे। तटरक्षक बल के मुताबिक सभी नौ लोग उसी क्षेत्र में पाए गए, जहां से शनिवार को आपात फोन कॉल आया था। टेलीविजन रिपोर्ट में ,बचाए गए लोगों में से एक व्यक्ति को हेलीकॉप्टर से उतार कर एक स्ट्रेचर द्वारा एम्बुलेंस में डालते दिखाया गया। तटरक्षक के अधिकारी ने बताया कि दो बच्चों सहित 24 यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों को ले जा रही नौका लापता हो गई थी,इससे पहले नौका से आपात कॉल आई थी जिसमें कहा गया था कि नौका में पानी भर गया है और वे सब डूब जाएंगे। तटरक्षक के अनुसार,नौका से हमारा संपर्क टूट गया और 17 लोग अभी भी लापता हैं। दक्षिणी जापान के कुमामोटो में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने दूसरे दिन अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया और तोक्यो लौट आए। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से हमने अधिकारियों को बचाव के लिए हर संभव कोशिश करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को अंकारा में अर्दोआन और गुटेरेस की बैठक

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सोमवार, 25 अप्रैल को तुर्की का दौरा करेंगे। यूएन की प्रेस सेवा के अनुसार वहां उनके तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब अर्दोआन से मिलने की उम्मीद है। यूएन ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, महासचिव अंकारा, तुर्की का दौरा करेंगे, जहां 25 अप्रैल को राष्ट्रपति रेसेप तैयब अर्दोआन उनकी अगवानी करेंगे। शुक्रवार को यूएन महासचिव के एक प्रवक्ता ने घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलने के लिए एंटोनियो गुटेरेस की मास्को की आगामी यात्रा की पुष्टि की है। क्रेमलिन ने भी संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि पुतिन और लावरोव 26 अप्रैल को वार्ता के लिए गुटेरेस की अगवानी करेंगे। गुरुवार, 28 अप्रैल को, गुटेरेस के यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ कीव में मिलने की उम्मीद है।

शिवराज ने शहीद शंकर प्रसाद पटेल के बलिदान को किया नमन

भोपाल, एजेंसी

जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के हमले का मुकाबला करते हुए शहीद हुए मध्यप्रदेश के सतना जिला निवासी शहीद जवान शंकर प्रसाद पटेल के बलिदान को आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नमन करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण शौर्य का प्रदर्शन किया।

श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि वीर सपूत शंकर प्रसाद पटेल के परिवार को एक करोड़ रुपए की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। परिवार के सदस्य से चर्चा करके एक सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाएगा। इसके अलावा उनकी प्रतिमा उपयुक्त स्थान पर लगायी जाएगी और किसी संस्थान का नाम उनके नाम पर किया जाएगा।

श्री चौहान ने बताया कि आज शहीद के अंतिम संस्कार में राज्य शासन की ओर से उनके प्रतिनिधि के तौर पर राज्य सरकार के मंत्री रामखेलावन पटेल ने शिरकत की है। उन्होंने कहा कि वे अमर शहीद शंकर प्रसाद पटेल के चरणों में नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उन्होंने असाधारण शौर्य का प्रदर्शन किया और जम्मू में दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिर वे लड़ते लड़ते अपने कर्तव्य की बलिवेदी पर भारत माता के चरणों में अपना सर्वस्व बलिदान कर शहीद हो गए। ऐसे वीर सपूत के चरणों में वे नमन करते हैं।

श्री चौहान ने अपने शोक संदेश में कहा कि उनके परिवार में पत्नी श्रीमती लक्ष्मी पटेल, पुत्र संजय और सुरेंद्र हैं। उनकी माता स्वर्गीय श्यामबाई जी और पिता स्वर्गीय रामदास पटेल जी को भी वे प्रणाम करते हैं, जिन्होंने ऐसे वीर पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि शहीद शंकर प्रसाद पटेल के परिवार के साथ पूरा प्रदेश और सरकार है।

शहीद शंकर प्रसाद पटेल पंचतत्व में विलीन

सतना। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के हमले में शहीद हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान शंकर प्रसाद पटेल की अंत्येष्टि आज मध्यप्रदेश के सतना जिले स्थित गृहगांव नौगवां में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ की गयी। शहीद जवान को मुखाग्नि उनके पुत्र संजय ने दी। उनके परिवार में पत्नी श्रीमती लक्ष्मी पटेल और दो पुत्र संजय तथा सुरेंद्र हैं। अंतिम यात्रा में राज्य सरकार के मंत्री रामखेलावन पटेल, सांसद गणेश सिंह, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, सैन्य अधिकारी कर्मचारी और बड़ी संख्या में आसपास के लोग भी शामिल हुए। सीआईएसएफ के जवान शंकर प्रसाद पटेल दो दिन पहले जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के हमले में शहीद हो गए थे।

शरणार्थियों को ले जा रही नाव डूबी, 44 लोगों को बचाया

बेरूत। लेबनान तट से दूर करीब 60 शरणार्थियों को ले जा रही एक नौका शनिवार रात को डूब गयी। हादसे में एक लड़की की मौत हो गयी और 44 लोगों को बचा लिया गया है,जबकि शेष लोग लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवहन मंत्री अली हामेह ने बताया कि एक लड़की के शव के साथ ही 17 लोगों को तट पर लाया गया। उन्होंने बताया कि लेबनान की नौसेना ने बाद में 28 अन्य लोगों को बचा लिया। बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हामेह ने टेलीफोन पर बताया, बाकी लोगों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्राधिकारियों के पास शरणार्थियों की वास्तविक संख्या नहीं है क्योंकि वे गैरकानूनी रूप से देश से रवाना हुए थे। हालांकि, लेबनानी रेड क्रॉस ने बताया कि नौका में करीब 60 शरणार्थी सवार थे। कई वर्षों तक लेबनान शरणार्थियों को शरण देता रहा है लेकिन अक्टूबर 2019 में देश में आर्थिक मंदी शुरू होने के बाद से सैकड़ों लोग नौकाओं से यूरोप रवाना हुए हैं।

आरोप रूसी सेना ने मारियुपोल में हजारों नागरिकों की हत्या की और फिर इसे छिपाने की कोशिश की।

रूसी सेना ने मारियुपोल में हजारों नागरिकों की हत्या की : राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि नए सबूत सामने आ रहे हैं जिससे पता चलता है कि रूसी सेना ने मारियुपोल में हजारों नागरिकों की हत्या की और फिर इसे छिपाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि यूक्रेन ने रूस की उस बातचीत का पता लगा लिया है कि कैसे वे अपने अपराध के निशान छिपा रहे हैं। उपग्रह से ली गयी तस्वीरों से मारियुपोल के पश्चिमी और पूर्वी शहरों में सामूहिक कब्रें दिखायी देती हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने उन लोगों के लिए मारियुपोल के समीप नजरबंदी शिविर बनाए है जो शहर छोड़कर जाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में रहने वाले लोगों को रूस के कब्जे वाले इलाकों या रूस में भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि इनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मारियुपोल में स्थिति को लेकर शनिवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से बातचीत की। जेलेंस्की ने उन लोगों को ढूंढने तथा सजा देने का वादा किया, जो ओदेसा पर मिसाइल हमले के जिम्मेदार हैं, जिसमें उन्होंने बताया कि आठ लोगों की मौत हो गयी तथा 18 अन्य घायल हो गए। जेलेंस्की ने यूक्रेनियों से कर्फ्यू का पालन करने और रात को ऑर्थोडॉक्स ईस्टर सभा में न जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, लेकिन सुबह पांच बजे से आप अपने शहर या समुदाय के गिरजाघर में जा सकते हैं।

ईयू ऑनलाइन अवैध कंटेंट से निपटने के लिए नया कानून लाएगा

ब्रसेल्स। यूरोपीय संसद ऑनलाइन हेट स्पीच, अभद्र भाषा, दुष्प्रचार और अन्य अवैध कंटेंट से निपटने के लिए एक नए कानून पर अस्थायी राजनीतिक समझौता करेगी। य जानकारी यूरोपीय परिषद ने दी। यूरोपीय परिषद ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) नामक कानून का उद्देश्य अवैध कंटेंट के प्रसार के खिलाफ रक्षा करना और यूजर्स के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिले अज्ञात मूल के हेपेटाइटिस के 170 मामले

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों में अज्ञात मूल के हेपेटाइटिस के लगभग 170 मामले दर्ज किये हैं। उसका कहना है कि कम से कम एक मौत पहले ही हो चुकी है।

डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को कहा, 21 अप्रैल 2022 तक, डब्ल्यूएचओ यूरोपीय क्षेत्र के 11 देशों और डब्ल्यूएचओ अमेरिकी क्षेत्र के एक देश से अज्ञात मूल के तीव्र हेपेटाइटिस के से कम से कम 169 मामले सामने आए हैं। ज्यादातर मामले ब्रिटेन (114) में दर्ज किये गए हैं। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में अमेरिका, स्पेन, इजराइल, डेनमार्क, नेदरलैंड और इटली का नाम शामिल है। नॉर्वे और फ्रांस में दो-दो मामले सामने आए हैं जबकि रोमानिया और बेल्जियम में सिर्फ एक मामला दर्ज किया गया है।

कोविड के प्रसार को रोकने के लिए बीजिंग हाई अलर्ट पर, शंघाई में एक दिन में 39 मरीजों की मौत

बीजिंग, एजेंसी

चीन की राजधानी बीजिंग कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के चलते हाई अलर्ट पर है। संक्रमण के बढ़ते मामलों से स्थिति गंभीर हो गई है। देश के वित्तीय केंद्र शंघाई में कोविड से और 39 लोगों की मौत हो गई है, जो एक दिन की सर्वाधिक संख्या है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि देश में शनिवार को संक्रमण के 21,796 नए मामले सामने जिनमें 1,566 मरीजों में कोविड के लक्षण हैं, जबकि अन्य मामलों में मरीजों में रोग के लक्षण नहीं हैं। अधिकांश मामले शंघाई से हैं। बीजिंग में महामारी को लेकर अत्यधिक सतर्कता बरती जा रही है, क्योंकि शहर में शनिवार को स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 22 नए मामले सामने आये। शुक्रवार को शहर में मध्य विद्यालय के 10 छात्रों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सतर्कता बढ़ा दी गई, जिसके बाद अधिकारियों ने एक सप्ताह के लिए स्कूल में कक्षाएं स्थगित कर दीं। बीजिंग रोग निवारण और नियंत्रण केंद्र के उप निदेशक पैंग जिंगहुओ ने कहा कि लगभग एक सप्ताह पहले शहर में स्थानीय स्तर पर वायरस का प्रसार शुरू हुआ और इसमें स्कूल, यात्री समूह और परिवार शामिल थे। पैंग ने कहा कि बड़े पैमाने पर निर्माण श्रमिकों और स्कूल में काम करने वाले तथा घूमने गए वरिष्ठ नागरिकों की कोविड जांच की जाएगी।

बीजिंग के सरकारी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, शंघाई शहर वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का केंद्र रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शंघाई के अलावा, 16 अन्य प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर कोविड-19 के नये मामले सामने आये हैं, जिनमें जिलिन में 60, हेइलोंगजियांग में 26 और बीजिंग में 22 शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में 29,531 कोविड के मरीजों का इलाज चल रहा है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555